@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

वीरवार, 19 सितंबर 2024

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 314 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

भरभराकर गिरी इमारत, चार की मौत

नई दिल्ली, 18 सितंबर। बुधवार सुबह तकरीबन 9:15 बजे बज रहे थे। करोल बाग की संकरी गलियों में नजारा आम दिनों की तरह था। लोगों का अपने काम पर आना-जाना लगा हुआ था। कुछ बच्चे भी गली में चहलकदमी कर रहे थे। इसी बीच गली की एक इमारत भरभराकर गिरी। धमाके से बगल के मकान हिल गए और धूल का गुबार आस-पास के घरों में दाखिल होता है। इससे पहले लोग कुछ समझ पाते, चारों ओर चीख-पुकार मच गई। गली में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। बचाओ-बचाओ की चीख पुकार से पूरा इलाका गूंजने लगा। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि बिल्डिंग गिरते वक्त गली में भगदड़ की स्थिति थी। लोगों के रोने की आवाजें आ रही थीं। मलबे में दबे कुछ लोगों की आवाज भी साफ सुनाई पड़ रही थी। लोग मदद की गुजार लगा रहे थे। कोई पुलिस को फोन कर रहा है, तो कोई फायर विभाग से संपर्क करने की कोशिश कर रहा है। यही नहीं, कुछ लोगों ने एंबुलेंस को भी बुला लिया। सरकारी सहायता कोई पहुंच पाती, इससे पहले ही लोगों ने अपनी जिम्मेदारी समझते हुए आनन-फानन में मलबा उठाने लगे। जिंदगियों को बचाने के लिए लोगों को जो मिला वह अपने-अपने घरों से लोहे का डंडा, पाइप, डंडे सब ले आए। लोगों ने अपने हाथ में मोर्चा संभाल लिया। मौके पर मौजूद सलीम खान मायूसी के साथ बताते हैं कि कुछ समय पहले ही वह गिरी इमारत के पास से निकले थे। वह आसमान की ओर देखते हुए कहते हैं कि ऊपर वाले का शुक्र है कि वह बच गए। वह कहते हैं कि हादसा इतना भयानक था कि समय ही नहीं मिला कुछ समझने का। स्थानीय लोगों ने बचाव अभियान शुरू किया। जब तक दमकल विभाग और पुलिस नहीं आ गई तब तक वह कई जिंदगियों को बचाने के लिए जुट गए। बिना कोई सुरक्षा उपकरण और जान की परवाह किए बिना लोग मलबा हटाते नजर आए। लोगों में जज्बा ऐसा था कि पुलिस कर्मियों के पहुंचने के बाद भी वह बचाव कार्य में जुटे रहे।

आतिशी 21 सितंबर को लेंगी सीएम पद की शपथ

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 18 सितंबर। आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी 21 सितंबर को दिल्ली में मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकती है। पीटीआई से मिली जानकारी के मुताबिक, दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने भारत की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को शपथ ग्रहण की जानकारी दी है। जिसे 21 सितंबर की तारीख बताई जा रही है। अरविंद केजरीवाल ने बीते मंगलवार की शाम को एलजी को अपना इस्तीफा सौंपा था और आतिशी ने सरकार बनाने का दावा पेश किया था। हालांकि, आम आदमी पार्टी की ओर से शपथ ग्रहण की तारीख को लेकर कोई तारीख नहीं बताई गई है। दिल्ली की नई मुख्यमंत्री की घोषणा के साथ सरकार की नए कैबिनेट में शामिल होने वाले चेहरों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। उम्मीद है कि नई कैबिनेट में सभी पुराने चेहरों को मौका मिल सकता है। वहीं, आतिशी के मुख्यमंत्री बनने से इसमें दो नए चेहरे भी शामिल होंगे। नई कैबिनेट के खाली पदों पर पार्टी क्षेत्रीय व जातीय समीकरण साधने की कोशिश करेगी। इसमें एक अनुसूचित जाति के सदस्य को मौका मिल सकता है। दूसरा पूर्वांचल समेत दूसरे किसी क्षेत्र का हो सकता है। सूत्र बताते हैं कि मुख्यमंत्री मौजूदा कैबिनेट को बदलने के पक्ष में नहीं हैं। ऐसे में उम्मीद है कि मौजूदा मंत्रियों को कैबिनेट में जगह मिल सकती है। वहीं, अन्य दो सीटों पर कई विधायक दौड़ में हैं। इन दोनों सीटों में एक सामान्य सीट है। इस सामान्य सीट पर मंत्री बनने की दौड़ में सोमनाथ भारती, दुर्गेश पाठक, संजीव झा, दिलीप पाण्डेय और महेंद्र गोयल शामिल हैं। वहीं, एसटी कोटे से मंत्री बनने की दौड़ में कुलदीप कुमार, विशेष रवि और गिरीश सोनी शामिल हैं। सूत्रों की मानें तो बृहस्पतिवार तक दिल्ली कैबिनेट

को लेकर फैसला हो जाएगा। वहीं, राष्ट्रपति से हरी झंडी मिलने के बाद शुक्रवार तक नई सरकार शपथ ले सकती है। ऐसा माना जा रहा है कि इस बार सरकार उपराज्यपाल सचिवालय में ही शपथ लेगी। आम आदमी पार्टी से विधायक दल की नेता चुनी गई आतिशी के नेतृत्व में बन रही दिल्ली सरकार की पहली कैबिनेट में दिल्ली मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना पास हो सकती है। संभावना जताई जा रही है कि अक्तूबर के पहले सप्ताह नई सरकार की पहली कैबिनेट की बैठक होनी है। इस बैठक में कई विषयों पर चर्चा होगी। इसमें प्रमुखता के साथ दिल्ली मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना पर चर्चा होगी। इस योजना के लिए दिल्ली सरकार ने बजट में दो हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था की है। इस योजना के तहत दिल्ली में 18 साल से अधिक उम्र की हर महिला को प्रति माह एक हजार रुपये देने का लक्ष्य है। हालांकि नौकरीपेशा या आर्थिक लाभ अर्जित कर रही महिला को इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा। इसके अलावा दिल्ली जल बोर्ड की बिल माफी योजना सहित अन्य जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। आप सरकार में 10 साल बाद मुख्यमंत्री के पास कोई विभाग हो सकता है। उम्मीद की जा रही है कि मुख्यमंत्री बनने के बाद आतिशी शिक्षा, लोक निर्माण विभाग सहित महत्वपूर्ण विभागों को अपने पास रखेंगी जबकि इससे पहले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने पास कोई विभाग नहीं रखा था। हालांकि कुछ समय के लिए जल विभाग को देखा था, लेकिन एक समय के बाद उस विभाग को भी छोड़ दिया था। मुख्यमंत्री ने अपना इस्तीफा उपराज्यपाल को सौंप दिया है। वहीं, नई सरकार बनाने का दावा भी आतिशी ने पेश कर दिया है। इस्तीफे के साथ उपराज्यपाल अब दावे की फाइल राष्ट्रपति के पास भेजेंगे। वहां से मंजूरी मिलने के बाद मुख्यमंत्री का इस्तीफा मान्य होगा और नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू होगी। उपराज्यपाल की तरफ से तय की गई तारीख पर नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होगा। समारोह स्थल की सलाह सरकार उपराज्यपाल को दे सकती है।

चुनाव में मुफ्त सुविधाओं का वादा रिश्वत देने जैसा: सुप्रीम कोर्ट

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 18 सितंबर। चुनाव के दौरान मुफ्त रेवड़ी बांटने के मुद्दे को सुप्रीम कोर्ट ने अहम माना है और इस पर रोक की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि याचिका सुनवाई के लिए लिस्टेड है और वे इसे सुनवाई से नहीं हटाएंगे। दरअसल वकील अश्विनी उपाध्याय ने चुनाव के दौरान राजनीतिक पार्टियों द्वारा मुफ्त सुविधाएं देने के वादे के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। यह याचिका लिस्टेड है, लेकिन अन्य मामले की सुनवाई की वजह से आज इस याचिका पर सुनवाई की उम्मीद कम ही है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की सदस्यता वाली पीठ के समक्ष यह याचिका सूचीबद्ध है। याचिका दायर करने वाले वकील ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में मांग की कि याचिका को सूचीबद्ध रखा जाए ताकि कल इस मामले पर सुनवाई

हो सके। इस पर पीठ ने कहा कि यह मामला बेहद अहम है और वे याचिका को सूची से नहीं हटाएंगे। उल्लेखनीय है कि याचिका में मांग की गई है कि राजनीतिक पार्टियों के घोषणा पत्र में लोकलुभावन वादों पर रोक लगनी चाहिए क्योंकि ये वादे राजनीतिक फायदे के लिए किए जाते हैं। याचिका के अनुसार, ऐसे वादे संविधान का उल्लंघन करते हैं और चुनाव आयोग को इनकी रोक के लिए कदम उठाने चाहिए। याचिका में अश्विनी उपाध्याय ने चुनाव आयोग को ऐसी राजनीतिक पार्टियों के चुनाव चिह्नों को फ्रीज करने और राजनीतिक दलों का पंजीकरण रद्द करने की मांग की है, जो लोगों को चुनाव के दौरान मुफ्त सुविधाएं देने का वादा करते हैं। याचिका में कहा गया है कि चुनाव से पहले सार्वजनिक धन से तर्कहीन मुफ्त सुविधाएं देने का वादा मतदाताओं को अनुचित रूप से प्रभावित करता है, इससे चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता भी दूषित होती है। याचिकाकर्ता ने कहा है कि चुनाव को ध्यान में रखते हुए मुफ्त उपहारों की पेशकश करके मतदाताओं को प्रभावित करने की राजनीतिक दलों की हालिया प्रवृत्ति न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों के अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा है, बल्कि संविधान की भावना को भी चोट पहुँचाती है। यह अनैतिक व्यवहार सत्ता में बने रहने के लिए राजकोष की कीमत पर मतदाताओं को रिश्वत देने जैसा है और लोकतांत्रिक सिद्धांतों और प्रथाओं को बनाए रखने के लिए इससे बचना चाहिए। अभी देश में आठ मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दल और 56 राज्य स्तरीय मान्यता प्राप्त दल हैं। देश में पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की कुल संख्या लगभग 2,800 है।

लालू-तेजस्वी को समन, पहली बार तेज प्रताप भी तलब

नई दिल्ली, 18 सितंबर। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और उनके दोनों बेटों तेज प्रताप और तेजस्वी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। तीनों को कोर्ट ने नौकरी के बदले जमीन से जुड़े घोटाले मामले में तलब किया है। घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अन्य आरोपियों को भी तलब किया गया है। कोर्ट ने सभी को सात अक्तूबर को पेश होने के लिए कहा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छह अगस्त को 11 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था, जिनमें से चार की पहले ही मौत हो चुकी है। दरअसल, दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने लालू, तेजस्वी और अन्य आरोपियों को समन जारी किया है। कोर्ट ने अखिलेश्वर सिंह और उनकी पत्नी किरण देवी को भी समन भेजा है। कोर्ट ने कहा कि तेज प्रताप यादव की संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता है। वह एके इंफोसिस लिमिटेड के निदेशक भी थे। उन्हें भी जमन जारी किया गया है। आरोप है कि रेलवे मंत्री रहते हुए लालू यादव इस घोटाले में शामिल थे। यह घोटाला 2004 से 2009 के बीच किया गया था, जहां कई लोगों को रेलवे के विभिन्न जोनों में ग्रुप-डी के पदों पर नौकरियां दी गई थीं। बदले में इन लोगों ने अपनी जमीन तत्कालीन रेलवे मंत्री लालू यादव के परिवार के सदस्यों और एक संबंधित कंपनी एके इंफोसिस्टम के नाम कर दी थी। घोटाले का आरोप यूपीए सरकार में रेल मंत्री रहे पवन बंसल के भांजे विजय सिंगला पर भी लगा है। मामले में भी सीबीआई ने विजय सिंगला समेत 10 के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

लोकतंत्र को अधिक जीवंत करने की दिशा में अहम कदम: पीएम मोदी

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 18 सितंबर। वन नेशन-वन इलेक्शन के मसौदे को आज मोदी सरकार की कैबिनेट ने मंजूरी दे दी। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को वन नेशन-वन इलेक्शन पर गठित पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली कमेटी की सिफारिशों पर अपनी मुहर लगा दी। फैसले को मंजूरी मिलने के बाद अब पीएम मोदी की प्रतिक्रिया सामने आई है। पीएम मोदी ने ट्वीट करते हुए कहा कि, कैबिनेट ने एक साथ चुनाव कराने संबंधी उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है। मैं इस प्रयास की अगुआई करने और विभिन्न हितधारकों से परामर्श करने के लिए हमारे पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी की सराहना करता हूं। यह हमारे लोकतंत्र को और भी अधिक जीवंत और सहभागी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि, पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत परिवर्तनकारी सुधारों का गवाह बन रहा है। आज, इस दिशा में, केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा एक राष्ट्र, एक चुनाव पर उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों को स्वीकार करने के साथ, भारत ऐतिहासिक चुनाव सुधारों की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहा है। यह स्वच्छ और वित्तीय रूप से कुशल चुनावों के माध्यम से हमारे लोकतंत्र

को मजबूत करने और संसाधनों के अधिक उत्पादक आवंटन के माध्यम से आर्थिक विकास में तेजी लाने की मोदी जी की दृढ़ इच्छाशक्ति को दर्शाता है। केंद्रीय मंत्रिमंडल में एक राष्ट्र एक चुनाव को मंजूरी दिए जाने पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, आज मैं मन से बहुत प्रसन्न हूं, आज कैबिनेट ने पीएम मोदी की अध्यक्षता में बहुत बड़ा फैसला किया है। हमेशा होने वाले चुनाव देश के प्रगति में बाधक थे इस देश में 24 घंटे चुनाव की तैयारी चलती रहती है....इसलिए विकास के बड़े फैसले नहीं लिए जा पाते। मैं पीएम मोदी को दिल से बधाई देता हूं ऐसा फैसला उनके नेतृत्व में ही हो सकता है। सभी मिलकर इसका समर्थन करें। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसका स्वागत किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि एक समृद्ध लोकतंत्र के लिए राजनीतिक स्थिरता अत्यंत महत्वपूर्ण है। योगी ने आगे लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के यशस्वी नेतृत्व में आज केंद्रीय कैबिनेट द्वारा एक देश, एक चुनाव प्रस्ताव को दी गई मंजूरी अभिनंदनीय है। देश में राजनीतिक स्थिरता, सतत विकास और समृद्ध लोकतंत्र की सुनिश्चितता में यह निर्णय मील का पत्थर सिद्ध होगा। इस युगांतरकारी निर्णय के लिए उत्तर प्रदेश की जनता की ओर से आदरणीय प्रधानमंत्री जी का हृदय से आभार! उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने लिखा कि बहुप्रतीक्षित एवं ऐतिहासिक कदम !

कांग्रेस का वादा: 2.71 लाख कर्मी, डेढ़ लाख पेंशनर व 15 लाख परिजन

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 18 सितंबर। हरियाणा के विधानसभा चुनाव में पुरानी पेंशन भी एक बड़ा मुद्दा बन गया है। प्रदेश में दोनों प्रमुख दल भाजपा और कांग्रेस, इस मुद्दे पर अलग मत रखते हैं। बुधवार को कांग्रेस पार्टी ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में पुरानी पेंशन देने की घोषणा की है। दूसरी तरफ भाजपा की राज्य इकाई और विधानसभा चुनाव लड़ रहे उम्मीदवार, ओपीएस को लेकर असमंजस में हैं। जब उनसे ओपीएस बाबत पूछा जाता है तो केंद्र सरकार का मामला कह कर वे अपना पिंड छुड़ाते हुए दिखते हैं। इतना ही नहीं, पिछले दिनों मुख्यमंत्री नायब सैनी का एक बयान भी खूब चर्चा में है। उन्होंने सरकारी कर्मियों को लेकर कहा था कि सरकार बनने के बाद हरियाणा के अधिकारियों व कर्मचारियों की चूड़ी टाइट करने का काम करेंगे। बता दें कि प्रदेश में सरकारी कर्मचारी, लंबे समय से पुरानी पेंशन बहाली के लिए आंदोलन कर रहे हैं। हरियाणा की राजधानी के अलावा जिला स्तर पर भी कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया है। पेंशन बहाली संघर्ष समिति के राज्य प्रधान विजेंद्र धारीवाल, लगातार इस मुद्दे पर मुखर हैं। उनका

कहना है कि सरकारी कर्मचारी, भाजपा को वोट नहीं देगा। प्रदेश के सरकारी कर्मियों के बीच, ओपीएस एक बड़ा मुद्दा है। जो लोग यह सोचते हैं कि कर्मचारियों की छोटी संख्या, चुनाव में क्या नुकसान पहुंचाएगी, उन्हें चुनावी नतीजों के बाद कर्मियों की ताकत का अहसास होगा। हरियाणा में लगभग 2.71 लाख सरकारी कर्मचारी हैं। इसके अलावा 1.55 लाख से अधिक पेंशनर्स हैं। अगर सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर के परिवारों को मिलाएं तो यह संख्या करीब 15 लाख के आसपास पहुंच जाती है। विधानसभा चुनाव, जहां पर हार जीत का अंतर हजारों में ही होता है, वहां कर्मचारियों और उनके परिजनों की यह संख्या मायने रखती है। कांग्रेस पार्टी ने भले ही लोकसभा चुनाव में ओपीएस बहाली को अपने घोषणा पत्र में जगह नहीं दी थी, लेकिन अब हरियाणा के चुनाव में पुरानी पेंशन को प्रमुख गारंटी में शामिल किया गया है। केंद्र सरकार ने ओपीएस और एनपीएस के स्थान पर यूपीएस लागू की घोषणा की है। हरियाणा में 14 सितंबर को कुरुक्षेत्र में आयोजित एक चुनावी जनसभा में खुद पीएम मोदी ने ओपीएस को लेकर बड़ा बयान दिया है।

पंजाब सीएम मान दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती

चंडीगढ़, 18 सितंबर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की मंगलवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। सीएम मान की तबीयत उस समय खराब हो गई जब वे चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर थे। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। सीएम के करीबीयों की मानें तो अब उनका स्वास्थ्य बेहतर है। दिल्ली के सीएम अरविंदर केजरीवाल को जेल से जमानत मिलने पर वह बीते कुछ दिनों से दिल्ली में ही थे। सीएम मान बीते रोज जब चंडीगढ़ एयरपोर्ट पहुंचे, अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई। तबीयत खराब होने के बाद उन्हें फौरन चंडीगढ़ सीएम आवास लाया गया। यहां उन्हें ड्रिप लगाई गई। इसके बाद सीएम मान को दोबारा चंडीगढ़ से दिल्ली के अपोलो हॉस्पिटल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि अब सीएम मान की तबीयत में सुधार है। सीएम मान 13 सितंबर को उस समय दिल्ली गए थे, जब दिल्ली एक्साइज पॉलिसी मामले में पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली थी। इसके बाद से ही वह दिल्ली में ही रुके हुए थे। साथ ही पार्टी की मैराथन बैठकों और अन्य कार्यक्रमों में शामिल हो रहे थे। इसके अलावा हरियाणा चुनाव को लेकर मीटिंगों में भी वह व्यस्त रहे। इस दौरान जब मंगलवार दोपहर को वह विमान से चंडीगढ़ पहुंचे तो उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। हालांकि इसके बाद वह अपने आवास पर गए थे। आवास से दोबारा सीएम मान को दिल्ली अपोलो अस्पताल में इलाज के लिए इसलिए भर्ती कराया गया, क्योंकि बुधवार शाम को आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में पार्टी के सीनियर लीडरों की बैठक थी।

एक देश-एक चुनाव व्यावहारिक नहीं, असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही भाजपा: खरगे

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 18 सितंबर। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि एक देश-एक चुनाव व्यावहारिक नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब चुनाव नजदीक आते हैं, तो असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए भाजपा ऐसी बातें करती है। उनकी यह टिप्पणी तब सामने आई, जब इस मुद्दे पर एक उच्च स्तरीय समिति ने बुधवार को एक रिपोर्ट केंद्रीय मंत्रिमंडल को सौंपी है। लोकसभा चुनावों की घोषणा से पहले पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के नेतृत्व वाली समिति ने मार्च में रिपोर्ट सौंपी थी। इस मुद्दे पर पूछे जाने पर खरगे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, यह व्यावहारिक नहीं है। यह काम नहीं करेगा। जब चुनाव आते हैं और उन्हें उठाने के लिए कोई मुद्दा नहीं मिलता है तो वह असली मुद्दों से ध्यान भटका देते हैं। इससे पहले, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक राष्ट्र, एक चुनाव पर कोविंद समिति की रिपोर्ट स्वीकार कर लिया है। कोविंद समिति को एक साथ चुनाव कराने के लिए व्यापक समर्थन मिला है। मंत्रिमंडल ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव को मंजूरी दी है। उन्होंने यह भी कहा कि कोविंद समिति की सिफारिशों पर पूरे भारत में विभिन्न मंचों पर चर्चा की जाएगी। बड़ी संख्या में दलों ने एक साथ चुनाव कराने का समर्थन किया है। हम अगले कुछ महीनों में आम सहमति बनाने का प्रयास करेंगे। उच्च स्तरीय समिति ने पहले चरण के तौर पर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की है। इसके 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव कराए जाने की बात कही गई है। समिति ने सिफारिशों के क्रियान्वयन पर विचार करने के लिए एक

कार्यान्वयन समूह के गठन का भी प्रस्ताव रखा है। समिति के मुताबिक, एक साथ चुनाव कराने से संसाधनों की बचत होगी। विकास और सामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा मिलेगा। लोकतांत्रिक ढांचे की नींव मजबूत होगी। इससे इंडिया, जो भारत है की आकांक्षाओं को साकार करने में मदद मिलेगी। समिति ने राज्य चुनाव अधिकारियों के परामर्श से चुनाव आयोग की ओर से एक समान मतदाता सूची और मतदाता पहचान पत्र तैयार करने की भी सिफारिश की थी। फिलहाल भारत का चुनाव आयोग लोकसभा और विधानसभा चुनावों को ही देखता है। नगर पालिकाओं और पंचायतों के लिए स्थानीय निकाय चुनाव राज्य चुनाव आयोगों की ओर से कराए जाते हैं। बताया गया कि समिति ने 18 संवैधानिक संशोधनों की सिफारिश की है, जिनमें से अधिकांश को राज्य विधानसभाओं से समर्थन की जरूरत नहीं होगी। हालांकि, इनके लिए कुछ संविधान संशोधन विधेयकों की जरूरत होगी, जिन्हें संसद से पारित कराना होगा। एकल मतदाता सूची और एकल मतदाता पहचान पत्र के संबंध में कुछ प्रस्तावित परिवर्तनों को कम से कम आधे राज्यों से समर्थन की जरूरत होगी। इसके अलावा विधि आयोग भी जल्द ही एक साथ चुनाव कराने पर अपनी रिपोर्ट लेकर आने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसके पूरजोर सथर्मक रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, विधि आयोग सरकार के सभी तीन स्तरों लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और नगर पालिकाओं-पंचायतों जैसे स्थानीय निकायों के लिए 2029 से एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश कर सकता है। त्रिशंकु सदन जैसे मामलों में एकता सरकार (यूनिटी गवर्नमेंट) के प्रावधान की सिफारिश कर सकता है।

गगनयान-चंद्रयान-4 के बाद अगला लक्ष्य वीनस ऑर्बिटर मिशन

नई दिल्ली, 18 सितंबर। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर उतारने और उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाने के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकियों को विकसित करने और प्रदर्शित करने के लिए नए चंद्र मिशन चंद्रयान-4 को मंजूरी दी है। वहीं केंद्रीय कैबिनेट के फैसलों पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, चंद्रयान-4 मिशन का विस्तार किया गया है और इसका अगला कदम चंद्रमा पर मानव मिशन भेजना है। इस दिशा में सभी प्रारंभिक चरणों को मंजूरी दे दी गई है। इसके साथ ही वीनस ऑर्बिटर मिशन, गगनयान फॉलो-ऑन और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन और अगली पीढ़ी के लॉन्च व्हीकल विकास को भी मंजूरी दी गई है। उन्होंने बताया कि चंद्रयान-4 मिशन के तहत चंद्रमा की चट्टानों और मिट्टी को पृथ्वी पर लाया जाएगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी देते हुए कहा गया है कि चंद्रयान-4 मिशन भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर उतारने (वर्ष 2040 तक नियोजित) और सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाने के लिए मूलभूत प्रौद्योगिकियों को प्राप्त करेगा। इसमें डॉकिंग/अनडॉकिंग, लैंडिंग, पृथ्वी पर सुरक्षित वापसी और चंद्र नमूना संग्रह और विश्लेषण को पूरा करने के लिए आवश्यक प्रमुख प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक प्रौद्योगिकी प्रदर्शन मिशन चंद्रयान-4 के लिए कुल निधि की आवश्यकता 2,104.06 करोड़ रुपये है। वहीं इसरो अंतरिक्ष यान के विकास और प्रक्षेपण के लिए जिम्मेदार होगा। उद्योग और शिक्षाविदों की भागीदारी के साथ इस मिशन के अनुमोदन के 36 महीने के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। सभी महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों को स्वदेशी स्तर पर विकसित किए जाने की परिकल्पना की गई है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्र ग्रह पर वैज्ञानिक अन्वेषण और शुक्र ग्रह के वायुमंडल, भूविज्ञान को बेहतर ढंग से समझने और इसके घने वायुमंडल की जांच कर बड़ी मात्रा में वैज्ञानिक आंकड़े जुटाने के लिए शुक्र ग्रह परिक्रमा मिशन (वीओएम) को भी मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि कैबिनेट ने भारी-भरकम अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यान को पृथ्वी की निचली कक्षा में 30 टन का पेलोड स्थापित करने की मंजूरी दी है।

बांग्लादेश में सैन्य नियंत्रण लागू किया गया

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में मोहम्मद युनुस की अगुवाई वाली सरकार ने सेना को देशभर में विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट का अधिकार दिया है। 1898 की आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 12(1) के प्रावधानों के तहत सेना के कमीशन अधिकारियों को 60 दिनों की अवधि के लिए कार्यकारी मजिस्ट्रेट की शक्तियां दी गई हैं। इस निर्णय की घोषणा लोक प्रशासन मंत्रालय की एक अधिसूचना में की गई। मंत्रालय द्वारा जारी गजट अधिसूचना के अनुसार, योग्य सैन्य अधिकारी देशभर में जिला मजिस्ट्रेटों की देखरेख में कार्यकारी मजिस्ट्रेट के रूप में काम करेंगे। ये सेना मजिस्ट्रेट संहिता की धारा 65, 83, 84, 86, 95(2), 100, 105, 107, 109, 110, 126, 127, 128, 130, 133 और 142 के तहत अपराधों से संबंधित गतिविधियों की निगरानी करेंगे। इससे पहले, देश में कोटा सुधार विरोध प्रदर्शनों के दौरान बड़े पैमाने पर हुई झड़पों के जवाब में शेख हसीना सरकार ने सेना तैनात की थी और 19 जुलाई को देशव्यापी कर्फ्यू लगा दिया था। हालांकि 05 अगस्त को छात्रों के नेतृत्व वाले जन विद्रोह के आगे सरकार टिक नहीं सकी और 08 अगस्त को डॉ मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम प्रशासन ने नियंत्रण ग्रहण किया था।

ईरान के राष्ट्रपति यूएनजीए सत्र में भाग लेंगे

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 79वें सत्र में भाग लेंगे और वह रविवार को न्यूयॉर्क के लिए रवाना होंगे। आधिकारिक समाचार एजेंसी इरना ने यह जानकारी दी। इरना ने कहा कि श्री पेजेशकियन का भाषण 24 सितंबर को निर्धारित है। वह अपने भाषण के दौरान ईरानी लोगों के दृष्टिकोण पर प्रकाश डालेंगे। एजेंसी ने कहा कि राष्ट्रपति के न्यूयॉर्क में अपने प्रवास के दौरान अमेरिका में रहने वाले ईरानी नागरिकों, मीडिया और थिंक टैंक के निदेशकों अन्य देशों के उच्च पदस्थ अधिकारियों और धार्मिक नेताओं से मिलने की उम्मीद है। श्री पेजेशकियन ने सोमवार को तेहरान में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यूएनजीए 79 में उनकी भागीदारी का उद्देश्य ईरानियों के अधिकारों, दृष्टिकोण और विश्वासों की रक्षा करना होगा।

नाइजीरिया में सैनिकों ने आतंकवाद विरोधी अभियान में चार डाकुओं को मार गिराया

अबुजा। नाइजीरिया में सैनिकों ने उत्तर-पश्चिमी राज्य कडुना में अलग-अलग आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान कम से कम चार डाकुओं को मार गिराया और 20 बंधकों को छुड़ा लिया। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। कडुना में आंतरिक सुरक्षा और गृह मामलों के आयुक्त सैमुअल अरुवान ने संवाददाताओं को बताया कि सैनिकों ने 17 सितंबर को 'सफल अभियान' को अंजाम देने के लिए बिरनिन ग्वारी और गिवा स्थानीय सरकारी क्षेत्र में कुछ डाकुओं के ठिकानों के संदिग्ध घने झाड़ियों की तलाशी ली। उन्होंने अभियान से पहले सेना द्वारा विश्वसनीय खुफिया जानकारी का हवाला देते हुए कहा कि एक स्थान पर विशेष निकासी छापा मारा गया था और दूसरे स्थान पर डाकुओं के वापसी मार्ग पर घात लगाकर हमला किया गया था। उन्होंने कहा कि अपहरण के बचाए गए पीड़ितों को उनके परिवारों के साथ फिर से मिला दिया गया है।

मेक्सिको: सिनालोआ राज्य में हिंसा में 30 नागरिक मारे गए

मेक्सिको सिटी। उत्तर-पश्चिमी मेक्सिको के सिनालोआ राज्य में गत नौ सितंबर को हिंसा की लहर के बाद से कम से कम 30 नागरिक मारे गए हैं। रक्षा मंत्री लुइस क्रेसेनियो सैंडोवाल ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल लोपेज़ ओब्रेडोर की नियमित दैनिक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान श्री सैंडोवाल ने कहा कि संघीय सरकार हिंसा को रोकने के लिए क्षेत्र में सुरक्षा को मजबूत कर रही है। हिंसा में दो सैनिकों की जान भी चली गई है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने आपराधिक संगठनों से जुड़े कम से कम 30 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है और 115 आग्नेयास्त्र जब्त किए हैं। हाल ही में हुई हिंसा की शुरुआत प्रतिद्वंद्वी ड्रग तस्करी समूहों के बीच झड़पों के बाद हुई। राष्ट्रपति ने कहा कि उनका प्रशासन लड़ाई को शांत करने और क्षेत्र के निवासियों की सुरक्षा के लिए काम कर रहा है। उन्होंने मेक्सिको सिटी में नेशनल पैलेस में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'हम सिनालोआ में जो कुछ हो रहा है उस पर ध्यान दे रहे हैं।'

न्यूयॉर्क में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में तोड़फोड़, भारतीय वाणिज्य दूतावास ने उठाया मामला

यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने यहां मेलविले में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में तोड़फोड़ की निंदा करते हुए इस मामले को अमेरिकी कानून प्रवर्तन अधिकारियों के समक्ष उठाया है। भारतीय वाणिज्य दूतावास ने एक पोस्ट में कहा , मेलविले में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में तोडफोड़ अस्वीकार्य है। वाणिज्य दूतावास न्यूयार्क में भारतीय समुदाय के संपर्क में है और इस जघन्य कृत्य के अपराधियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई के लिए अमेरिकी कानून प्रवर्तन अधिकारियों के समक्ष इस मामले को उठाया है। न्यूयॉर्क सांसद टॉम सुओज़ी ने एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा , इस तरह की हरकतें गैर-अमेरिकी हैं और हमारे राष्ट्र के मूल मूल्यों के विपरीत हैं। मेलविले में बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर को निशाना बनाकर की गई बर्बरता की घृणित हरकतों से मैं स्तब्ध हूँ।

लेबनान के उपन्यासकार इलियास खौरी का 76 वर्ष की आयु में निधन

एजेंसी

बेरूत। लेबनान के चर्चित उपन्यासकार इलियास खौरी नहीं रहे। कई माह से बीमार खौरी ने 76 वर्ष की आयु में आखिरी सांस ली। लेखक खौरी अपने पीछे साहित्य की लंबी विरासत छोड़ गए हैं। उनकी यह विरासत संघर्ष और विस्थापन के बीच मानवीय स्थिति पर गहन अंतर्दृष्टि प्रदान करती है।

डेली स्टार लेबनान की खबर के अनुसार, फिलिस्तीन के संघर्ष पर उनके कई उपन्यास और निबंध सुर्खियों पर रहे हैं। उन्हें मजबूत राजनीतिक विचारों के लिए जाना जाता था। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के प्रबलतम पक्षधर खौरी ने मध्य पूर्वी तानाशाही और फिलिस्तीन में इजराइल की नीतियों की कड़ी आलोचना की। बीमारी के दौरान भी उन्होंने लेखन जारी रखा।

पिछले साल सात अक्टूबर को इजराइल और हमास के मध्य छिड़े युद्ध के कुछ दिनों बाद उन्होंने अल-

कुद्स ए-अरब दैनिक में इट्स फिलिस्तीन शीर्षक से एक लेख लिखा। इसमें उन्होंने गाजा को सबसे बड़ी खुली हवा वाली जेल के रूप में वर्णित किया। 1948 में बेरूत में जन्मे खौरी ने लेबनान विश्वविद्यालय से पढ़ाई पूरी करने के बाद पेरिस विश्वविद्यालय से सामाजिक इतिहास में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। उपन्यास खौरी ने अन-नाहर और अस-सफीर जैसे प्रमुख लेबनानी समाचार पत्रों के सांस्कृतिक खंडों का संपादन किया। फिलिस्तीन अध्ययन पत्रिका के प्रधान संपादक के रूप में कार्य किया। खौरी की साहित्यिक कृतियों में लिटिल माउंटेन और बाब अल-शम्स (सूर्य का द्वार) प्रमुख हैं। उनके उपन्यासों का हिब्रू सहित कई भाषाओं में अनुवाद किया ग। खौरी ने न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय, कोलंबिया, प्रिंसटन और लंदन विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में भी पढ़ाया।

सिएटल में लगेगी वेश्यावृत्ति और नशीली दवाओं पर लगाम

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में सिएटल सिटी काउंसिल ने दो नए विधेयक पारित किए। इनका उद्देश्य सार्वजनिक रूप से नशीली दवाओं के उपयोग, बिक्री और वेश्यावृत्ति पर लगाम लगाना है। पहले विधेयक में यह प्रावधान है कि अब नशीलों दवाओं के सौदागरों के सिएटल शहर के मुख्य भाग स्टे आउट ऑफ ड्रग एरिया में प्रवेश करना प्रतिबंधित होगा। द सिएटल टाइम्स की एक खबर के अनुसार, नशीली दवाओं से संबंधित विधेयक लाने का प्रस्ताव काउंसिल सदस्य बॉब केटल ने किया। इसे सिटी अटॉर्नी एन डेविसन ने पेश किया। यह विधेयक 8 से 1 के अंतर से पारित हुआ। काउंसिल सदस्य टैमी मोरालेस ने इसके खिलाफ मतदान किया। दूसरा विधयेक उत्तरी सिएटल में ऑरोरा एवेन्यू से संबंधित है। यह जगह वेश्यावृत्ति और आवारागर्दी के लिए

बदनाम है। इसमें कहा गया है कि सेक्स वर्कर को यहां से दूसरी जगह शिफ्ट किया जाएगा। काउंसिल सदस्य कैथी मूर का यह विधेयक भी 8 से 1 के अंतर से पारित हुआ। काउंसिल सदस्य टैमी मोरालेस ने इस विधेयक के खिलाफ भी मतदान किया। उल्लेखनीय है कि सिएटल वाशिंगटन राज्य का एक प्रमुख शहर है। यह प्रमुख बंदरगाह है। यह प्रशांत महासागर और लेक वौशिंग्टन के बीच स्थित है। कनाडा की सीमा यहां से मात्र 160 किलोमीटर दूर है। अप्रैल 2009 में यहां की आबादी लगभग 61,700 थी।

बांग्लादेश इस साल भारत को हिल्सा मछली का नहीं करेगा निर्यात : गृह सलाहकार

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के गृह सलाहकार व लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) मोहम्मद जहांगीर आलम चौधरी ने कहा कि बांग्लादेश अपनी जरूरतों को देखते इस साल भारत को हिल्सा मछली का निर्यात नहीं करेगा। अंतरिम सरकार मौजूदा डॉलर संकट में भी पर्याप्त मात्रा में उर्वरक आयात कर रही है। इसके चलते पड़ोसी देशों के लिए हिल्सा मछली और खाद की तस्करी होने की आशंका बढ़ गई है। इससे समुद्र और अन्य जलमार्गों के माध्यम से हिल्सा मछली और उर्वरक सहित विभिन्न उत्पादों की तस्करी को रोकने के लिए तटरक्षक बल की जिम्मेदारी बढ़ गई है। गृह सलाहकार व लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) मोहम्मद जहांगीर आलम चौधरी यहां राजधानी के अगरगांव प्रशासनिक क्षेत्र में बांग्लादेश तटरक्षक मुख्यालय पर वरिष्ठ अधिकारियों और नाविकों के साथ एक परिचर्चा बैठक में बोल

रहे थे। सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल चौधरी ने कहा कि जहां विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों के मनोबल में गिरावट है, वहीं तटरक्षक बल इस संबंध में एक अपवाद है। वे नैतिक मानकों को बनाए रखते हैं और सौंपी गई जिम्मेदारियों को अच्छी तरह से निभाते हैं। इसके लिए मैं उन्हें तहे दिल से धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि समाज में भ्रष्टाचार फैल गया है। ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है, जहां भ्रष्टाचार न हो। सलाहकार ने तटरक्षक बल के सदस्यों से भ्रष्टाचार विरोधी रुख में अपनी पिछली परंपराओं और सम्मान को बनाए रखने और हथियारों सहित विभिन्न खरीद और खरीद में पारदर्शिता बनाए रखने का आग्रह किया। अपने संबोधन में गृह सलाहकार ने आवास, जनशक्ति, हथियार और तटरक्षक बल के लिए गश्ती और बचाव नौकाओं की खरीद सहित विभिन्न मुद्दों को हल करने के लिए आवश्यक सहयोग और उपायों का आश्वासन दिया। इस परिचर्चा में गृह मंत्रालय के सार्वजनिक सुरक्षा विभाग के वरिष्ठ सचिव मोहम्मद अब्दुल मोमेन और बांग्लादेश तटरक्षक बल के महानिदेशक रियल एडमिरल मीर इरशाद अली और अन्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान सलाहकार चौधरी को तटरक्षक बल की विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

अमेरिका में हैरिस और ट्रंप अब टीवी और रेडियो में खोलेंगे मोर्चा

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव अब दिलचस्प मोड़ पर पहुंच चुका है। प्रचार के अंतिम सात सप्ताह राष्ट्रपति पद के दोनों उम्मीदवार पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का पूरा जोर संचार माध्यमों पर रहेगा। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने एक विज्ञापन ट्रैकिंग फर्म हवाले से खबर दी है कि राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और उनके सहयोगी अभियान के अंतिम सात हफ्तों में टेलीविजन और रेडियो विज्ञापन पर आधा बिलियन डॉलर से ज्यादा खर्च करने की योजना बना रहे हैं। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का समर्थन करने वाले समूहों ने टेलीविजन और रेडियो विज्ञापनों के लिए 332 मिलियन डालर का एयरटाइम आरक्षित किया है। डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन करने वाले समूहों ने इस पर लगभग 194 मिलियन डालर खर्च करने की योजना बनाई है। दोनों पक्ष सबसे ज्यादा खर्च पेंसिल्वेनिया में करेंगे।

बांग्लादेश में चुनाव कब हो, यह नागरिकों को तय करना है: अमेरिका

एजेंसी

ढाका। अमेरिका के उप विदेश मंत्री रिचर्ड आर वर्मा ने कहा कि यह बांग्लादेश के लोगों को तय करना है कि नया चुनाव कब हो और अंतरिम सरकार कितने समय तक रहे। उन्होंने वाशिंगटन डीसी स्थित हडसन इंस्टीट्यूट में सोमवार को एक कार्यक्रम में एक सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की। शीर्ष अमेरिकी राजनयिक ने कहा कि यह बताना अभी थोड़ा जल्दबाजी होगी कि बांग्लादेश में चीजें किस दिशा में जा रही हैं। अमेरिकी टीम ने ढाका का दौरा इसीलिए किया। उनकी टीम अभी-अभी बांग्लादेश से लौटी है। टीम ने इस कठिन समय में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को मानवीय सहायता और समर्थन में अतिरिक्त प्रतिबद्धता जताई हैं। वर्मा ने उम्मीद जताई है कि बांग्लादेश में जल्द ही सुरक्षा बहाल होगी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों पर उन्होंने चिंता जताई। अमेरिकी राजनयिक ने कहा कि किसी भी नागरिक पर कोई भी हमला चिंताजनक है। इसे काफी गंभीरता से लेना चाहिए। वर्मा ने हडसन इंस्टीट्यूट में भाषण दिया और 2000 के बाद से अमेरिका-भारत

संबंधों में हासिल की गई उपलब्धियों पर चर्चा की। इसके बाद वर्मा ने इंस्टीट्यूट में भारत और दक्षिण एशिया पर शोध करने वाली डॉ. अपर्णा पांडे के साथ एक खुली बातचीत में हिस्सा लिया। उल्लेखनीय है कि वर्मा इससे पहले 2015-2017 तक भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में कार्यरत रहे हैं।

भारत की तरफ से दोतरफा हवाई रूट नहीं मिलने तक नेपाल के पोखरा और भैरहवा विमानस्थल का पूर्ण संचालन असंभव

एजेंसी

काठमांडू। भारत दौरे से लौट कर नेपाल के नागरिक उड्डयन मंत्री बद्री पाण्डे ने कहा है कि बिना भारत के सहयोग के नेपाल के दो नए अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल का पूर्ण रूप से संचालन नहीं हो सकता है। भारत में अपने समकक्ष मंत्री सहित विभिन्न संबंधी विभागों के साथ दिल्ली में हुई बैठक के बारे में जानकारी साझा करने के लिए मंत्री बद्री पाण्डे ने पत्रकार सम्मेलन का आयोजन किया।

इस अवसर पर पाण्डे ने बताया कि दिल्ली में उनकी मुलाकात भारत के नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू सहित वहां के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ हुई। उन्होंने कहा कि इन सभी मुलाकातों के दौरान नेपाल के दो नए अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल के संचालन में सहयोग का आग्रह किया गया था।

नेपाल की तरफ से इस समय दिए जाने वाले एक हवाई रूट के अलावा दो नए हवाई रूट की दो तरफा प्रयोग की मांग की गई है। मंत्री ने पत्रकार सम्मेलन में बताया कि

भारत की तरफ से आने वाले सभी अंतराष्ट्रीय विमानों को सिर्फ सिमरा के एयररूट से ही नेपाल में लैंडिंग की इजाजत है। नेपाल की ओर से पोखरा और भैरहवा अंतराष्ट्रीय विमानस्थलों के लिए भारत को महेन्द्रनगर और भैरहवा के एयर रूट के संचालन का आग्रह किया गया है।

उन्होंने बताया कि महेंद्रनगर के लिमा 626 और भैरहवा के ब्रावो 345 एयर रूट को दो तरफा प्रयोग करने दिया गया तो ही इन दो नए एयरपोर्ट का पूर्ण संचालन संभव है। इस समय नेपाल से बाहर जाने वाले विदेशी विमान को अपनी सुविधा के मुताबिक सिमरा के अलावा महेंद्रनगर और भैरहवा एयर रूट की अनुमति तो है पर लैंडिंग के समय नेपाल में प्रवेश की अनुमति नहीं है, जिस कारण पोखरा और भैरहवा विमानस्थल पर बड़े विमानों का अवतरण थोड़ा मुश्किल और खर्चीला बनाता है। नेपाल के मंत्री बद्री पाण्डे ने कहा कि भारतीय पक्ष से बातचीत में भैरहवा और पोखरा विमानस्थल पर लगे इंस्टुमेंटल लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) को लेकर भी बातचीत हुई है। चीन की तरफ से बनाए गए इन दोनों विमानस्थल पर चीन द्वारा ही इस प्रणाली को लगाया गया है, जिसको लेकर भारत ने बहुत पहले ही आपत्ति जताई थी। इस विषय पर मंत्री पाण्डे का कहना है कि अगर भारत चाहे तो नेपाल इन दोनों विमानस्थल पर उसके यहां बने आईएलएस प्रणाली लगाने को तैयार है।

लेबनान में पेजर धमाकों में 11 की जान गई, 2700 से अधिक लोग घायल, इनमें 200 की हालत नाजुक

एजेंसी

बेरूत (लेबनान)। लेबनान पेजर विस्फोट दहल गया है। हुए इन धमाकों में अब तक 11 लोगों की जान चली गई। आतंकी समूह हिजबुल्लाह के गुर्गों के हजारों पेजर एक साथ फट गए। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री ने राज्य मीडिया को बताया कि इन धमाकों में कम से कम 11 लोग मारे गए और 2,700 से अधिक घायल हुए। लेबनान के समाचार पत्र एल' ओरिएंट टुडे के अनुसार, अधिकतर पेजर विस्फोट बेरूत के दहिह, दक्षिणी लेबनान के टायर, नबातिह और मरजायून और बेका में हुए। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार, 2,750 लोगों के घायल होने की सूचना है। इनमें 200 की हालत गंभीर है। घायलों में हिजबुल्लाह के लड़ाके और चिकित्सक शामिल हैं। बताया गया है कि यह धमाके दोपहर 3ः45 बजे के

बाद से एक घंटे तक लगातार होते रहे। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार, कुछ विस्फोट सुपर मार्केट जैसे अधिक भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में भी हुए।

ईरान के राजदूत मोजतबा अमानी भी घायल

ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इस घटना में लेबनान में ईरान के राजदूत मोजतबा अमानी भी घायल हुए हैं। आतंकवादी संगठन हिज्बुल्लाह ने पेजर विस्फोट के लिए इजराइल को दोषी ठहराया है। उल्लेखनीय है कुछ महीने पहले ही हिजबुल्लाह नेता हसन नसरुल्ला ने अपने लड़ाकों से स्मार्टफोन का इस्तेमाल न करने की अपील की थी। नसरुल्ला का कहना था कि इजराइल के पास स्मार्टफोन को हैक करने या उसमें से जानकारी निकालने की तकनीक है। समझा जा रहा है कि इस वजह से ही हिजबुल्लाह ने संचार माध्यम को बेहतर बनाने के लिए स्मार्टफोन की जगह पेजर का सहारा लिया। ...और यही पेजर अनेक निर्दोषों की जान के दुश्मन बन गए। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, अमेरिकी और अन्य अधिकारियों के अनुसार, हिजबुल्लाह ने ताइवान की एक कंपनी से पेजर और बीपर्स मंगवाए थे। उनमें बहुत कम मात्रा में विस्फोटक लगाया गया। इन अधिकारियों के अनुसार, इजराइल ने लेबनान में आयात किए गए ताइवान निर्मित पेजर के एक नए बैच के भीतर विस्फोटक सामग्री छुपाकर हिजबुल्लाह के खिलाफ अपना अभियान चलाया।

लेबनान पहुंचने से पहले इनमें की गई छेड़छाड़

कुछ अधिकारियों के अनुसार, हिजबुल्लाह ने ताइवान में गोल्ड अपोलो से जो पेजर मंगवाए, उनके लेबनान पहुंचने से पहले ही उनमें छेड़छाड़ की गई। अधिकांश पेजर कंपनी के एपी924 मॉडल के थे। इस शिपमेंट में तीन अन्य गोल्ड अपोलो मॉडल भी शामिल थे। दो अधिकारियों का दावा है कि प्रत्येक पेजर में बैटरी के बगल में एक से दो औंस जितना विस्फोटक पदार्थ लगाया गया। एक स्विच भी लगाया गया, जिसे विस्फोट करने के लिए दूर से चालू किया जा सकता था।

नेपाल के प्रधानमंत्री और काठमांडू के मेयर ने किया एक दूसरे के कार्यक्रम का बहिष्कार

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और काठमांडू के मेयर बालेंद्र साह के बीच तल्खी इतनी अधिक बढ़ गई है कि इसका असर अब सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी दिखने लगा है। नेपाल सरकार के औपचारिक समारोह से जहां काठमांडू के मेयर नदारद रहे वहीं इसकी प्रतिक्रिया में काठमांडू महानगरपालिका द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने नहीं जाने का फैसला किया है। काठमांडू में परंपरागत रूप से मनाई जाने वाली इन्द्र यात्रा के सरकारी समारोह में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति से लेकर प्रधानमंत्री एवं उनके कैबिनेट के तकरीबन सभी मंत्री पहुंचे थे। वसंतपुर दरबार स्क्वायर में होने वाले इस समारोह में काठमांडू के मेयर की जिम्मेदारी रहती है कि वो सभी अतिविशिष्ट लोगों का स्वागत करें। दशकों से यह परंपरा चलती आ रही है लेकिन पिछले कुछ दिनों से कई विभिन्न कारणों की वजह से प्रधानमंत्री ओली और मेयर सह के बीच तकरार जारी है।

यही कारण है कि आज जब इन्द्र यात्रा के समारोह में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री वसंतपुर दरबार स्क्वायर पहुंचे तो उनके स्वागत के लिए मेयर बालेंद्र के स्थान पर डिप्टी मेयर सुनीता डंगोल मौजूद रहीं। इतना ही नहीं, मेयर के समर्थक उनकी तस्वीर अंकित टीशर्ट पहने थे, जिससे उनकी पहचान उजागर हो रही थी। नतीजतन, उन सभी को सुरक्षाकर्मियों ने कार्यक्रम के दौरान अपने नियंत्रण में रखा और उन्हें समारोह स्थल पर प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई थी। काठमांडू के पुलिस प्रवक्ता केदार कार्की ने कहा कि समारोह के दौरान किसी भी

प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए मेयर के समर्थकों को नियंत्रण में लिया गया था।

नेपाल सरकार के पर्यटन तथा संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित समारोह में काठमांडू के मेयर की अनुपस्थिति के बाद प्रधानमंत्री की तरफ से काठमांडू महानगरपालिका द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में जाने से इनकार कर दिया गया है। 19 सितंबर को नेपाल के संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित कॉन्सर्ट फॉर नेशन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री को बतौर प्रमुख अतिथि आमंत्रित किया गया था लेकिन पीएम ओली के सचिवालय की तरफ से इस कार्यक्रम में सहभागी नहीं होने की जानकारी दी गई है। प्रधानमंत्री ओली के प्रमुख सलाहकार विष्णु रिमाल ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए इस कॉन्सर्ट में सहभागी नहीं होने की बात कही है।

इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने सरकार से इमरान पर सैन्य अदालत में मुकदमा चलाने की संभावना पर 24 सितंबर तक स्पष्ट जवाब मांगा

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की संघीय सरकार ने कहा कि उसके पास पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ सैन्य अदालत में मुकदमा चलाने का कोई मामला विचाराधीन नहीं है। अतिरिक्त अटॉर्नी जनरल बैरिस्टर मुनव्वर इकबाल दुग्गल ने जस्टिस मियांगुल हसन औरंगजेब की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष खान की याचिका की सुनवाई के दौरान यह बयान सोमवार को दिया। जस्टिस औरंगजेब इस पर संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने संघीय सरकार से 24 सितंबर तक पूर्व प्रधानमंत्री के सैन्य मुकदमे की संभावना पर स्पष्ट जवाब देने को कहा। डॉन अखबार की खबर अनुसार, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के जेल में बंद नेता इमरान खान ने नौ मई को हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के सिलसिले में अपने खिलाफ दर्ज मामलों के संबंध में संभावित सैन्य मुकदमे के खिलाफ याचिका दायर की थी। जस्टिस औरंगजेब ने बैरिस्टर मुनव्वर और रक्षा मंत्रालय के विधि अधिकारी सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर फलक नाज से नागरिकों पर सैन्य अदालतों में मुकदमा चलाने की प्रक्रिया के बारे में पूछा। नाज ने अदालत को बताया कि कोर्ट मार्शल की प्रक्रिया शुरू करने से पहले संबंधित मजिस्ट्रेट को सूचित किया जाता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान सेना अधिनियम की धारा 2(1)(डी) के तहत किसी भी नागरिक के खिलाफ सैन्य अदालत में कुछ अपराधों के लिए मुकदमा चलाया जा सकता है। जस्टिस औरंगजेब ने पूछा कि क्या सैन्य अधिकारियों ने कोर्ट मार्शल की कार्यवाही से पहले आरोपित खान को नोटिस दिया। उन्होंने कहा कि खान की याचिका का निपटारा किया जा सकता है यदि अदालत को आश्वासन दिया जाता है कि सैन्य अदालत में उनके मुकदमे से पहले उन्हें नोटिस जारी किया जाएगा।बैरिस्टर दुग्गल ने कहा कि रक्षा मंत्रालय के पास अब तक खान के सैन्य मुकदमे के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर सैन्य अधिकारी उनके मुकदमे की मांग करते हैं तो पूर्व प्रधानमंत्री के साथ कानून के अनुसार कार्रवाई होगी।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

इंडो-पैसिफिक चीफ ऑफ डिफेंस सम्मेलन

एजेंसी

नई दिल्ली। इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (सीआईएससी) के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल जेपी मैथ्यू 18-20 सितंबर 2024 तक हवाई में इंडो-पैसिफिक चीफ्स ऑफ डिफेंस (आईपी-सीएचओडी) सम्मेलन में भाग लेंगे। इस सम्मेलन में इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के शीर्ष सैन्य नेता साझा सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा करने, आपसी समझ बढ़ाने और सैन्य-से-सैन्य सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक साथ आएंगे। चर्चाएं क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद-निरोध, समुद्री क्षेत्र जागरूकता एवं सहयोग, तथा संयुक्त प्रशिक्षण एवं अभ्यास के प्रति प्रतिबद्धता पर केंद्रित होंगी। संयुक्त राज्य अमेरिका इंडो-पैसिफिक कमांड सैन्य नेताओं के बीच खुली बातचीत और क्षेत्रीय सुरक्षा वातावरण पर चर्चा के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए तिमाही आधार पर वर्चुअल आईपी-सीएचओडी बैठकें आयोजित करता है। आमने-सामने की बैठक वार्षिक आधार पर आयोजित की जाती है। इस आयोजन में भारतीय सशस्त्र बलों का प्रतिनिधित्व क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षा के प्रति हमारे राष्ट्र की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

करोल बाग में इमारत गिरने का हादसा दुखद : आतिशी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और दिल्ली की नामित मुख्यमंत्री आतिशी ने करोल बाग इलाक़े में मकान गिरने की घटना को दुखद करार देते पीड़ितों की हर संभव मदद मुहैया कराने का आदेश दिया है। सुश्री आतिशी ने एक्स पर कहा करोल बाग इलाक़े में मकान गिरने का ये हादसा बेहद दुखद है। मैंने ज़िलाधिकारी को आदेश दिए हैं कि वहां रहने वाले लोगों और पीड़ितों की हर संभव मदद करें, कोई घायल है तो उसका इलाज कराएँ और इस हादसे के कारणों का पता लगाएँ। हादसे को लेकर निगम मेयर से भी बात हुई हैं। उन्होंने कहा इस साल बहुत बारिश हुई है, सभी दिल्लीवासियों से मेरी अपील है कि निर्माण से जुड़े किसी भी हादसे की कोई भी आशंका हो तो तुरंत प्रशासन और निगम को बताएँ, सरकार तुरंत आपकी मदद करेगी। उल्लेखनीय है कि करोल बाग इलाके में एक इमारत का कुछ हिस्सा ढह गया और मलबे में कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है।

डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमा स्थापित करने को लेकर अभाविप ने कुलपति को सौंपा ज्ञापन

नयी दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) और दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) के एक प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह को ज्ञापन सौंपकर विधि संकाय के कैंपस लॉ सेंटर में संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा को स्थापित करने और संविधान पार्क का निर्माण की मांग की। प्रो. सिंह से मुलाकात करने गए अभाविप के प्रतिनिधिमंडल में डूसू अध्यक्ष तुषार डेढ़ा, डूसू सचिव अपराजिता, डूसू संयुक्त सचिव सचिन बैसला, कैंपस लॉ सेंटर के छात्र संघ अध्यक्ष आकाश सोनी, अभाविप कैंपस लॉ सेंटर इकाई अध्यक्ष आदित्य तोमर, शशि शेखर, कृष्ण कुमार ,सपना दास शामिल थे।

मुस्लिमों के खिलाफ भड़काऊ भाषण के बाद हुआ हंगामा

नई दिल्ली। ईद-ए-मिलाद-उन-नबी के मौके पर शास्त्री पार्क में उस वक्त बवाल हो गया जब जैन मंदिर से एक शख्स ने मुस्लिमों के खिलाफ भड़काऊ भाषण दे दिया। उस वक्त मंदिर के पास से जुलूस निकाला जा रहा था। भड़काऊ भाषण देने वाले के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने रात को शास्त्री पार्क थाने का घेराव करके प्रदर्शन किया। पुलिस ने अरमान नाम के शख्स की शिकायत पर भाषण देने वाले के खिलाफ भड़काऊ भाषण की धारा में प्राथमिकी कर उसे गिरफ्तार किया। आरोपित की पहचान विकास जैन उर्फ बंटी के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे कड़कड़डूमा कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे दो दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए क्षेत्र में अर्धसैनिक बल तैनात कर दिया है। अरमान अपने परिवार के साथ शास्त्री पार्क में रहता है। पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि सोमवार को ईद-ए-मिलाद-उन-नबी के मौके पर क्षेत्र में जुलूस निकाला जा रहा था। आरोप लगाया कि शाम के वक्त जैन मंदिर समिति के महामंत्री विकास जैन ने मंदिर के माइक से मुस्लिम समुदाय के लिए भड़काऊ भाषण दिया।

नॉर्थ कैंपस में यू-स्पेशल बसों की हुई शुरुआत

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के नेतृत्व वाले दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ ने दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस में यू-स्पेशल बसों की शुरुआत की। यू-स्पेशल बस सेवा की की शुरुआत दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए एक राहत पूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य छात्रों को विश्वविद्यालय परिसर में उत्तम और सुलभ परिवहन प्रदान करना है। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष तुषार डेढ़ा ने कहा, यू-स्पेशल बसों की शुरुवात एबीवीपी के नेतृत्व वाले डूसू की लंबे समय से मांग रही है। दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए सुलभ और सस्ता परिवहन सुनिश्चित करना हमारी महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। आज हमारे विशेष डूसू फंड के माध्यम से हमने यू-स्पेशल बसों की शुरुवात करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

कांग्रेस ने राहुल को धमकी देने वाले बयान की पुलिस में की शिकायत

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चार नेताओं के खिलाफ पुलिस में शिकायत कर उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने को कहा है जिन्होंने पार्टी के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी गांधी के खिलाफ धमकी भरे बयान दिए हैं।

कांग्रेस कोषाध्यक्ष अजय माकन ने बुधवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा कि भाजपा के इन नेताओं ने श्री गांधी को एक तरह से जान से मारने की धमकी दी है इसलिए उनके खिलाफ प्राथमिक की दर्ज करने का पुलिस से अनुरोध किया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के चार नेताओं ने श्री गांधी के खिलाफ धमकी भरे बयान दिए हैं और पार्टी ने उनके नाम देकर पुलिस में उनकी शिकायत की है।

श्री माकन ने कहा कि इन नेताओं में एक ने श्री गांधी की जुबान काटने, दूसरे ने उनका वही हाल करने जो उनकी दादी का हुआ था, तीसरे ने उन्हें आतंकवादी कहा है और चौथे ने उनके खिलाफ आपराधिक बयान दिया है इसलिए पार्टी ने इन नेताओं पर सख्त कार्रवाई करने का पुलिस से आग्रह किया है।

उन्होंने भाजपा से राजनीति की गरिमा बनाए रखने का भी आग्रह किया और कहा कि इन नेताओं के खिलाफ पार्टी को कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा किसी नेता के खिलाफ जान से मारने की खुलेआम धमकी देने का कोई मतलब नहीं है और ऐसे नेताओं के खिलाफ खुद भाजपा को कार्रवाई करनी चाहिए।

कोलकाता डॉक्टर दुष्कर्म-हत्या मामले में सीबीआई रिपोर्ट से न्यायाधीश परेशान

एजेंसी

नई दिल्ली। कोलकाता के आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में नौ अगस्त को प्रशिक्षु डॉक्टर के कथित दुष्कर्म और हत्या के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से पेश जांच स्थिति विवरण ने इस मामले की सुनवाई कर रहे उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों को परेशान कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने 'स्वतः संज्ञान' मामले पर सुनवाई करते हुए कई अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद गंभीर टिप्पणियां कीं। पीठ ने कहा कि वह सीबीआई की स्थिति रिपोर्ट के विवरण का खुलासा नहीं करना चाहती, क्योंकि इससे जांच में बाधा आएगी और साथ ही वह नहीं चाहती कि कोई भी बाद में तकनीकी मुद्दे के रूप में इसका फायदा उठाए। पीठ ने कहा, ÷सीबीआई ने अपनी स्थिति रिपोर्ट में जो खुलासा किया, वह और भी बदतर है?। वास्तव में परेशान करने वाला है। आप (पीड़ित पक्ष के अधिवक्ता) जिस बात को चिह्नित कर रहे हैं, वह अत्यंत चिंताजनक है। हम आपसे केवल इतना साझा कर सकते हैं कि सीबीआई ने हमें (स्थिति रिपोर्ट में) जो बताया है, उससे हम स्वयं परेशान हैंञ्ज वे (सीबीआई) स्वयं बहुत चिंतित हैं। सुनवाई के दौरान पश्चिम बंगाल सरकार ने शीर्ष अदालत को आश्वासन दिया कि काम से दूर रहने की अवधि के दौरान ड्यूटी पर लौटने वाले कनिष्ठ डॉक्टरों के खिलाफ कोई दंडात्मक या प्रतिकूल कार्रवाई नहीं की जाएगी। आंदोलनकारी कनिष्ठ डॉक्टरों ने यह भी कहा कि उन्हें अपनी ड्यूटी पर लौटने में कोई कठिनाई नहीं होगी, बशर्ते विश्वास बहाली के उपाय लागू किए जाएं?, जैसा कि 16 सितंबर को उनके और मुख्यमंत्री के बीच सहमति बनी थी। कनिष्ठ डॉक्टरों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने कहा कि वे (डॉक्टर) काम पर लौटने पर चर्चा के लिए आम सभा की बैठक करेंगे।

कांग्रेस ने घोषणापत्र की 7 गारंटी की रिलीज, जल्द आएगा पूरा घोषणापत्र

(संजय अरोड़ा)

चंडीगढ़: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज हरियाणा कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र की 7 बड़ी गारंटी रिलीज की। पूरा घोषणापत्र जल्दी ही रिलीज किया जाएगा, जिसमें सभी वर्गों के कामों व वादों का विस्तार से जिक्र होगा। खड़गे ने बताया कि 'सात वादे, पक्के इरादे' के तहत कांग्रेस ने अपने 7 बड़ी गारंटी हरियाणा की जनता को दी है। इसमें सबसे पहले महिलाओं के लिए सबसे बड़ी घोषणा की गई है। कांग्रेस सरकार बनने पर 18 से 60 वर्ष की सभी महिलाओं को 2000 रुपये प्रति माह सम्मान राशि दी जाएगी। इसके बाद उन्हें 6000 रुपये बुढ़ापा पेंशन मिलेगी। सभी बुजुर्गों, दिव्यांगों व विधवाओं को कांग्रेस ने 6000 रुपये पेंशन देने का वादा किया है। साथ ही कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन स्कीम लागू करने की गारंटी भी इसमें शामिल है। सरकारी विभागों में खाली पड़े 2 लाख पदों पर कांग्रेस द्वारा भर्ती विधान के तहत पक्की भर्तियां करने का वादा किया गया है। साथ ही 500 रुपये में गैस सिलेंडर, 25 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की योजना, 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली, 100-100 गज के मुफ्त प्लॉट व पक्का मकान देने की योजना शुरू करने का ऐलान भी कांग्रेस की 7 गारंटियों में शामिल है। किसानों की बात की जाए तो कांग्रेस ने किसानों के लिए एमएसपी की गारंटी का कानून बनाने का ऐलान किया है। साथ ही उन्हें खराबा होने पर तुरंत मुआवजा देने का भा वादा है। हरियाणा में बढ़ते नशे पर नकेल कसते हुए नशा मुक्त प्रदेश बनाने का लक्ष्य रखा गया है। ओबीसी की क्रिमी लेयर सीमा को 6 से बढ़ाकर 10 लाख का ऐलान करते हुए कांग्रेस सभी जातियों की जनसंख्या पता लगाने के लिए जातिगत सर्वे करवाने की गारंटी दी है। इससे सभी जातियों की तंत्र में उचित भागीदारी सुनिश्चित की जा सकेगी। 7 गारंटियों की घोषणा के मौके पर मल्लिकार्जुन खड़के के साथ पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी उदयभान, चुनाव पर्यवेक्षक अशोक गहलोत, प्रताप सिंह बाजवा, अजय माकन, वरिष्ठ नेता टीएस सिंह देव, मेनिफेस्टो कमेटी की चेयरपर्सन गीता भुक्कल और कांग्रेस मीडिया विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा भी विशेष तौर पर मौजूद रहे।

7 गारंटी रिलीज करते हुए खड़गे ने यह भी जानकारी दी कि कांग्रेस के विस्तृत घोषणापत्र में आंदोलन के दौरान शहीद हुए किसानों के लिए एक बड़ा स्मारक बनाने व शहीद किसानों के परिवारों को नौकरी देने का भी ऐलान शामिल है। इसके अलावा कांग्रेस ने हर वर्ग की मांगों के समाधान अपने घोषणापत्र में शामिल किए हैं, जो जल्दी ही जनता के सामने होगा। इस मौके पर हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस अपने वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे पहले उनकी सरकार ने 2005 और 2009 में जो घोषणापत्र जारी किया था, उसके हरेक वादे को पूरा किया और उससे भी आगे बढ़कर काम किए। भविष्य में भी कांग्रेस सरकार अपने हरेक वादे को पूरा करेगी। जबकि बीजेपी ने आज तक अपने 2014 के घोषणापत्र को अमलीजामा नहीं पहनाया। चौधरी उदयभान ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा अपने वादों को पूरा किया है और कल्याणकारी योजनाओं को अमलीजामा पहनाया है। इसका लाभ प्रदेश के हर वर्ग को मिला है। इसीलिए 2014 तक कांग्रेस सरकार के दौरान हरियाणा प्रति व्यक्ति आय, प्रति व्यक्ति निवेश, रोजगार सृजन, कृषि, उद्योग, खेल व कानून व्यवस्था समेत विकास के हर पैमाने पर देश का नंबर वन राज्य था। कांग्रेस फिर से हरियाणा को पूरे देश में टॉप पर पहुंचाने के मिशन पर काम कर रही है। गीता भुक्कल ने बताया कि कांग्रेस के घोषणापत्र को तैयार करने के लिए हर वर्ग के लिए अलग कमेटी बनाई गई थी। इन कमेटियों ने किसान, जवान, बेरोजगार, महिलाएं, व्यापारी, दुकानदार, विद्यार्थी, मजदूर, कर्मचारी, कच्चे कर्मचारियों, ग्रामीण, शहरी, झुग्गी वासियों समेत हर वर्ग से उनकी समस्याओं और मांगों के बारे में जाना। उन सबकी समस्याओं के समाधान कांग्रेस के घोषणापत्र में देखने को मिलेंगे।

मोदी 21 से 23 सितंबर तक अमेरिका के दौरे पर रहेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 21-23 सितंबर 2024 के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा पर रहेंगे। इस यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री विलमिंगटन, डेलावेयर में चौथे क्वाड लीडर्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, जिसकी मेजबानी 21 सितंबर 2024 को संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति महामहिम जोसेफ आर. बिडेन, जूनियर द्वारा की जा रही है। इस वर्ष क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के अमेरिकी पक्ष के अनुरोध के बाद, भारत 2025 में अगले क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए सहमत हो गया है। क्वाड शिखर सम्मेलन में, नेता पिछले एक वर्ष में क्वाड द्वारा हासिल की गई प्रगति की समीक्षा करेंगे और हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों को उनके विकास लक्ष्यों और आकांक्षाओं को पूरा करने में सहायता करने के लिए आने वाले वर्ष के लिए एजेंडा निर्धारित करेंगे। 23 सितंबर को, प्रधानमंत्री न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में 'भविष्य के शिखर सम्मेलन' को संबोधित करेंगे। शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री कई विश्व नेताओं के साथ द्विपक्षीय

बैठकें करेंगे और आपसी हितों के मुद्दों पर चर्चा करेंगे। न्यूयॉर्क में रहते हुए प्रधानमंत्री 22 सितंबर को भारतीय समुदाय के एक समूह को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर और बायोटेक्नोलॉजी के अत्याधुनिक क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच अधिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए अमेरिका की अग्रणी कंपनियों के सीईओ के साथ भी बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री के भारत-अमेरिका द्विपक्षीय परिदृश्य में सक्रिय विचारकों और अन्य हितधारकों के साथ भी बातचीत करने की उम्मीद है।

महिलाओं को रात में काम करने से मना नहीं किया जा सकता : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि किसी भी कामकाजी महिला को यह नहीं कहा जा सकता कि वह रात में काम नहीं करे। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ तथा न्यायमूर्ति जे बी पार्दीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कोलकाता में नौ अगस्त को एक प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ कथित दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या के मुकदमे में 'स्वतः संज्ञान' सुनवाई के दौरान सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर पश्चिम बंगाल सरकार की एक अधिसूचना के बारे में बताए जाने के बाद यह टिप्पणी की।

अधिसूचना में कहा गया है कि महिला डॉक्टरों की रात की ड्यूटी से बचा जा सकता है। पीठ की अध्यक्षता करते हुए न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने इस अधिसूचना पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि राज्य सरकार को अपने इस फैसले को वापस लेना चाहिए और महिला डॉक्टरों को उनके पुरुष समकक्षों के बराबर काम करने देना चाहिए। उन्होंने कहा, 'ऐसा कैसे हो सकता है? महिलाएं रियायतें नहीं, बल्कि

अधिसूचना में कहा गया है कि महिला डॉक्टरों की रात की ड्यूटी से बचा जा सकता है। पीठ की अध्यक्षता करते हुए न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने इस अधिसूचना पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि राज्य सरकार को अपने इस फैसले को वापस लेना चाहिए और महिला डॉक्टरों को उनके पुरुष समकक्षों के बराबर काम करने देना चाहिए।

समान अवसर चाहती हैंञ्महिला डॉक्टर हर परिस्थिति में काम करने को तैयार हैं। राज्य को इसे (अधिसूचना को) ठीक करना होगा। आप यह नहीं कह सकते कि महिला डॉक्टर 12 घंटे से अधिक शिफ्ट में काम नहीं कर सकतीं और रात में नहींञ्सशस्त्र बल आदि सभी रात में काम करते हैं, जिसमें महिलाएं भी शामिल हैं।' सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अगर राज्य सरकार महिला डॉक्टरों को सुरक्षा देने को तैयार नहीं तो केंद्र सरकार उन्हें सुरक्षा दे सकती है। इस पर पश्चिम बंगाल का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि राज्य सरकार इसे (अधिसूचना) को ठीक करने के लिए अलग अधिसूचना जारी करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह केवल एक अस्थायी सुरक्षा उपाय है। इसी बीच उच्चतम न्यायालय ने कोलकता के आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की एक स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ नौ अगस्त को कथित दुष्कर्म और उसकी हत्या मामले की 'स्वतञ्संज्ञान' सुनवाई के दौरान 'विकिपीडिया' के रवैए पर कड़ी आपत्ति जताई और उसे पीड़िता का नाम और तस्वीर तुरंत हटाने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पार्दीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की आपत्तियों पर गौर करने के बाद यह आदेश पारित किया। पीठ के समक्ष श्री मेहता ने पीड़िता का नाम और तस्वीर न हटाने के विकिपीडिया के रुख पर कड़ी आपत्ति जताई। शीर्ष अदालत ने विकिपीडिया को निर्देश दिया कि वह निजता और गरिमा के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए पीड़िता का नाम और तस्वीर तुरंत हटा दे। पीठ ने कहा, शासनात्मक सिद्धांत यह है कि दुष्कर्म और हत्या की पीड़िता की पहचान का खुलासा नहीं किया जाना चाहिए। इसलिए विकिपीडिया को शीर्ष अदालत के पिछले पारित आदेश का पालन करना चाहिए।

आयुष मंत्रालय का 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत 416 गतिविधियां चिह्नित

एजेंसी

नयी दिल्ली। आयुष मंत्रालय ने अपने देशभर में फैले हुए परिषदों और संस्थानों के साथ मिलकर देश भर में स्वच्छता और सफाई के लिए 'आवास और शहरी कार्य मंत्रालय तथा 'जल शक्ति मंत्रालय' के सहयोग से 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान का विषय 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' है, जिसका उद्देश्य व्यवहारिक और सांस्कृतिक बदलाव लाना है। अभियान के शुरुआती चरण में 416 गतिविधियों को चिह्नित किया गया है, जो इस राष्ट्रव्यापी प्रयास के लिए आधार तैयार करेंगे।आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि स्वच्छता ही सेवा अभियान, जिसका विषय 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' है, इस विश्वास को दर्शाता है कि स्वच्छता केवल बाहरी व्यवस्था नहीं है बल्कि यह आंतरिक अनुशासन और सांस्कृतिक मूल्यों का प्रतिबिंब है। हम सभी के हाथों से ही एक स्वच्छ भारत के निर्माण का मार्ग निर्मित होना है। चाहे वह उचित कचरा प्रबंधन हो, स्वच्छता अभियान हो, या हमारे घरों और समुदायों में

सत्यमेव जयते
Ministry of Ayush
Government of India

सफाई सुनिश्चित करना हो, प्रत्येक व्यक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह अभियान प्रत्येक नागरिक को देश के निर्माण में अपनी सहभागिता दिखाने और अभियान की पूरी यात्रा में साथ रहने के लिए आमंत्रित करता है, ये यात्रा एक स्वच्छ और हरित भारत की ओर अग्रसर है।

अभियान तीन प्रमुख स्तंभों पर आधारित है, जो जनता की भागीदारी को बढ़ावा देने और सामूहिक कार्यों के माध्यम से सार्थक प्रभाव पैदा करने के लिए निर्मित किए गए हैं। पहला स्तंभ, 'स्वच्छता में जन भागीदारी', सार्वजनिक भागीदारी और जागरूकता बढ़ाने पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य स्वच्छता को सरकार और समाज की एक साझा जिम्मेदारी बनाना है। दूसरे महत्वपूर्ण स्तंभ 'संपूर्ण स्वच्छता' के तहत, स्वच्छता लक्षित इकाई के रूप में 69 स्थानों का चयन किया गया है, जहां आयुष मंत्रालय सफाई अभियान चलाएगा। इसका उद्देश्य उपेक्षित या चुनौतीपूर्ण स्थानों, जिन्हें अक्सर ब्लैक स्पॉट कहा जाता है, को साफ और स्वस्थ स्थानों में बदलना है। ये स्थान नियमित सफाई के दौरान प्रबंधन में कठिन होते हैं और स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के लिए बड़े खतरे पैदा करते हैं। इस अभियान के तहत विशेष रूप से गांवों में स्थानीय निकायों से इन ब्लैक स्पॉट्स की पहचान कर मेगा सफाई अभियान चलाने और नागरिकों तथा सहयोगी संगठनों को एकजुट करने का आह्वान किया गया है। तीसरा महत्वपूर्ण स्तंभ 'सफाई मित्र सुरक्षा शिविर' है, जो सफाई कर्मियों, जिन्हें आमतौर पर 'सफाई मित्र' कहा जाता है, के स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण को प्राथमिकता देता है। उनकी कार्य स्थितियों में सुधार के लिए 178 गतिविधियों की पहचान की गई है। प्रिवेन्टिव हेल्थ केयर के अंतर्गत, स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा ताकि सफाई मित्रों और उनके परिवारों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच मिल सके। इस बहुआयामी दृष्टिकोण के साथ, आयुष मंत्रालय सभी नागरिकों के लिए एक स्वच्छ, स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान राष्ट्र के स्वच्छता के प्रति संकल्प को और मजबूत करेगा, जिससे स्वच्छता देश की सांस्कृतिक धरोहर का स्थायी हिस्सा बन सके।

हत्या के प्रयास के मामले में दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। शाहदरा जिले के गीता कॉलोनी की झुग्गी में फायरिंग और हत्या के प्रयास के मामले में पुलिस ने समीर शेख गिरोह के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपितों ने 11 स?तंबर की दोपहर धीरज कुमार (25) के ऊपर उस वक्त फायरिंग की थी जब वो अपने छोटे भाई के साथ घर के पास बैठा था। आरोपितों की पहचान पंकज रावत उर्फ चिकना (25) और रोशन (23) के रूप में की गई। दोनों मंडावली इलाके के रहने वाले हैं। कुख्यात अपराधी पंकज रावत के खिलाफ पहले से 43 मामले दर्ज हैं। शाहदरा जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी के मुताबिक, 11 सितंबर को नीरज कुमार की ओर से शिकायत दर्ज करायी गई थी कि घटना वाले दिन दोपहर करीब 3:15 बजे उस पर गांधी नगर पुस्ता की ओर से मोटरसाइकिल पर आए दो लड़कों ने हमला कर दिया था। गोली चलाने के बाद वह झुग्गियों की ओर भाग गया, लेकिन पीछा कर उसे फिर से गोली मारी गई।

Name Change
I, Sonia Bhatnagar W/o Anurag Prakash Lal R/o A-301,The Palm Drive, Sector-66, Gurgaon, Haryana-122018 Have Changed My Name To Sonia Lal For All Future Purposes

Name Change
I, KRISHANA wife of BALJEET R/O 1467/30, GALI NO-1, SHASTRI COLONY, GOHANA ROAD, SONIPAT, HARYANA-131001 have changed my name from KRISHANA to KRISHNA DEVI for all future purposes.

Name Change
I, MD NAEM ANSARI S/O HAFIZUDDIN residing at H.NO-4414/7,INSIDE GHATA MASJID, ANSARI ROAD, DARYA GANJ, CENTRAL DELHI-110002 have changed my name to MOHAMMAD NAEEM for all future purposes.

Name Change
I PIYUSH KUMAR NAHATA S/O RAJENDER SINGH NAHATA R/O 4311 Gali Bhairown Wali Jogiwara Nai Sarak, Delhi-110006 have changed the name of my minor daughter SOUMYA NAHATA aged 14 years and she shall hereafter be known as SAMRIDHI NAHTA.

Name Change
I, Anurag Prakash S/o Raj Kishor Lal R/o A-301,The Palm Drive, Sector-66, Gurgaon, Haryana-122018 Have Changed My Name To Anurag Prakash Lal For All Future Purposes

Name Change
I, JC-334840L Rank-NB SUB Name-VIJAY KUMAR Father of VRIGYANK presently residing at HEAD QTR, CHIEF ENGINEER, AIRFORCE, WAC, PALAM, NEW DELHI-110010 have changed my son's name from VRIGYANK to VRIGYANK SAHU for all future purposes, vide affidavit dated 18/09/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, Jaspal S/o Hardev Singh R/o, L-1, 1125/27, Asthal Mandir Road, Sangam Vihar,South Delhi,Delhi-110062, Have Changed My Name To Jaspal Singh Virdi S/o Hardev Singh Virdi For All Future Purpose

Name Change
I, ADARSH KUMAR TRIVEDI S/O SUSHIL KUMAR TRIVEDI R/O H – 17/246, SANGAM VIHAR, DELHI - 110062, have changed my name from ADARSH TRIVEDI TO ADARSH KUMAR TRIVEDI for all future purpose.

Name Change
It is for general information that I, RAJ KUMAR RANA S/O OM KRISHAN RANA R/o Q NO-379, TYPE-3, BLOCK-18, LODHI ROAD, LODHI COLONY, NEW DELHI-110003, declare that name of mine and my father has been wrongly written as RAJ KUMAR and OM KRISHAN in my 10th and 12th Educational Documents. The actual names of mine and my father are RAJ KUMAR RANA and OM KRISHAN RANA respectively, which may be amended accordingly.

LOST & FOUND
Payment Receipts in favor of M/s. UTSAV CORPORATION PVT. LTD. for Flat No. T-15/PH-1, La Tropicana, Civil Lines, Delhi - 110054 issued by M/s Parsvanath Landmark Developers Pvt. Ltd. The receipts Numbers are- S0001831 Dt.06/04/2007, S0002251 Dt.02/01/2008, S0002252 Dt.02/01/2008, S0002394 Dt.02/05/2008, S0002431 Dt.03/06/2008, S0002451 Dt.21/07/2008, S0002452 Dt.21/07/2008, S0002453 Dt.26/07/2008, S0003614 Dt.22/06/2010, S0005421 Dt.11/10/2011, S0005621 Dt.03/01/2012, S0005874 Dt.13/03/2012, S0006003 Dt.13/04/2012, S0006349 Dt.04/07/2012, S0006632 Dt.19/09/2012, S0006886 Dt.21/11/2012, S0007831 Dt.28/09/2013, S0008745 Dt.15/04/2016, N0000775 Dt.21/07/2022 are lost and not traceable. Finder Contact: 8743800057

Name Change
I, Rakesh Pawar/Rakesh S/o Gordhan Dass Pawar R/o 456/8, Brahman Mandi, Near Ganga Mandir, Rohtak, Haryana-124001 Have Changed My Name To Rakesh Kumar For All Future Purpose

Name Change
I, SARAGADA BHAGYALAKSHMI wife of NO-16120379N Rank-HAV Name-BASAVA RAMESH R/o D.NO-2-82, PAKADEBBA STREET, VILL-MULAKUDD, PO-CHITTIVIALASA, MANDALAM-BHEEMUNIPATNAM, DIST-VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH-531162 have changed my name from SARAGADA BHAGYALAKSHMI to BASAVA BHAGYALAKSHMI for all future purposes vide affidavit dated 18/09/2024 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
जन साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती प्रभा पत्नी श्री सुनील, आवासीय प्लॉट क्षेत्रफल 150 वर्ग गज (यानी 125.41 वर्ग मीटर) जो खसरा नंबर 1884 के अंतर्गत, गांव धूम मानिकपुर, परगना और तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उ.प्र.-203207 में स्थित है की मालिक हैं,। उन्होंने उक्त संपत्ति का अधिग्रहण श्रीमती सविता से दिनांक 01.01.2024 में बिक्री विलेख के माध्यम से किया। यह संपत्ति हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित है, जिसकी शाखा ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में स्थित है। उपरोक्त संपत्ति के स्वामित्व सम्बंधित दस्तावेज मूल बिक्री विलेख, दस्तावेज संख्या 21410, खंड संख्या 7480, पुस्तक संख्या 1, पृष्ठ संख्या 375-396, जो 30.10.2014 को एसआर-दादरी में पंजीकृत हुआ था, कही खो गया है। यदि मूल बिक्री विलेख किसी भी व्यक्ति के कब्जे में पाया जाता है तो कृपया मूल संपत्ति दस्तावेजों के साथ हमे इस नोटिस की तारीख से 07 दिनों के भीतर निम्न पते पर संपर्क करें ! ऐसा न करने पर, उपरोक्त बिक्री विलेख के अनुसार विषय संपत्ति के संबंध में शून्य और शून्य के रूप में दावा माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

विधानसभा आम चुनाव की तैयारियों का द्वितीय रैंडमाइजेशन सम्पन्न

एजेंसी

सोनीपत। जिले में विधानसभा आम चुनाव को लेकर भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त जरनल ऑब्जर्वर तपश राय, शिवानंद कपाशी और प्रकाश बाबूराव खापले की उपस्थिति में द्वितीय रैंडमाइजेशन प्रक्रिया संपन्न हुई। इसमें जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. मनोज कुमार और सभी रिटर्निंग अधिकारी भी शामिल रहे। जरनल ऑब्जर्वर तपश राय ने चुनाव प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए और आपसी तालमेल से कार्य करने की बात कही। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया को सरल और निष्पक्ष तरीके से पूरा करने के लिए यह प्रयास जरूरी है। डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि जिले की छह विधानसभाओं में 1291 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं, जिनमें गन्नौर, राई, खरखौदा, सोनीपत, गोहाना और बरोदा शामिल हैं। रैंडमाइजेशन प्रक्रिया एनआईसी द्वारा तैयार सॉफ्टवेयर से पूरी की गई। इसके तहत पोलिंग स्टाफ की ड्यूटी निर्धारित की गई, जिसमें 10 प्रतिशत पार्टियों को रिजर्व रखा गया। पोलिंग स्टाफ की नियुक्ति इस तरह से की गई कि उनकी ड्यूटी गृह ब्लॉक के बाहर हो। अतिरिक्त उपायुक्त अंकिता चौधरी, एसडीएम गोहाना अंजलि श्रोत्रिय, एसडीएम गन्नौर निर्मल नागर, एसडीएम खरखौदा श्वेता सुहाग, एसडीएम सोनीपत अमित कुमार, नगराधीश रेणुका नांदल, डीडीपीओ जितेन्द्र कुमार, डीआईपीआरओ राकेश गौतम, निर्वाचन तहसीलदार दिनेश शर्मा, डीआईओ विशाल सैनी, निर्वाचन कानूनगो पूजा शर्मा, जेपी संजय श्रीवास्वत, सहायक वेदपाल चौहान सहित चुनाव से संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जरनल ऑब्जर्वर ने 50 से अधिक मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया

सोनीपत। हरियाणा विधानसभा आम चुनाव की तैयारियों को लेकर जरनल ऑब्जर्वर तपश रॉय ने 31-सोनीपत विधानसभा क्षेत्र में शहर में स्थित 50 से ज्यादा मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। मतदाताओं व पोलिंग अधिकारियों को दी जाने वाली आवश्यक सुविधाएं की जांच की। अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदाताओं को सहायता और सुविधा के लिए मतदान केंद्रों पर सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाएं प्रदान की जाए ताकि वे मतदान के दिन अपना वोट डाल सकें, इसके अलावा मतदान कर्मियों को उनके निर्वहन के लिए सक्षम ढांचा प्रदान किया जाए। जरनल ऑब्जर्वर ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की हिदायतानुसार वृद्ध और विकलांग मतदाताओं के लिए मतदान की सुविधा के लिए मतदान केंद्र किसी भवन के भूतल पर स्थापित किए गए है ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न आए। वृद्ध और विकलांग मतदाताओं के लिए रैंप और व्हील चेयर की उचित व्यवस्था करना सुनिश्चित करें। मतदान केंद्र पर पेयजल की व्यवस्था अलावा मतदान दलों और मतदान एजेंट के लिए मतदान केंद्र के अंदर फर्नीचर जैसे टेबल, कुर्सियां और बेंच आदि की उचित व्यवस्थाएं की जाएं। विकलांग, गर्भवती या वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं के लिए पर्याप्त कुर्सियां,बेंच हों। पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करवाएं। निर्वाचन कानूनगो कृष्ण हुड्डा, लक्ष्मी नारायण सहित संबंधित सभी अधिकारी मौजूद रहे।

प्रत्याशी समय पर जमा करवाएं चुनावी खर्च अन्यथा अगले चुनाव के लिए उम्मीदवारी होगी रद्द

नारनौल। हरियाणा विधानसभा आम चुनावों के दौरान सभी राजनीतिक दल भारत निर्वाचन आयोग के सभी दिशा निर्देशों का पालन करना सुनिश्चित करें। चुनाव से संबंधित सभी प्रक्रिया पर आयोग की तरफ से कड़ी निगरानी की जा रही है। जिला में निष्पक्ष व शांतिपूर्ण मतदान के लिए सभी राजनीतिक दलों का सहयोग जरूरी है। यह बात सामान्य पर्यवेक्षक मदन शीबा जार्ज ने लघु सचिवालय में सभी राजनीतिक दलों की बैठक में दिए। इस मौके पर एक्सपेंडिचर ऑब्जर्वर आशीष सैनी भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि सभी उम्मीदवारों को निर्धारित दिनों में अपना खर्च रजिस्टर चेक कराना है। आगामी 20 व 26 सितंबर तथा 3 अक्टूबर का दिन इसके लिए निर्धारित किया गया है। यह कार्य पंचायत भवन नारनौल में सुबह 10 से 5 बजे तक किया जाएगा। सभी राजनीतिक दल निर्धारित तिथि पर यहां पर पहुंचकर अपना खर्च का ब्यौरा प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसा न करने पर चुनाव आयोग अगले चुनाव के लिए संबंधित उम्मीदवार को अयोग्य भी घोषित कर सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों अनुसार विधानसभा आम चुनाव के लिए 40 लाख रुपए खर्च करने की सीमा निर्धारित की गई है।

बैंक में फर्जी दस्तावेज पेश कर 12 लाख का लोन लिया

जींद। आईसीआईसीआई बैंक में फर्जी दस्तावेज पेश कर एक व्यक्ति ने 12 लाख रुपये का लोन ले लिया। सिविल लाइन थाना पुलिस ने बैंक मैनेजर की शिकायत पर एक व्यक्ति को नामजद कर कुछ अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। आईसीआईसीआई बैंक के मैनेजर पवन कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका बैंक देशभर में वाहन तथा व्यक्तिगत लोन की सेवा देता है। गांव पेगां निवासी प्रवीण ने व्यक्तिगत लोन के लिए शाखा से संपर्क किया। विधिवत आवेदन भी कर दिया गया। जिसके साथ पेन कार्ड की कॉपी, आधार कार्ड कॉपी, सैलरी स्लीप, बैंक अकाउंट स्टेटमेंट कॉपी प्रस्तुत किए गए। 31 जनवरी 2023 को प्रवीण के खाते में 12 लाख रुपये की लोन राशि भेज दी गई। लोन की किश्त न भरने पर जब प्रवीण के दस्तावेज खंगाले गए तो सामने आया कि जो दस्तावेज प्रवीण ने प्रस्तुत किया थे, वे सब फर्जी थे।

कांग्रेस का दोगला चेहरा सबके सामने आया, हुड्डा के चेहरे से नकाब हटा नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। कार्यकारी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इसराना से भाजपा प्रत्याशी कृष्णलाल पंवार के समर्थन में जन आशीर्वाद रैली की। मतलौड़ा में हुई इस रैली के दौरान जहां नायब सैनी ने भाजपा सरकार की उपलब्धी गिनवाई, वहीं कांग्रेस पर भी जोरदार हमला बोला। नायब सैनी ने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव बढ़ रहा है, वैसे-वैसे ही कांग्रेस की बौखलाहट भी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा झूठ की राजनीति की है। कांग्रेस और हुड्डा चुनाव के दौरान जनता की आंखों पर हरा चश्मा लगाते हैं और सत्ता में आते ही जनता को लूटते हैं। लेकिन अब कांग्रेस का दोगला चेहरा सबके सामने आ चुका है। हुड्डा के चेहरे से नकाब हट चुका है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जनता का शोषण करना कांग्रेस की नीति है। पिता-पुत्र आज हिसाब मांगते घूम रहे हैं, उन्हें पता नहीं कि मैंने अपने हर

घंटे का हिसाब जनता को दिया है। पिता-पुत्र मेरे 56 दिनों का हिसाब सुनकर ही घबरा गए, अगर उन्हें भाजपा के 10 साल का हिसाब दिया जाए तो उनकी हालत खराब हो जाएगी। हुड्डा पिता-पुत्र ने अपनी बही को साइड में रख दिया है और अपने 10 साल के कार्यकाल का हिसाब नहीं दे रहे। भाजपा ने हमेशा मिशन मोड में काम किया और कांग्रेस ने कमीशन मोड में। सीएम सैनी ने कहा कि मैंने भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कांग्रेस से कुछ सवाल पूछे थे आज तक एक भी सवाल का जवाब नहीं आया। नायब सैनी ने कहा कि कांग्रेस के लोग बेरोजगारी को लेकर दुष्प्रचार कर रहे हैं, झूठ बोल रहे हैं, जबकि सच्चाई सबके सामने है कि कांग्रेस के 10 साल के कार्यकाल में करीब 80 हजार नौकरी दी गई, जबकि भाजपा ने एक लाख 24 हजार नौकरी दी। रैली के दौरान नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन और विश्वकर्मा जयंती की बधाई भी दी। रैली में उमड़ी भीड़ देखकर नायब सैनी गदगद हुए और कहा कि मुझे पूरा विश्वास हो गया है कि इसराना से कमल जीतकर चंडीगढ़ जाने वाला है और प्रदेश में तीसरी बार भाजपा सरकार बन रही है। रैली में भाजपा जिलाध्यक्ष दुष्यंत भट्ठ, भीम चौपड़ा, सुनील परढाना, राम मेहर मलिक, राजेंद्र, सुमित जागलान, कुलदीप दलाल, जसमेर, नवीन अंटवाल, कृष्ण छौक्कर, दिलबाग रावल, मनीष आदि मौजूद रहे।

बरगला रहे हैं हुड्डा

जन आशीर्वाद रैली में नायब सिंह सैनी ने कहा कि अब हुड्डा बरगला रहे हैं कि 6 हजार रुपये पेंशन देंगे, लेकिन हुड्डा बताएं कि जब 10 साल तक कांग्रेस का कार्यकाल था जब 6 हजार पेंशन क्यों नहीं दी। कांग्रेस के कार्यकाल में कुल 500 रुपये पेंशन मिलती थी और कैसे मिलती थी हुड्डा ये भी बताएं। नायब सैनी ने कहा कि जम्मू कश्मीर में कांग्रेस धारा 370 बहाल करने की बात बोल रही है, क्या जनता ऐसी कांग्रेस का साथ देगी। मुझे विश्वास है कि हरियाणा की देशभक्त जनता ऐसे लोगों का साथ कभी नहीं देगी। ऐसे लोगों से खुद भी बचना है और देश को भी बचाना है।

हरियाणा में 29 हजार पुलिसकर्मी व पैरामिलिट्री की 225 कंपनियों की देखरेख में होगा चुनाव

चंडीगढ़। हरियाणा में 5 अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के मतदान के लिए प्रदेशभर में 29 हजार पुलिसकर्मियों और पैरामिलिट्री की 225 कंपनियों को तैनात किया जाएगा। इसके लिए सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों के साथ रणनीति को तैयार किया गया है। राज्य में 155 अंतरराज्यीय तथा 143 अंदरुनी इलाकों में नाके लगाए गए हैं। हरियाणा पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने चंडीगढ़ में बताया कि चुनाव को लेकर हरियाणा पुलिस के 29 हज़ार से अधिक पुलिसकर्मियों तथा पैरामिलिट्री की 225 कंपनियों की तैनाती की जाएगी। पैरामिलिट्री की 70 कंपनियों को प्रदेश के अलग-2 क्षेत्रों में पहले की तैनात किया जा चुका है, बाकी कंपनियां आने वाले दिनों में हरियाणा पहुंच जाएंगी। प्रदेश में आदर्श आचार संहिता की पालना सुनिश्चित करने के साथ साथ चप्पे-चप्पे पर पुलिस द्वारा कड़ी नजर रखी जा रही है।

'जितना रिस्पांस जनता का इस बार मिल रहा है आज से पहले इतना कभी नहीं मिला' : अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व गृह मंत्री अनिल विज ने कहा है कि 'मैं अंबाला छावनी से 6 चुनाव जीत चुका हूं और सातवां चुनाव लड़ने जा रहा हूं। उन्होंने कहा कि जितना रिस्पांस जनता का इस बार मिल रहा है आज से पहले इतना कभी नहीं मिला। विज आज अंबाला छावनी में भाजपा के चुनावी कार्यालय से शॉप टू शॉप प्रचार अभियान की शुरुआत करने के दौरान पत्रकारों के सवालों के जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि मेरे द्वारा जो विकास कार्य करवाए गए उसके बारे में जब मैं बताने लगता हूं तो मेरे से पहले लोग ही बताने लग जाते है कि हमारे क्षेत्र में ये-ये काम हुए है÷। कांग्रेस टुकड़ों टुकड़ों में है जहां एक तरफ चित्रा आजाद खड़ी हो गई हैं तो दूसरी तरफ कांग्रेस के परी खड़े हो गए हैं के सवाल पर उन्होंने कहा कि 'कांग्रेस का पूरी तरह से वर्टिकल डिवीजन हो रखा है और पूरी तरह से इनकी धडेबंधी है और लोग कह रहे है कि एक धड़े को हुड्डा

साहब का समर्थन है और एक धड़े को कुमारी शैलजा का समर्थन है लेकिन हमें इससे कुछ लेना देना नहीं है क्योंकि हमें जनता का पूरा समर्थन मिल रहा है÷। रणजीत चौटाला के बयान कि अनिल विज एक अच्छे इंसान है और सीएम बन सकते है, के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि अगर रणजीत चौटाला जी ने कहा है तो उनका बहुत धन्यवाद।एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि राव इंद्रजीत जी भाजपा के बहुत ही सीनियर नेता है, उनकी हमेशा अहमियत थी और रहेगी।

बाजारों में जोरदार समर्थन मिला

पूर्व मंत्री अनिल विज को, फूल-मालाएं पहनाकर दुकानदारों ने स्वागत किया

हरियाणा के पूर्व गह मंत्री अनिल विज ने आज शॉप टू शॉप चुनाव प्रचार अभियान की शुरूआत सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ की। निकलसन रोड पर चुनावी कार्यालय से प्रचार अभियान प्रारंभ हुआ, जोश से लबरेज कार्यकर्ताओं ने अनिल विज जिंदाबाद के नारे लगाए। निकलसन रोड पर पूर्व मंत्री अनिल विज ने दुकानों, बैंकों, शोरूम, घरों में जाकर वोट मांगे। पूर्व मंत्री अनिल विज के प्रति लोगों की अति उत्साह देखने को मिला और उनका जोरदार स्वागत हर स्थान पर किया गया। इस दौरान भाई अनिल विज जिंदाबाद के नारों से आसमां गुंजायमान रहा और बीजेपी के कार्यकर्ताओं में अनिल विज जैसे उम्मीदवार को लेकर उत्साह देखते ही बन रहा था।

चुनाव आचार संहिता की दृढ़ता से पालना सुनिश्चित करें प्रत्याशीः नरेंद्र कुमार दुग्गा

एजेंसी

गुरुग्राम। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा गुड़गांव व बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए नियुक्त सामान्य पर्यवेक्षक नरेंद्र कुमार दुग्गा आईएएस ने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों की अनुपालना करते हुए आदर्श चुनाव आचार संहिता की दृढ़ता से पालना सुनिश्चित की जाए। चुनाव पर्यवेक्षक लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में गुड़गांव व बादशाहपुर विधानसभा के प्रत्याशियों व चुनाव प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। सामान्य पर्यवेक्षक ने गुड़गांव विधनसभा में बूथों की संख्या, वोटरों की संख्या व चुनाव से संबंधित अन्य जानकारी लेकर जरूरी दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर बादशाहपुर विधानसभा के रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम अंकित चोकसे व गुड़गांव विधानसभा के रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम रवींद्र कुमार भी मौजूद रहे। पर्यवेक्षक नरेंद्र कुमार दुग्गा ने कहा कि चुनाव को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करवाए जाए। आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत कोई भी व्यक्ति करता है, तो तुरंत कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि चुनाव के लिए आयोग ने एक उम्मीदवार के खर्च की सीमा निर्धारित की गई है। उम्मीदवार के नामांकन के साथ ही खर्च का रिकार्ड आरंभ हो गया है। उन्होंने कहा कि उम्मीदवार द्वारा किए जाने वाले खर्च पर पूरी निगरानी रखी जाए। वहीं शराब की अवैध बिक्री व किसी तरह की वोट खरीद व वोटर धमकाने संबंधित शिकायत पर नजर रखी जाए। उन्होंने कहा कि सभी प्रत्याशियों के लिए राज्य चुनाव आयोग द्वारा तय आदर्श आचार संहिता की पालना करना अनिवार्य है। बैठक में गुड़गांव विधानसभा के रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम रवींद्र कुमार ने पीपीटी के माध्यम से विधानसभा उम्मीदवार व उनके प्रतिनिधियों को आदर्श आचार संहिता की जानकारी देते हुए बताया कि कोई भी प्रत्याशी अन्य प्रत्याशी के प्रचार प्रसार को प्रभावित न करे।

5 अक्टूबर को होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए 1031 उम्मीदवार लड़ेंगे चुनाव : पंकज अग्रवाल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल ने बताया कि 5 अक्तूबर को हरियाणा विधानसभा की सभी 90 सीटो पर होने वाले आम चुनाव के लिए 1559 उम्मीदवारों ने 1746 नामांकन पत्र भरे थे। इनमें से जांच के दौरान 1221 प्रत्याशियों की उम्मीदवारी सही पाई व 338 उम्मीदवारों के नामांकन रद्द कर दिए गए।

पंकज अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2024 के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी चुनाव कार्यक्रम के अनुसार चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार 5 सितम्बर से 12 सितम्बर तक नामांकन पत्र भर सकते थे। 13 सितम्बर को नामांकन पत्रों की जांच की गई और 16 सितम्बर, 2024 तक उम्मीदवार अपना नामांकन वापिस ले सकते थे। 16 सितम्बर तक कुल 190 उम्मीदवारों द्वारा नामांकन वापिस लिए गए। इसी प्रकार अब विधानसभा चुनाव-2024 के लिए कुल 1031 उम्मीदवार हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा विधानसभा आम चुनाव-2014 में 1351 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था जबकि

2019 के विधानसभा चुनाव में यह संख्या 1169 उम्मीदवारों की थी।

प्रदेश में 190 उम्मीदवारों ने नामांकन लिए वापिस

उन्होंने कहा कि पंचकूला जिला से 5 उम्मीदवारों ने नामांकन वापिस लिए है। इसी प्रकार, अम्बाला जिला से 4, यमुनानगर जिला से 5, कुरूक्षेत्र जिला से 15, कैथल जिला से 15, करनाल जिला से 10, पानीपत जिला से 6, सोनीपत जिला से 7, जींद जिला से 13, फतेहाबाद जिला में 6, सिरसा जिला से 12, हिसार जिला से 23, दादरी जिला से 3, भिवानी जिला से 13, रोहतक जिला से 4, झज्जर जिला से 9, महेंद्रगढ़ जिला से 9, रेवाडी जिला से 3, गुरूग्राम जिला से 15, नूंह जिला से 2, पलवल जिला से 4 और फरीदाबाद जिला से 7 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन वापिस लिए हैं।

विधानसभा चुनाव के लिए कुल उम्मीदवार 1031

मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल ने बताया कि सभी 22 जिलों में जांच प्रक्रिया पूरी होने व नामांकन वापिस लेने के बाद पंचकूला जिला में 17 उम्मीदवार शेष बचे हैं। इसी प्रकार, अम्बाला जिला से 39, यमुनानगर जिला से 40, कुरूक्षेत्र जिला से 43, कैथल जिला से 53, करनाल जिला से 55, पानीपत से 36, सोनीपत जिला से 65, जींद जिला से 72, फतेहाबाद जिला में 40, सिरसा जिला से 54, हिसार जिला से 89, दादरी जिला से 33, भिवानी जिला से 56, रोहतक जिला से 56, झज्जर जिला से 42, महेंद्रगढ़ जिला से 37, रेवाडी जिला से 39, गुरूग्राम जिला से 47, नूंह जिला से 21, पलवल जिला से 33 और फरीदाबाद से 64 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे है।

90 विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतदान 5 अक्टूबर 2024 को प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक

पंकज अग्रवाल ने बताया कि 90 विधानसभा क्षेत्रों के लिए चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी की गई तथा संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों द्वारा उन्हें चुनाव चिन्ह भी आवंटित कर दिये गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में मतदान 5 अक्तूबर 2024 को प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक निर्धारित किया गया है तथा मतगणना 8 अक्तूबर, 2024 को होगी और चुनाव परिणाम भी उसी दिन घोषित कर दिए जाएंगे।

जीवन में संस्कारों का बहुत महत्व हैः रासबिहारी

जींद। सफीदों उपमंडल के गांव ढाठरथ के बालिका संस्कृत विद्यापीठ में एक दिवसीय हिंदू संस्कार शिविर का मंगलवार को आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यवक्ता विश्व हिंदू परिषद के केंद्रिय सह मंत्री रासबिहारी ने शिरकत की। वहीं विहिप के जिला मंत्री प्रमोद गौत्तम विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मातृशक्ति पिल्लूखेड़ा प्रखंड अध्यक्षा डा. सुमन शर्मा ने की। अपने संबोधन में विहिप केंद्रिय सह मंत्री रासबिहारी ने कहा कि जीवन में संस्कारों का बहुत महत्व है। सुबह उठ कर हस्त दर्शन, धरती माता व बड़े-बुजुर्गों को प्रणाम करना चाहिए। इसके अलावा बच्चों को स्वाध्याय पर पूरा जोर देना चाहिए। बच्चों को जो अच्छे संस्कार दिए जाते हैं, वे उसके जीवन में हरदम काम आते हैं। अगर बच्चों को अच्छे संस्कार ना दिए जाएं तो बच्चा बड़ा होकर गलत मार्ग पर चल पड़ता है।

महिलाओं के प्रति कांग्रेसियों की सोच अच्छी नहीं, सार्वजनिक तौर पर मांगे माफीः दुष्यंत चौटाला

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने महिलाओं के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले कांग्रेस नेताओं की कड़े शब्दों में निंदा की है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि कांग्रेस नेताओं द्वारा महिलाओं के प्रति ओछी मानसिकता दर्शाना निंदनीय है। उन्होंने कहा कि चाहे एक कांग्रेस सांसद का लिपस्टिक पाउडर वाला बयान हो, उचाना में कांग्रेस नेता बीरेंद्र सिंह की महिलाओं के गर्भधारण पर की गई टिप्पणी हो या फिर कांग्रेसी द्वारा सांसद कुमारी शैलजा पर दिया गया बयान हो, ये सब साफ दर्शाते है कि कांग्रेसी आधी आबादी को किस सोच के साथ देखते है। पूर्व डिप्टी सीएम ने मांग करते हुए कहा कि इन सभी कांग्रेसी नेताओं को अपने शर्मनाक बयान के लिए सार्वजनिक तौर पर माफी मांगनी चाहिए।

दुष्यंत चौटाला गुहला में जेजेपी-एएसपी उम्मीदवार कृष्ण बाजीगर के चुनाव प्रचार के दौरान पत्रकारों से रूबरू थे। पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में त्रिकोणीय मुकाबले को देखते हुए जेजेपी पिछली बार से

ज्यादा संख्या में इस बार विधायक बनाकर सरकार बनाने का काम करेगी।

उन्होंने कहा कि इस बार जेजेपी-एएसपी गठबंधन की अहम भूमिका रहेगी, ताला भी हमारा होगा और चाबी भी हमारी होगी। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि पिछली बार जेजेपी कार्यकर्ताओं ने जो संकल्प लिया था, उसे पूरा करके दिखाया था और इस बार भी पूरा करेंगे। एक सवाल के जवाब में दुष्यंत चौटाला ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी अपनी और अपनी पार्टी की चिंता करें क्योंकि आज लोग न केवल भाजपा से परेशान है बल्कि उनके नेता भी भाजपा को छोड़-छोड़कर जा रहे है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि कटी पतंग साबित हो चुके नायब सैनी को लाडवा की जनता बाहर का रास्ता दिखाने का काम करेगी।

सोनीपत में 26 सितंबर को होगी जन आशीर्वाद रैली को संबोधित करेंगे पीएम मोदी

एजेंसी

रोहतक। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान घोषणा की कि 26 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोनीपत में जन आशीर्वाद रैली को संबोधित करेंगे। इस रैली में प्रधानमंत्री मोदी आसपास के जिलों के 23 भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान की अपील करेंगे। मोहनलाल बडौली ने इस मौके पर कांग्रेस पर जमकर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सत्ता में आने के सपने देख रही है, लेकिन ये सपने असफल रहेंगे। बडौली ने यह भी कहा कि कांग्रेस को अभी तक यह तक नहीं पता कि उनका मुख्यमंत्री कौन होगा, और कुमारी सैलजा के अपमान का आरोप भी लगाया। बडौली ने कहा कि कांग्रेस में गुटबाजी और विद्रोह की स्थिति है, जिसका ताजा उदाहरण कुमारी सैलजा के प्रति किए गए बयान हैं। उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर भी निशाना साधा, आरोप लगाया कि केजरीवाल सत्ता में रहते हुए झूठ बोलते हैं और उनके दावे असत्य साबित होते हैं। बडौली ने कहा कि केजरीवाल के हरियाणा में प्रचार करने की चुनौती पर जनता उन्हें उचित जवाब देगी। गोपल कांडा के समर्थन में भाजपा प्रत्याशी के नामांकन वापस लेने पर बडौली ने कहा कि भाजपा ने कांडा के साथ कोई समझौता नहीं किया है और अभी इस मामले पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने बागी

नेताओं के निर्दलीय उम्मीदवार बनने के सवाल पर भी टिप्पणी की, कहां भाजपा के नेताओं के फॉर्म वापस करवा दिए गए हैं। बडौली ने कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस झूठ बोलने में माहिर है और उन्हें शर्म नहीं आती। उन्होंने बताया कि भाजपा ने बिजली व्यवस्था में सुधार किया है, जिससे किसानों को अब 18 से 23 घंटे बिजली मिल रही है, जबकि कांग्रेस के समय यह केवल 6 से 8 घंटे हुआ करती थी। 18 सितंबर को भाजपा अपना संकल्प पत्र जारी करेगी, जिसे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लॉन्च करेंगे।

कांग्रेस ने हमेशा झूठ और लूट की राजनीति कीः मोहनलाल बड़ौली

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव जीतने के लिए भाजपा पूरी रणनीति के तहत काम कर रही है। इसी रणनीति के तहत प्रधानमंत्री हरियाणा में तीन रैली करेंगे। भाजपा के प्रदेश चुनावी मीडिया सेंटर में पत्रकारों से बात करते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि हरियाणा में इस बार भी भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिलेगा। तीसरी बार प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी और नायब सिंह सैनी दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। प्रदेश अध्यक्ष ने पत्रकारों के समक्ष मोदी सरकार 3.0 के 100 दिनों की उपलब्धियां गिनवाई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्म दिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया के अंदर भारत की साख बढ़ी और मोदी ग्लोबल लीडर के तौर पर उभर के सामने आए हैं। बड़ौली ने कांग्रेस को भी घेरा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भारी विद्रोह के दौर से गुजर रही है, जबकि भाजपा एकजुटता के साथ चुनाव के मैदान में है। पत्रकार वार्ता के दौरान हरियाणा भाजपा मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी शमशेर सिंह खरक, अशोक छाबड़ा, संदीप आजाद, भाजपा नेता राजकुमार कटारिया और रोहतक जिला मीडिया प्रमुख सन्नी शर्मा आदि मौजूद रहे। मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि विधानसभा चुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फिर हरियाणा आ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन आशीर्वाद रैली 26 सितंबर को सोनीपत में होगी। सोनीपत रैली का संयोजक मैं खुद रहूंगा। इसके अलावा हिसार में नरेंद्र मोदी की रैली होगी और इस रैली के संयोजक कुलदीप बिश्नोई होंगे। प्रधानमंत्री 2 अक्टूबर को पलवल में रैली करेंगे और इसके संयोजक कृष्णपाल गुर्जर होंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि 18 सितंबर को

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा प्रदेश की राजनीतिक राजधानी रोहतक में भारतीय जनता पार्टी का संकल्प पत्र जारी करेंगे। मोहनलाल बड़ोली ने बताया कि आज का दिन बहुत खास है, क्योंकि आज देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिन तो है ही, साथ ही आज केंद्र की भारतीय जनता पार्टी की सरकार के तीसरे कायकाल के 100 दिन पूरे हो रहे हैं।

इनेलो-जजपा-हलोपा भाजपा की बी टीम, सिरसा में सबकी जुगलबंदी सार्वजनिक हो चुकी : हुड्डा

एजेंसी

चंडीगढ़। पूर्व सीपीएस एवं असंध से पूर्व विधायक सरदार बख्शीश सिंह विर्क ने अपने सैकड़ों साथियों संग बीजेपी छोड़कर कांग्रेस ज्वाइन कर ली। उनके साथ कई गांवों के सरपंच, पार्षद, भाजपा के कई पदाधिकारी, चेयरमैन और सैंकड़ों सक्रिय कार्यकर्ताओं ने भी कांग्रेस में आस्था जताई। पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा और प्रदेशाध्यक्ष चौधरी उदयभान ने कांग्रेस का पटका पहनाकर सभी का स्वागत किया। हुड्डा और चौ. उदयभान ने सभी को कांग्रेस में पूर्ण मान-सम्मान का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि बख्शीश सिंह विर्क के कांग्रेस में आने से ना केवल असंध बल्कि हरियाणा के कई विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी को बढ़त मिलेगी। इस मौके पर भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि इनेलो, जजपा और हलोपा भाजपा की बी टीम हैं। सिरसा में इनकी जुगलबंदी सार्वजनिक भी हो चुकी है। कांग्रेस के तमाम विरोधी दल एक-दूसरे की मदद कर रहे हैं। इन पार्टियों ने टिकट भी इसी हिसाब से बांटे हैं और अब नामांकन वापस लेने का ड्रामा कर रहे हैं। लेकिन अब भाजपा और उसके सहयोगी कितनी भी साजिशें रच लें, प्रदेश की 36 बिरादरी कांग्रेस को प्रचंड बहुमत से सत्ता में लाने का मन बना चुकी है। जल्द ही प्रदेश में कांग्रेस के दिग्गज नेताओं की बड़ी रैलियां होंगी और 8 अक्टूबर को पार्टी के पक्ष में जनादेश आएगा। कांग्रेस सरकार बनने पर बुजुर्गों को 6 हजार रुपए महीना पेंशन, 500 रुपए में घरेलू गैस सिलेंडर, पहले एक साल में एक लाख पक्की नौकरियां, 300 यूनिट बिजली फ्री देने का काम किया जाएगा। चौधरी उदयभान ने कहा कि कांग्रेस में भाजपा समेत अन्य दलों के 50 से ज्यादा विधायक, पूर्व विधायक, सांसद और पूर्व सांसद शामिल हो चुके हैं। हरियाणा में अपनी हार को देखकर भाजपा के नेताओं की बौखलाहट अब सामने आने लगी है। भाजपाई 10 साल राज में रहने के बावजूद अपना कोई काम नहीं गिनवाते। इसके विपरित अब प्रदेशवासियों को धर्म और जात-पात की राजनीति में धकेलने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा का चाल, चरित्र और चेहरा ही 'फूट डालो राज करो' का रहा है। इन्होंने सदा से ही समाज को बांटने, तोड़ने और बरगलाने का काम किया है, जबकि कांग्रेस हमेशा दिलों को जोड़ने की बात करती है।

देश का निर्यात अगस्त में 9.3 फीसदी घटकर 34.71 अरब डॉलर पर

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोंचे पर सरकार को झटका लगने वाली खबर है। देश का वस्तु निर्यात अगस्त में 9.3 फीसदी घटकर 34.71 अरब डॉलर (करीब 2.90 लाख करोड़ रुपये) रहा है। वहीं, देश का आयात अगस्त में 3.3 फीसदी की वृद्धि के साथ 64.4 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस तरह अगस्त में व्यापार घाटा 29.65 अरब डॉलर हो गया। केंद्रीय वाणिज्?य एवं उद्योग मंत्रालय ने बताया कि अगस्त महीने में देश के वस्तुओं का निर्यात 9.3 फीसदी घटकर 34.71 अरब डॉलर रहा है। एक साल पहले इसी अवधि में यह 38.28 अरब डॉलर रहा था। वहीं, देश में होने वाला आयात 3.3 फीसदी बढ़कर 64.36 अरब डॉलर रहा, जो एक साल पहले इसी महीने में 62.3 अरब डॉलर रहा था। इस तरह अगस्?त में व्यापार घाटा यानी आयात और निर्यात के बीच अंतर बढ़कर 29.65 अरब डॉलर हो गया। वैश्विक मांग में कमी और जियो पॉलिटिकल चैलेंजेस के कारण अगस्त में भारत का निर्यात घटा है। मंत्रालय के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल-अगस्त के दौरान देश का निर्यात 1.14 फीसदी बढ़कर 178.68 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात 07 फीसदी बढ़कर 295.32 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। देश के वस्तुओं के निर्यात में जुलाई में भी 1.5 फीसदी की गिरावट आई थी। हालांकि, मंत्रालय ने बताया कि अप्रैल-अगस्त 2024 के दौरान संचयी समग्र निर्यात 374.33 अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है, जबकि अप्रैल-अगस्त 2023 में यह 350.11 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था, जिसमें 5.35 फीसदी की अनुमानित वृद्धि है।

सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने वित्त मंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने यहां मुलाकात की। वित्त मंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने नई दिल्ली स्थित नार्थ ब्लॉक,

वित्त मंत्री कार्यालय में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। इस अवसर पर अन्य लोग मौजूद रहे। हालांकि, इस मुलाकात का विस्तृत ब्यौरा अभी नहीं मिला है। उल्लेखनीय है कि चंद्रजीत बनर्जी सीआईआई के महानिदेशक एवं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई सरकारी सलाहकार निकायों के सदस्य हैं। भारतीय उद्योग परिसंघ के डीजी के रूप में वह इंडिया इंक की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और भारत के विकास की दिशा में कई नीति स्तर के संवादों और चर्चाओं का नेतृत्व करने और योगदान देने के लिए भी जिम्मेदार हैं।

लगातार दूसरे दिन मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 26 हजार करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन मामूली मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। हालांकि आज पूरे दिन लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश चलती रही, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल लगातार ऊपर नीचे होती रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.11 प्रतिशत और निफ्टी 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। आज सेंसेक्स पहली बार 83 हजार अंक के स्तर के ऊपर और निफ्टी 25,400 अंक के ऊपर बंद होने में सफल रहे। आज के कारोबार में रियल्टी, आईटी और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह टेलीकॉम, ऑयल एंड गैस और एनर्जी इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, मेटल और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों पर दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

थोक महंगाई दर अगस्त में घटकर चार माह के निचले स्तर 1.31 फीसदी पर आई

नई दिल्ली। महंगाई के मोर्चे पर आम लोगों को राहत देने वाली खबर आई है। रोजाना की जरूरत वाला समान, खाद्य पदार्थों और सब्जियों के सस्ता होने कारण थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर अगस्त महीने में घटकर 1.31 फीसदी पर आ गई है। ये इसका चार महीने का निचला स्तर है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि सब्जियों और खाद्य पदार्थों के सस्ते होने से थोक महंगाई दर अगस्त महीने में घटकर 1.31 फीसदी रही है। पिछले महीने जुलाई में थोक महंगाई दर घटकर 2.04 फीसदी पर थी। अप्रैल में थोक महंगाई दर 1.26 फीसदी थी। वहीं, पिछले साल अगस्त, 2023 में यह दर -0.46 फीसदी रही थी।

सरकार ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स घटाकर शून्य किया, नई दरें लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल टैक्स) को घटाकर शून्य कर दिया है। इसके अलावा पेट्रोल और विमान ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क को शून्य पर बरकरार रखा है। नई दरें बुधवार से प्रभावी हो गई है।

सरकार की अधिसूचना के मुताबिक घरेल कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को 1,850 रुपये प्रति टन से शून्य कर दिया गया है। इसके साथ ही पेट्रोल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर लगने वाले विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क को शून्य पर बरकरार रखा गया है। इससे पहले 31 अगस्त को घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को 2,100 रुपये प्रति टन से घटाकर 1,850 रुपये प्रति टन

किया गया था।

उल्लेखनीय है कि दो हफ्ते में औसत तेल की कीमतों के आधार पर हर पखवाड़े विंडफॉल टैक्स को अधिसूचित किया जाता है। देश में पहली बार एक जुलाई, 2022 को विंडफॉल टैक्स लगाया गया था। इसके साथ भारत उन देशों में शामिल हो गया था जो ऊर्जा कंपनियों को अप्रत्याशित रूप से होने वाले लाभ पर कर लगाते हैं।

शिवालिक इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड को आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। शिवालिक इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम(आईपीओ) के माध्?यम से धन जुटाने केक लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने 28 जून, 2024 को सेबी के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्?पेक?टस (डीआरएचपी) दाखिल किया था।

कंपनी ने जारी एक बयान में बताया कि पूंजी बाजार नियामक सेबी ने उसके आईपीओ लाने को अपनी मंजूरी दे दी है। कंपनी के 5 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य वाला ये आईपीओ 335 करोड़ रुपये तक के नए शेयरों के निर्गम और प्रमोटरों और अन्य विक्रय शेयरधारक के द्वारा 4.13 मिलियन इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव है। शिवालिक इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड के आईपीओ के प्रस्ताव में पात्र कर्मचारियों द्वारा सदस्यता के

लिए आरक्षण भी शामिल है। कंपनी कर्मचारी आरक्षण हिस्से में बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को छूट दे रही है। रायपुर स्थित शिवालिक इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड कंपनी भारत की अग्रणी प्रेसिजन इंजीनियरिंग कंपनियों में से एक है।

जेबीआईसी के गवर्नर हयाशी नोबुमित्सु से मिलीं सीतारमण, कई मुद्दों पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने यहां जापान बैंक फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन (जेबीआईसी) के गवर्नर हयाशी नोबुमित्सु से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने मुद्दों पर चर्चा की। इसके साथ ही भारत में जेबीआईसी की हालिया गतिविधियों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने नई दिल्ली में जेबीआईसी के गवर्नर हयाशी नोबुमित्सु से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान हुई चर्चा भारत-जापान कोष की सफलता और

जापानी कंपनियों के लिए भारत में सुधारों और नीतिगत पहलों के द्वारा सृजित अवसरों से निवेश करने और लाभ उठाने की संभावनाओं पर केंद्रित रही। मंत्रालय ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने बैठक के दौरान उल्लेख किया कि भारत और जापान 2024 में विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी के 10 वर्ष पूरे करेंगे। चर्चा के दौरान वित्त मंत्री ने कहा कि ऐसे में भारत और जापान को नए क्षेत्रों को जोड़कर और मौजूदा सहयोग को गहरा करके साझेदारी को गति देने के तरीके तलाशने चाहिए।

वहीं, जेबीआईसी गवर्नर ने निवेश को सुविधाजनक बनाने की दिशा में भारत सरकार की पहल की सराहना करते हुए कहा कि वे सेमीकंडक्टर, लॉजिस्टिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा आदि जैसे क्षेत्रों में निवेश के लिए सहयोग की संभावनाएं को तलाशेंगे।

पीयूष गोयल ने मॉर्गन स्टेनली के सीईओ टेड पिक के साथ की बातचीत

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मॉर्गन स्टेनली के मुख्य कार्यकारी

अधिकारी (सीईओ) टेड पिक के साथ एक बैठक की। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने कई अहम मुद्दों पर बातचीत की। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि पीयूष गोयल ने मॉर्गन स्टेनली के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) टेड पिक के साथ एक बैठक की। बयान के मुताबिक दोनों नेताओं के बीच चर्चा पिछले 10 वर्षों में भारत के आर्थिक परिदृश्य में आए जबरदस्त बदलाव और मॉर्गन स्टेनली द्वारा देश में अपने निवेश को और बढ़ाने के लिए खोले गए विशाल अवसरों का लाभ उठाने के तरीके पर केंद्रित रही। उल्लेखनीय है कि मॉर्गन स्टेनली एक अमेरिका स्थि?त बहुराष्ट्रीय निवेश बैंक और वित्तीय सेवा कंपनी है। इसका मुख्यालय न्यूयॉर्क शहर के मिडटाउन मैनहट्टन में 1585 ब्रॉडवे पर है। कंपनी के 41 देशों में कार्यालय है, जिसमे 75 हजार से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं।

यूएस फेड के बाद आरबीआई पर भी टिकी निगाहें, दिसंबर तक ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व कल ब्याज दरों में कटौती करने का फैसला ले सकता है। मार्च 2020 के बाद पहली बार ब्याज दरों में होने वाली कटौती पर दुनिया भर के निवेशकों और अर्थशास्त्रियों की नजर टिकी हुई है। साथ ही दुनिया की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भी अब ब्याज दरों में कटौती का इंतजार होने लगा है। खासकर भारत में अब ब्याज दरों में कटौती करने की बात पर चर्चा शुरू हो गई है। माना जा रहा है कि महंगाई दर में कमी आने के साथ ही निवेश में हुई बढ़ोतरी और अन्य अर्थशास्त्रीय मानदंडों पर स्थितियां अनुकूल नजर आने लगी हैं। ऐसी स्थिति में भारतीय रिजर्व बैंक आने वाले दिनों में ब्याज दरों में कटौती करने का फैसला ले सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में ब्याज दरों में कटौती करने की लिए अनुकूल स्थिति नजर आ रही है। महंगाई दर में भी कमी आई है। इस तिमाही में महंगाई दर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा तय किए गए लक्ष्य 4 प्रतिशत के काफी करीब रही है।

पिछले दिनों जारी आंकड़ों के मुताबिक अगस्त के महीने में महंगाई दर 3.65 प्रतिशत के स्तर पर थी। सबसे बड़ी बात ये है कि मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के पहले दो महीनों में महंगाई दर का मासिक औसत 3.65 प्रतिशत रहा है। हालांकि भारतीय रिजर्व बैंक ने दूसरी तिमाही के दौरान ओवरऑल 4.4 प्रतिशत महंगाई दर रहने का अनुमान जताया है। मार्केट एक्सपर्ट विमल सिरोही का कहना है कि महंगाई दर में पिछले 2 महीने के दौरान गिरावट जरूर आई है, लेकिन फूड इन्फ्लेशन पर अब भी काबू नहीं पाया जा सका है। पिछले 2 महीने के दौरान फूड इन्फ्लेशन 5.4 प्रतिशत से बढ़ कर 5.7 प्रतिशत हो गया है। खास तौर पर फल-सब्जियां, दलहन और अंडे का इन्फ्लेशन 6 प्रतिशत से ऊपर रहा है। दलहन के मामले में तो इन्फ्लेशन 13.6 प्रतिशत के स्तर तक पहुंच गया है। दलहन की नई फसल आने तक इसमें गिरावट आने की उम्मीद नहीं है। ऐसे में अगर इस तिमाही के तीसरे महीने यानी सितंबर में फूड इन्फ्लेशन की वजह से महंगाई दर में मासिक आधार पर बढ़ोतरी हुई, तब भी दूसरी तिमाही का ओवरऑल एवरेज रिजर्व बैंक द्वारा लगाए गए अनुमान 4.4 प्रतिशत के करीब ही रहेगा। विमल सिरोही का कहना है कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ब्याज दरों में कमी करने का फैसला तभी लेगी, जब महंगाई दर आरबीआई के मीडियम टर्म में 4 प्रतिशत के टारगेट के अंदर आ जाएगी। अगर सितंबर से नवंबर की अवधि में भी महंगाई दर मासिक आधार पर 4 प्रतिशत से कम बनी रहती है, तो मौद्रिक नीति समिति दिसंबर में ब्याज दरों में कमी करने का फैसला ले सकती है। हालांकि विमल सिरोही का ये भी कहना है कि कोर इन्फ्लेशन को लेकर चिंता बनी हुई है। खास कर इनपुट कॉस्ट बढ़ने का असर चीजों की कीमतों पर पड़ेगा, जिससे खुदरा महंगाई दर में तेजी आ सकती है।

निवेश सलाहकारों के लिए सेबी शुरू करेगा फीस कलेक्शन प्लेटफॉर्म, फ्रॉड पर लग सकेगी रोक

एजेंसी

नई दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने रजिस्टर्ड इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स (आईए) और रिसर्च एनालिस्ट्स (आरए) के लिए फीस कलेक्शन प्लेटफॉर्म शुरू करने की घोषणा की है। दावा किया जा रहा है कि इस प्लेटफॉर्म के जरिए फर्जी इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स और रिसर्च एनालिस्ट्स द्वारा की जाने वाली धोखाधड़ी पर लगाम लगेगी और निवेशकों को फ्रॉड से बचाया जा सकेगा। इस प्लेटफॉर्म के जरिए रजिस्टर्ड रिसर्च एनालिस्ट्स और इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स अपने क्लायंट से फीस कलेक्ट कर सकेंगे। बताया जा रहा है कि आगामी एक अक्टूबर से शुरू होने वाला ये फीस कलेक्शन प्लेटफॉर्म फिलहाल वैकल्पिक होगा। सेबी के मुताबिक क्लायंट्स के लिए फिलहाल इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करना अनिवार्य नहीं होगा। हालांकि आने वाले दिनों में इस प्लेटफॉर्म की उपयोगिता और इसकी कार्यप्रणाली का अध्ययन करने के बाद इसके इस्तेमाल को अनिवार्य भी किया जा सकता है। सेबी द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स और रिसर्च एनालिस्ट्स इस प्लेटफॉर्म पर अपने क्लायंट्स का रजिस्ट्रेशन करने के साथ ही क्लायंट के डिटेल को वैलिडेट भी कर सकेंगे। इसके साथ ही इसके जरिए हर क्लायंट को नेट बैंकिंग, एनईएफटी, यूपीआई समेत पेमेंट के सभी डिजिटल तरीकों का इस्तेमाल करने की सुविधा भी मिलेगी।

रिकॉर्ड डेट के बाद दो दिन में ही मिलेगा बोनस शेयर, सेबी ने जारी किया सर्कुलर

एजेंसी

नयी दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने एक सर्कुलर जारी करके सभी लिस्टेड कंपनियों को रिकॉर्ड डेट के बाद अधिकतम दो कारोबारी दिन में ही बोनस शेयर जारी करने का निर्देश दिया है। अभी तक की व्यवस्था में बोनस शेयर रिकॉर्ड से करीब दो हफ्ते के बाद ही जारी हो पाते हैं। सर्कुलर में स्पष्ट किया गया है कि अगर समय सीमा का पालन नहीं किया गया तो दोषी कंपनियों को अर्थदंड (जुर्माना) का सामना करना पड़ेगा। सेबी के सर्कुलर के मुताबिक ये निर्देश 1 अक्टूबर से प्रभावी हो जाएगा।

बोनस शेयर और डिविडेंड जारी करने के लिए कंपनियां रिकॉर्ड डेट तय करती हैं। रिकॉर्ड डेट वो तारीख होती है, जिस दिन को कंपनी अपने शेयर होल्डर्स के लिए बोनस या डिविडेंड की योग्यता तय करती हैं। यानी रिकॉर्ड डेट के दिन शेयर होल्डर के पास कंपनी के शेयर उपलब्ध होने चाहिए। उस तारीख के पहले यदि शेयर होल्डर अपने शेयर बेच देता है, या उस तारीख के बाद कंपनी के शेयर की खरीदारी करता है, तो उसे

बोनस या डिविडेंड के लिए पात्र नहीं माना जाता है।

सेबी ने अपने सर्कुलर में बोनस शेयर के लिए T+2 ट्रेडिंग डे का प्रावधान किया है। यहां ञ्ञ का तात्पर्य रिकॉर्ड डेट से है। इस सर्कुलर में बोनस शेयर जारी करने की पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया है कि अगर समय सीमा के पालन में किसी भी तरह की देरी हुई तो कंपनियों को अर्थदंड का सामना करना पड़ेगा। ये अर्थ दंड सेबी द्वारा 19 अगस्त 2019 को जारी सेबी के सर्कुलर के उसे प्रावधान के तहत लगाया जाएगा, जिसमें सेबी के इश्यू ऑफ कैपिटल एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स (आईसीडीआर) रेगुलेशंस के प्रावधानों का पालन नहीं करने पर अर्थदंड लगाने की बात कही गई है। सर्कुलर में बोनस शेयर जारी करने के लिए अपनायी जाने वाली प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया गया है कि बोनस जारी करने वाली कंपनी सेबी के लिस्टिंग ऑब्लिगेशंस एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स (एलओडीआर) रेगुलेशंस 2015 के प्रावधानों के मुताबिक इश्यू की मंजूरी के लिए स्टॉक एक्सचेंज में अप्लाई करेगी। ये प्रक्रिया बोर्ड की बैठक में बोनस इश्यू को मंजूरी मिलने के 5 कारोबारी दिन में पूरी हो जानी चाहिए। इसके बाद बोनस इश्यू जारी करने वाली कंपनी प्रस्तावित इश्यू के लिए रिकॉर्ड डेट तय करके इस संबंध में स्टॉक एक्सचेंज को सूचित करेगी। इसके साथ ही रिकॉर्ड डेट के अगले कामकाजी दिन ही शेयर के अलॉटमेंट के बारे में भी जानकारी देनी होगी। बोनस जारी करने वाली कंपनी से रिकॉर्ड डेट की आधिकारिक जानकारी मिलने के बाद स्टॉक एक्सचेंज रिकॉर्ड डेट और बोनस शेयरों की संख्या को लेकर नोटिफिकेशन जारी करेगा। इस नोटिफिकेशन में बोनस शेयरों के अलॉटमेंट की तारीख भी मौजूद रहेगी। स्टॉक एक्सचेंज की ओर से नोटिफिकेशन जारी होने के बाद बोनस जारी करने वाली कंपनी रिकॉर्ड डेट के अगले दिन डिपॉजिटरी को सभी संबंधित कागजात सौंप देगी, ताकि डिपॉजिटरी सिस्टम में बोनस शेयर क्रेडिट हो सकें। अंत में बोनस इश्यू के तहत अलॉटेड शेयर अलॉटमेंट के अगले कारोबारी दिन ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध करा दिए जाएंगे।

श्राद्ध की शुरुआत होते ही सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में भी आई गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। श्राद्ध की शुरुआत होते ही घरेलू सर्राफा बाजार में आज गिरावट का रुख नजर आ रहा है। इस कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 75,030 रुपये से लेकर 74,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 68,790 रुपये से लेकर 68,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी आज गिरावट दर्ज की गई है। कीमत गिरने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज चांदी की कीमत 91,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 75,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 68,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 74,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 68,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 74,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 68,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 74,880 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 68,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 74,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 68,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 75,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 68,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 74,930 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 68,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 75,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 68,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 74,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 68,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

यूएस फेड के फैसले पर टिकी पूरी दुनिया की नजर

नई दिल्ली। दुनिया भर के अर्थशास्त्रियों और निवेशकों की नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व (यूएस फेड) की आज और कल होने वाली बैठक पर टिकी हुई है। अभी तक के संकेतों के आधार पर माना जा रहा है कि कल यूएस फेड ब्याज दरों में कटौती करने का ऐलान कर सकता है। अगर यूएस फेड ब्याज दरों में कटौती करने का ऐलान करता है, तो मार्च 2020 के बाद ये पहला मौका होगा, जब अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की जाएगी। अब कयास इस बात को लेकर लगाया जा रहा है कि ब्याज दरों में ये कटौती 25 बेसिस प्वाइंट की होगी या 50 बेसिस प्वाइंट की। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने की वजह से अमेरिका की आर्थिक हलचल पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर असर डालती है।

टैली प्राइम 5.0 के लॉन्च, एक्टिव टीएसएस सब्सक्राइबर्स के लिए मुफ्त उपलब्ध

एजेंसी

जयपुर। भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़- तेज़ी से विकसित होते एमएसएमई सेक्टर को मजबूत बनाने के दृष्टिकोण के साथ टैली सोल्युशन्स ने अपनी कनेक्टेड सर्विसेज़ को और बेहतर बनाते हुए नए टैली प्राइम 5.0 लॉन्च किया। नई रिलीज़ सभी एक्टिव टीएसएस सब्सक्राइबर्स के लिए मुफ्त उपलब्ध है। बिज़नेस मैनेजमेन्ट सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराने वाली जानी-मानी टेक्नोलॉजी कंपनी टैली ने एपीआई-संचालित टैक्स फाइलिंग के साथ अपनी कनेक्टेड सर्विसेज़ को नया आयाम दिया है। देश-विदेश में मिड-मास सेगमेन्ट के बिज़नेस के संचालन को सुगम बनाने के प्रयास में यह लॉन्च किया गया है। इस नए लॉन्च और आने वाले समय में नए प्रोडक्ट्स की योजनाओं के साथ टैली ने अपने मौजूदा यूज़र्स की संख्या को अगले 3 सालों में 50 फीसदी तक बढ़ाने तथा 30-40 फीसदी दर से विकसित होने का लक्ष्य रखा है। गौरतलब है कि टैली के मौजूदा यूज़र्स की संख्या 2.5 मिलियन के आंकड़े को पार कर चुकी है। टैली सोल्युशन्स में जनरल मैनेजर-नोर्थ, बालाजी एस. ने कहा, ''हम एमएसएमई के लिए बिज़नेस के संचालन को आसान बनाने के लिए अपनी टेक्नोलॉजी को लगातार इनोवेट कर रहे हैं। हमारी यह नई रिलीज़ भारतीय बिज़नसेज़ के लिए जीएसटी फाइलिंग को आसान बनाने के लिए डिज़ाइन की गई है। वर्तमान में बहुत कम ऐसे बिज़नसेज़ हैं जो एपीआई-आधारित फाइलिंग का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन हम इस स्थिति को बदल देना चाहते हैं। अपने नए लॉन्च के साथ हम एमएसएमई के लिए जीएसटी फाइलिंग को आसान बनाएंगे, ताकि उनका 60-70 फीसदी समय बच सके।

अपनी मर्जी से यह इंजेक्शन लगवा रहे लोग ! सर्वे में चौंकाने वाला खुलासा, जानकर उड़ जाएंगे होश

वेट लॉस को लेकर बाजार में नए-नए प्रोडक्ट आ रहे हैं, लेकिन लोगों को इन चीजों का इस्तेमाल बेहद सावधानी के साथ करना चाहिए. बिना डॉक्टर की सलाह के वेट लॉस ड्रग्स का इस्तेमाल करना खतरनाक हो सकता है.

दुनियाभर में करोड़ों लोग मोटापे की समस्या से जूझ रहे हैं. कई लोगों पर वजन कम करने का भूत सवार है. बाजार में कई तरह के इंजेक्शंस से लेकर दवाएं वेट लॉस का दावा कर रही हैं और लोग बिना सोचे-समझे इस्तेमाल भी कर रहे हैं. यह क्रेज पूरी दुनिया में बेहद तेजी से बढ़ रहा है. इसकी वजह से कई लोग अपनी जान भी गंवा रहे हैं. एक हालिया स्टडी में खुलासा हुआ है कि हर 4 में से 1 शख्स डॉक्टर की सलाह लिए बिना वेट लॉस इंजेक्शंस और दवाओं का इस्तेमाल कर रहा है. आसान भाषा में कहें, तो 25त्न लोग अपनी मर्जी से ये दवाएं इस्तेमाल कर रहे हैं.

अमेरिका की ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी की टीम ने 1006 अमेरिकी वयस्कों पर यह सर्वे किया था, जिसमें पता चला कि लोग डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के विकल्पों की तलाश कर रहे हैं, क्योंकि उनके पर्याप्त पैसा नहीं है और बीमा कवरेज का भी अभाव है. इस वजह से तमाम लोग डॉक्टर के पास जाने से बच रहे हैं और गैर-लाइसेंस प्राप्त ऑनलाइन फार्मेसी से वेट लॉस ड्रग्स का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे उनकी जान को खतरा पैदा हो सकता है. इस सर्वे से पता चला है कि लोगों को दवाएं खरीदने में सबसे बड़ी समस्या पैसे की आती है. डॉक्टर्स का अपॉइंटमेंट न मिलना भी एक परेशानी है.ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी के इंटरनल मेडिसिन के फिजिशियन शेंगयी माओ का कहना है कि जो लोग अपना वजन कम करना चाहते हैं, उनके लिए सबसे पहले अपने डॉक्टर से इस बारे में चर्चा करना बहुत जरूरी है. हर दवा हर किसी के लिए एक जैसी नहीं होती और हर दवा के अपने जोखिम और साइड इफेक्ट हो सकते हैं. डॉक्टर 'मरीज की मेडिकल हिस्ट्री की जांच करने और जोखिम का आकलन करके दवाएं लिखते हैं, ताकि उससे कोई खतरा न हो. हाल ही में विकसित वजन घटाने वाली दवाएं भूख को कम करती हैं और पेट के खाली होने की गति को धीमा करती हैं.यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (स्न स्नष्ठ) ने वेट लॉस दवाओं को लेकर कई बार चेतावनी भी जारी की है और लोगों को अपनी मर्जी से ये दवाएं न लेने की अपील की है. हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो मोटापा एक गंभीर और जटिल समस्या है, जिसका समाधान सही तरीके से किया जाना चाहिए. वजन घटाने वाली ये दवाएं कुछ लोगों के लिए प्रभावी हो सकती हैं, लेकिन इनके गंभीर साइड इफेक्ट्स भी हो सकते हैं. ऐसे में लोगों को अपनी मर्जी से और अनअप्रूव्ड वेट लॉस दवाओं व इंजेक्शन से बचने की जरूरत है. कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें वेट लॉस दवाओं की वजह से लोगों की जान चली गई.

केजरीवाल का दांव: अग्निपरीक्षा या गुगली

कहने की जरूरत नहीं है कि आम तौर पर आम चुनाव के और खासतौर दिल्ली की सात सीटों पर चुनाव के नतीजों से, आम आदमी पार्टी ने निश्चित रूप से सबक लिया होगा। उसने खासतौर पर इस तथ्य से सबक तो जरूर लिया होगा कि इन सीटों पर भाजपा के मत फीसद में पिछले आम चुनाव की तुलना में कमी के बावजूद और कांग्रेस तथा आप पार्टी के बीच पूर्ण चुनावी समझौता होने और अरविंद केजरीवाल के विशेष जमानत पर प्रचार के लिए छूटकर, चुनाव प्रचार करने के बावजूद, भाजपा सभी सात सीटों पर जीत दर्ज कराने में कामयाब रही।

सुप्रीम कोर्ट से जमानत पर रिहाई के बाद, आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं से अपने पहले संबोधन में ही, अरविंद केजरीवाल ने उन्हें झंझोड़कर रख देने वाला एलान कर दिया। केजरीवाल ने कहा कि वह दो दिन में मुख्यमंत्री का पद छोड़ देंगे। और उसके बाद मुख्यमंत्री का पद तभी स्वीकार करेंगे, जब जनता उनके ईमानदार होने पर अपने अनुमोदन की मोहर लगा देगी। सुप्रीम कोर्ट ने तो जमानत देकर उनके ईमानदार होने पर कानूनी मोहर लगा दी है, लेकिन उन्हें लगता है कि इतना काफी नहीं है। अब वह जनता के सामने अग्निपरीक्षा देंगे और मुख्यमंत्री पद तभी स्वीकार करेंगे, जब जनता उनके ईमानदार होने पर अपने वोट से मोहर लगाएगी। और अपनी इस त्याग मुद्रा का दायरा बढ़ाकर, इसे आम आदमी पार्टी की ही त्याग की मुद्रा बनाते हुए, केजरीवाल ने अपने इस्तीफे के फैसले के एलान में एक पेच और डाल दिया। उन्होंने एलान किया कि उन्हीं की तरह, व्यापक रूप से सरकार में नंबर-2 माने जाने वाले, उप-मुख्यमंत्री तथा शिक्षा मंत्री, मनीष सिसोदिया भी इस अग्निपरीक्षा की चुनौती स्वीकार करेंगे और जनता के ईमानदार घोषित करने के बाद ही, उप-मुख्यमंत्री तथा शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारी संभालेंगे। पुनः इसी प्रसंग को और आगे बढ़ाते हुए, एक और पेच जोड़ते हुए केजरीवाल ने यह मांग भी पेश कर दी कि दिल्ली के विधानसभा चुनाव, जो अगली फरवरी में होने हैं, आगे खिसका कर नवंबर में होने वाले महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव के साथ करा दिए जाएं, ताकि केजरीवाल की अग्निपरीक्षा जल्दी हो जाए।कहने की जरूरत नहीं है कि दिल्ली की मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा, केजरीवाल की इस गुगली से हतप्रभ रह गयी है। भाजपा के नेता, जो अब तक जेल में रहने के आधार पर केजरीवाल का इस्तीफा मांगते आ रहे थे, अचानक उनके इस्तीफे का एलान करने से समझ नहीं पा रहे हैं कि इसे अपनी कामयाबी मानें या अपनी परेशानी। यह कहने के सिवा कि केजरीवाल ने पहले ही इस्तीफा क्यों नहीं दिया, वे ज्यादा कुछ कह नहीं पा रहे हैं। हां! आखिरकार काफी कसरत के बाद उन्होंने यह नयी मांग जरूर निकाली है कि केजरीवाल और सिसोदिया ही नहीं, पूरे मंत्रिमंडल को इस्तीफा देना चाहिए! बहरहाल, मुख्य विपक्षी पार्टी की प्रतिक्रियाओं से समझना मुश्किल

नहीं है कि वह समझ ही नहीं पा रही है कि इस नयी स्थिति से कैसे निपटा जाए। जाहिर है कि चुनाव जल्दी कराने की आम आदमी पार्टी की मांग ने भाजपा को और भी चक्कर में डाल दिया है।

उसकी चुनाव जल्दी कराने में शायद ही कोई दिलचस्पी होगी, लेकिन चुनाव जल्दी कराए जाने का विरोध वह पार्टी कैसे कर सकती है, जो इसके दावे करती नहीं थकती है कि दिल्ली की जनता केजरीवाल की पार्टी से विश्वास उठ चुका है। बहरहाल, चुनाव जल्दी कराने के मुद्दे पर भाजपा, अपने हितों की रक्षा के लिए चुनाव आयोग पर भरोसा कर सकती है, जो वैसे भी केजरीवाल मनमुताबिक फैसला क्यों लेना चाहेगा? भाजपा के लिए इस मामले पर चुप लगाना ही काफी होगा। वैसे केजरीवाल ने भी विधानसभा भंग करने की सिफारिश नहीं करने और मंत्रिमंडल से जल्दी चुनाव कराए जाने का प्रस्ताव पारित नहीं कराने के जरिए, इसका इशारा कर दिया है कि वह भी जल्दी चुनाव की आम मांग को प्रचार के स्तर पर ही रखने जा रहे हैं, उससे आगे नहीं बढ़ाने जा रहे हैं।

अग्निपरीक्षा के जरिए अपना सत साबित करने का केजरीवाल का फैसला, एक राजनीतिक मास्टर स्ट्रोक साबित होता है या नहीं, इसका फैसला तो सबसे बढ़कर दिल्ली के चुनाव में होगा। लेकिन, केजरीवाल की गुगली ने भाजपा के लिए उसके खिलाफ अपने प्रचार की बैटिंग में रन बनाना, बहुत मुश्किल बना दिया है। दिल्ली शराब घोटाले के पूरे केस में कोई सचाई होने या नहीं होने से अलग, इससे इंकार करना मुश्किल है कि इस केस में एक के बाद एक, आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेताओं की गिरफ्तारी तथा लंबे अर्से तक उन्हें जेल में बंद रखे जाने का, आम तौर पर इस पार्टी की छवि पर और खासतौर पर उसकी भ्रष्टाचार-विरोधी योद्धा की छवि पर, कुछ न कुछ असर जरूर पड़ा है। याद रहे कि यही छवि, मध्यवर्ग के बीच आप पार्टी के समर्थन का मुख्य आधार है। इसके साथ, दस साल से अधिक के शासन से पैदा हुई लोगों की निराशाएं जुड़कर, आप पार्टी के चेहरे पर बदहवासी की न सही, चिंता की रेखाएं लाती ही थीं। केजरीवाल ने इस दांव से एक ही झटके में, इसी गिरावट को थामने की कोशिश की है।कहने की जरूरत नहीं है कि आम तौर पर आम चुनाव के और खासतौर दिल्ली की सात सीटों पर चुनाव के नतीजों से, आम आदमी पार्टी ने निश्चित रूप से सबक लिया होगा। उसने खासतौर पर इस तथ्य से सबक तो जरूर लिया होगा कि इन सीटों पर भाजपा के मत फीसद में पिछले आम चुनाव की तुलना में कमी के बावजूद और कांग्रेस तथा आप पार्टी के बीच पूर्ण चुनावी समझौता होने और अरविंद केजरीवाल के विशेष जमानत पर प्रचार के लिए छूटकर, चुनाव प्रचार करने के बावजूद, भाजपा सभी सात सीटों पर जीत दर्ज कराने में कामयाब रही। इससे साफ था कि केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा आप सरकार के रास्ते में बाधाएं खड़ी किए जाने से लेकर, आप नेताओं के साथ उसके अत्याचार तक की सारी शिकायतें भी, दिल्ली के मतदाताओं को पर्याप्त रूप से प्रभावित नहीं कर पा रही थीं। इस अपर्याप्तता ने ही केजरीवाल को इस्तीफे की गुगली फेंकने के लिए प्रेरित किया लगता है, ताकि केंद्र में सत्ता में बैठी भाजपा के खिलाफ अपनी आलोचनाओं को और तीखी धार दे सके।केजरीवाल की इस्तीफे की गुगली के पीछे एक और भी कारण है। दिल्ली में, जहां उप-राज्यपाल के जरिए, केंद्र सरकार ने निर्वाचित सरकार के हाथ-पांव पहले ही बहुत ज्यादा बांध दिए हैं, केजरीवाल की जमानत पर रिहाई के साथ लगायी गयीं राज्य सचिवालय नहीं जाने से लेकर किसी फाइल पर दस्तखत नहीं करने तक की शर्तें, व्यवहार में उनके लिए मुख्यमंत्री के रूप में काम करना ही बहुत कठिन बना देती थीं। ऐसे में चुनाव से चंद महीने पहले, लगातार उप-राज्यपाल से खींचतान में फंसी सरकार चलाने में उलझे रहने के मुकाबले में, केजरीवाल को यही ज्यादा फायदे का सौदा लगा होगा कि मुख्यमंत्री के पद पर अपने किसी ऐसे उत्तराधिकारी को बैठा दिया जाए, जिसके काम करने पर उतने बंधन नहीं होंगे और इसलिए चुनाव से पहले, दिल्लीवासियों के लिए हित के कुछ काम हो रहे होंगे। और खुद वह स्वतंत्रता के साथ जनता के बीच जाकर, भाजपा के विरुद्ध अभियान चलाने की स्थिति में होंगे।फिर भी, केजरीवाल के लिए यह गुगली फेकना भी कोई आसान नहीं था। सबसे बड़ी बात यह है कि आम आदमी पार्टी जिस तरह की चंद नेताओं पर ही केंद्रित पार्टी है, जिसके केंद्र में केजरीवाल हैं और जिसका वैचारिक आधार ज्यादा मजबूत नहीं है, संघ-भाजपा के बहुसंख्यकवादी सांप्रदायिक अभियान के सामने खासतौर पर वेध्य है। इस सब को देखते हुए चाहे अस्थायी रूप से ही हो, मुख्यमंत्री के पद के लिए अरविंद केजरीवाल के उत्तराधिकारी का चुनाव आसान नहीं है। भाजपा जिस तरह से साम-दाम-दंड-भेद, सभी हथियार लेकर, आप पार्टी तथा उसकी सरकार को कमजोर करने के लिए मौके की ताक में तैयार बैठी हुई है, उसके सामने तो यह और भी कठिन हो जाता है।झारखंड का उदाहरण सामने है। पहले गिरफ्तारी के जरिए, हेमंत सोरेन की सरकार को गिराने की कोशिश की गयी। जब यह कोशिश नाकाम रही और मुख्यमंत्री के पद पर हेमंत सोरेन वापस भी आ गए, तो उनकी जेलयात्रा के दौरान एवजीदार मुख्यमंत्री बनाए गए चंपई सोरेन को भाजपा ने तोड़ लिया। उनके सहारे एक अलग आदिवासी पार्टी खड़ी करने की कोशिश भी जब सिरे नहीं चढ़ी तो, उन्हें भाजपा में शामिल कर लिया गया। और अब खुद प्रधानमंत्री झारखंड में अपने चुनाव की घोषणा से पहले के चुनाव प्रचार में, भाजपा में नये-नये भर्ती किए गए चंपई सोरेन तथा सीता सोरेन के नाम का, झारखंड मुक्ति मोर्चा पर हमले के लिए इस्तेमाल करते देखे जा सकते हैं। अब जबकि केजरीवाल, जनमत की अग्निपरीक्षा में खरा उतरने के बाद, फिर से दिल्ली के मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने के हिसाब से चल रहे हैं, वह निश्चय ही झारखंड के घटनाक्रम की दिल्ली में पुनरावृत्ति नहीं चाहेंगे। अस्थायी उत्तराधिकारी के पद पर भी वह ऐसे उम्मीदवार को लाना चाहेंगे, जो निजी तौर पर उनके प्रति वफादार भी हो और ज्यादा स्वतंत्र होने की कोशिश भी नहीं करे।

बेशक, केजरीवाल की गुगली का जहां तक अगले महीने के शुरू में हरियाणा में होने जा रहे चुनाव पर असर पड़ेगा, भाजपा को इसका परोक्ष लाभ भी मिल सकता है। याद रहे कि भाजपा, कांग्रेस के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन के रूप में चुनाव लड़ने की संभावनाओं को पीठ दिखाकर, अब राज्य की सभी सीटों पर चुनाव लड़ रही है। बहरहाल, अरविंद केजरीवाल के अब खुद जोरदार तरीके से चुनाव प्रचार में जुटने का रास्ता खुल जाने के बावजूद, हरियाणा के चुनाव में आप पार्टी के बड़ा खिलाड़ी बनकर उभरने तो दूर, कोई खास असर डालने में समर्थ होने की भी संभावनाएं कम ही हैं। बहरहाल, दिल्ली में जरूर आम आदमी पार्टी, इस गुगली से भाजपा के खिलाफ और शेष विपक्ष के खिलाफ भी, अपने प्रचार को ज्यादा धारदार बनाने में और अपने जनाधार के छीजने को रोकने में कामयाब हो सकती है। लेकिन, यह तभी होगा जब केजरीवाल को सचमुच अपने मन मुताबिक खड़ाऊं मुख्यमंत्री मिल जाए।

संपादकीय

देश की बुनियाद पर प्रहार

महात्मा गांधी के आदर्शों पर चलते हुए अहिंसा की नीति को अपनाना, नेहरूजी की गुटनिरपेक्ष नीति और संविधान में कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका इन तीनों के बीच स्पष्ट कार्य विभाजन और एक-दूसरे की सीमाओं का सम्मान, ये कुछ ऐसी विशिष्ट बातें हैं, जिनके कारण भारत के लोकतंत्र की दुनिया में अलग पहचान बनी। आजादी के 75 साल बाद भी भारत का लोकतंत्र मजबूत बना हुआ है और इस पर हो रहे तमाम प्रहार विफल हुए हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यही है कि भारत को बनाने वालों ने दूरदृष्टि के साथ जो विचार भारत की जड़ों में रोपे थे वो अब मजबूती से लोकतंत्र की रक्षा कर रहे हैं। लेकिन मौजूदा केंद्र सरकार भारत की इस खासियत को चोट पहुंचाने में लगी है। बीते दिनों ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के घर गणपति पूजा में पहुंचे। विधायिका और कार्यपालिका से न्यायपालिका की एक सम्मानजनक दूरी होना चाहिए, लेकिन यहां वो दूरी मिटती दिखी।श्री मोदी के शासनकाल में देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई को राज्यसभा का सदस्य बनाया गया, पूर्व राष्ट्रपति को एक देश, एक चुनाव समिति का मुखिया बनाया गया। अब मुख्य न्यायाधीश के घर की निजी पूजा में प्रधानमंत्री के पहुंचने से कई किस्म के सवाल खड़े हुए, लेकिन भाजपा को इसमें कुछ गलत नजर नहीं आ रहा। भाजपा को शायद इस बात में भी कोई आपत्ति नहीं है कि देश के राष्ट्रीय मुख्य सलाहकार अजित डोभाल रूस के राष्ट्रपति के सामने बैठकर उन्हें श्री मोदी के यूक्रेन दौरे की जानकारी दे रहे हैं। अब तक देश के प्रधानमंत्री विदेश दौरे से लौटते हुए ही प्रेस को अपनी यात्रा के बारे में बताते थे, ताकि उनके जरिए देशवासियों को पता चले कि हमारे प्रधानमंत्री ने किस देश में जाकर, क्या काम किया, जो हमारे लिए लाभकारी है। इसके बाद देश लौटने पर प्रधानमंत्री राष्ट्रपति को अपनी यात्रा का ब्यौरा देते थे।लेकिन दूसरे देश के राष्ट्रपति को इस तरह जानकारी देने का अर्थ क्या यह है कि भारत ने अपनी गुटनिरपेक्ष नीति और स्वतंत्र विदेश नीति को छोड़ दिया है। क्या अब भारत की संप्रभुता को इस तरह दांव पर लगाया जाएगा। श्री मोदी को अब यह भी स्पष्ट कर देना चाहिए कि यूक्रेन जाने से पहले क्या उन्होंने रूसी राष्ट्रपति पुतिन की अनुमति भी ली थी। अगर यूक्रेन जाने का फैसला श्री मोदी ने संप्रभु राष्ट्र का मुखिया होने के नाते लिया था, तो अब कौन सी मजबूरी में उन्हें एनएसए को रूस भेजकर सफाई देनी पड़ी।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को यह भी बताना चाहिए कि विदेश मामलों में या दूसरे देशों पर कार्रवाई का फैसला अब उनके विदेश मंत्री, रक्षा मंत्री, केबिनेट इन सबकी सलाह से हो रहा है या भाजपा का कोई भी नेता इसके लिए बयान देने को अधिकृत है। क्योंकि त्रिपुरा में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने कहा है कि केवल %मुरली% से काम नहीं चलेगा, बल्कि सुरक्षा के लिए %सुदर्शन% भी आवश्यक है। इस बात का ध्यान रखना है कि विधर्मियों को अवसर नहीं देना है। बांग्लादेश जैसे स्थिति की पुनरावृत्ति यहां न होने पाए, इसके लिए ऐसी शक्तियों को हमें समाप्त करना है। हमें देश और धर्म को सुरक्षित रखना है। पाकिस्तान को मानवता का कैंसर और दुनिया का नासूर बताते हुए श्री योगी ने कहा जब तक पाकिस्तान का ऑपरेशन नहीं होगा, तब तक इलाज संभव नहीं है। पाकिस्तान का उपचार शुरू हो चुका है। अब पाक अधिकृत कश्मीर के लोग भारत में शामिल होना चाहते हैं। बलूचिस्तान भी पाकिस्तान से अलग होना चाहता है। क्या मोदी सरकार यह बता पाएगी कि उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री पीओके और बलूचिस्तान को लेकर जो दावे कर रहे हैं, उनकी सच्चाई क्या है और पाकिस्तान का उपचार करने का मतलब क्या है। क्या भारत ने शांति की नीति को नकार दिया है।

मुरली के साथ सुदर्शन की बात करके आदित्यनाथ योगी ने सीधे तौर पर हिंसक विचारों का समर्थन किया है और ऐसे विचार केवल पाकिस्तान के लिए ही प्रकट नहीं हो रहे हैं। देश में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को दी जा रही धमकियां बता रही हैं कि विपक्ष के नेताओं के साथ हिंसा के लिए उकसाया जा रहा है। महाराष्ट्र में शिवसेना शिंदे गुट के विधायक संजय गायकवाड़ ने ऐलान किया है कि राहुल गांधी की %जीभ काटने वाले% को 11 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। श्री गायकवाड़ ने राहुल गांधी के अमेरिका में आरक्षण पर दिए बयान के बाद यह ऐलान किया है। उन्हें आपत्ति है कि श्री गांधी ने आरक्षण खत्म करने की बात कही, हालांकि यह सरासर झूठी बात है, क्योंकि राहुल गांधी ने आरक्षण खत्म करने से साफ इंकार किया है।

लेकिन उनकी चर्चा के वीडियो के एक अंश को ही गलत तरीके से फैलाया गया है। संजय गायकवाड़ साफ तौर पर फेक न्यूज का शिकार बने हैं, लेकिन उससे भी बढ़कर वे हिंसक विचारों से ग्रसित दिखाई दे रहे हैं, तभी उन्होंने बर्बर सोच को प्रदर्शित किया है। राहुल गांधी के विचारों से विरोध होने पर उसका तार्किक जवाब दिया जा सकता है, लेकिन हिंसात्मक तरीके से बदले का विचार जाहिर करता है कि बीते 10-11 बरसों में देश में नफरत और हिंसा लोगों में कूट-कूट कर भरी गई है। इससे पहले भाजपा के पूर्व विधायक तरविंदर सिंह मारवाह ने राहुल गांधी का हश्र उनकी दादी की तरह होने की बात कही थी और भाजपा सांसद रवनीत सिंह बिट्टू ने तो राहुल गांधी को नंबर एक आतंकी ही कह दिया।

जम्मू-कश्मीर : भाजपा की नीतियों और समझौतों पर संशय

नई सरकार के स्वरूप के राजनीतिक के अलावा सांविधानिक कारण भी हैं। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन कानून के अनुसार विधानसभा की 90 सीटों पर सीधा चुनाव होगा। पांच विधायकों का मनोनयन उपराज्यपाल करेंगे। दो सीटें कश्मीरी विस्थापितों और एक सीट पीओजेके विस्थापित के लिए आरक्षित है। कश्मीरी विस्थापितों में एक सीट महिला के लिए आरक्षित रहेगी।

नए जम्मू-कश्मीर में दस साल बाद विधानसभा की 90 सीटों पर चुनावी गतिविधियां चरम पर हैं। अपनों की सरकार बनाने के लिए जम्मू के प्रवेश द्वार लखनपुर से कश्मीर के कंगन तक का अवाम उत्साहित है। नई सरकार में सुरक्षा, स्थिरता, समान विकास और समरसता ज्यादातर मतदाताओं का सपना है। सियासी दल इससे दबाव में हैं। सोच को साकार करने और सरोकार पूरा करने के लिए समीकरण साधे जा रहे हैं। सीमाएं समझते हुए संभावनाओं के हिसाब से कई खुले और गुप्त समझौते हो चुके हैं। एक ही विचारधारा के संगठनों में सहमति बन रही है। बावजूद इसके घोषित-अघोषित गठबंधन अपने-अपने हित में बहुमत की सरकार चाहते हैं। फिर भी नई सरकार के स्वरूप, केंद्र से समन्वय, संतुलन, स्थिरता और स्थानीय स्तर की स्वायत्तता को लेकर संशय हैं। संकल्पों, गारंटियों और घोषणाओं को पूरा करने के लिए सीमित संसाधन जहां सावधान करते हुए आने वाले दौर की समस्याओं का इशारा कर रहे हैं, वहीं पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 हटाने से समाप्त पूर्ण राज्य के दर्जे की वापसी के केंद्र सरकार के आश्वासन पर क्रियान्वयन के सही समय का सवाल भी सहज और स्वाभाविक है।

भाजपा ने संकल्प के रूप में 25 सरोकार बताए हैं। इनमें पांच लाख नौकरियां, विद्यार्थियों को लैपटॉप, यात्रा के लिए तीन हजार रुपये और कोचिंग के लिए 10 हजार रुपये देने के अलावा मेडिकल कॉलेजों में एक हजार सीटें बढ़ाने का मंतव्य बेरोजगारी की समस्या पर ध्यान खींचता है। साथ ही मुफ्त पानी और बिजली के अलावा गरीबों को पांच मरला (125 गज) जमीन मुफ्त देने के अलावा किसानों को 10 हजार रुपये देने का वादा भी लुभावना है। वादों की आड़ में बड़े-बड़े दावे भी किए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि अनुच्छेद 370 खत्म होने के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) पर दावा मजबूत किया गया है। यहां भुलाने की कोशिश की गई कि 22 फरवरी, 1994 को पीवी नरसिंह राव की सरकार में संसद में पीओके को भारत का अभिन्न अंग बनाने का सर्वसम्मत संकल्प पारित किया गया था, जिसे 30 साल हो चुके हैं। इसी क्रम में जम्मू से कश्मीर का सफर 14 घंटे से चार घंटे में बताया जा रहा है। तथ्य यह कि सड़क मार्ग से जम्मू से

श्रीनगर पहुंचने में पहले आठ घंटे लगते थे। अब यह यात्रा लगभग पांच घंटे में पूरी हो रही है।

इंडिया गठबंधन के घटक नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस का चुनाव पूर्व गठबंधन है। दोनों के क्रमशः 51 और 32 उम्मीदवार मैदान में हैं। नेकां के घोषणापत्र में अनुच्छेद 370 और 35 की बहाली के साथ पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल कराने समेत 12 गारंटियां हैं। राजनीतिक कैदियों की रिहाई, जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) निरस्त करने, छह महीन में एक लाख नौकरियां देने और भारत-पाकिस्तान के बीच बातचीत की पहल करने की बात कही गई है। महत्वपूर्ण बात यह भी कि यदि केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल नहीं किया तो सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।जानना जरूरी है कि अनुच्छेद 370 हटाने से संबंधित याचिकाओं की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने भी राज्य का दर्जा छीनने पर सवाल उठाए थे। शीर्ष अदालत ने ही 30 सितंबर तक चुनाव कराने का निर्देश दिया था। कांग्रेस की गारंटियों में पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाना तो है ही, एक लाख खाली सरकारी पद भरने, हर नागरिक का 25 लाख रुपये तक के स्वास्थ्य बीमा के अलावा कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास के लिए पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की योजना को आगे बढ़ाने का वादा है। 2014 के बाद भाजपा के साथ सरकार बना चुकी पीडीपी ने 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, पानी पर टैक्स खत्म करने, गरीबों को रसोई गैस के 12 सिलेंडर देने की घोषणा की है।जाहिर है कि नई सरकारों के लिए अपने वादों को अमली जामा पहनाने के लिए बड़ी धनराशि की जरूरत होगी। केंद्र शासित प्रदेश के संसाधन सीमित हैं। जम्मू-कश्मीर में आर्थिक स्थिति बेहतर बनाने के सरकार के दावे के उलट यहां देनदारियां बढ़ी हैं। संसद द्वारा स्वीकृत 2024-2025 के बजट में बताया गया है कि केंद्र शासित प्रदेश की देनदारियां 2019-2020 में 83,573 करोड़ रुपये से बढ़कर 2022-23 में 1,12,797 करोड़ रुपये हो गई हैं। 2020-2021 में देनदारियां 92,953 करोड़ रुपये थीं, जो 2021-2022 में 1,01,462 करोड़ रुपये और 2022-2023 में 1,12,797 करोड़ रुपये तक पहुंच गईं। हालांकि जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा प्रदेश के कर्ज मुक्त होने का दावा कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि कर्ज और सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के बीच उचित अनुपात बना हुआ है। दूसरी ओर जानकार मानते हैं कि नई सरकार बनने के बाद होने वाले खर्च से सरकारी खजाने पर अचानक बोझ बढ़ेगा और आमदनी के साधन इसी तरह से नहीं बढ़ाए जा सकेंगे, क्योंकि लोकप्रियता के लिए सरकारें कर्ज लेने से परहेज नहीं करतीं हैं।नई सरकार के स्वरूप के राजनीतिक के अलावा सांविधानिक कारण भी हैं। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन कानून के अनुसार विधानसभा की 90 सीटों पर सीधा चुनाव होगा। पांच विधायकों का मनोनयन उपराज्यपाल करेंगे। दो सीटें कश्मीरी विस्थापितों और एक सीट पीओजेके विस्थापित के लिए आरक्षित है। कश्मीरी विस्थापितों में एक सीट महिला के लिए आरक्षित रहेगी। इसके अतिरिक्त सदन में उचित प्रतिनिधित्व नहीं होने पर दो और सीटों पर महिलाओं को मनोनीत किया जाएगा। मुख्य संशय दिल्ली और पुडुचेरी मॉडल को लेकर है।

दिल्ली में विधानसभा की 70 सीटें हैं। मनोनयन नहीं होता। पुडुचेरी में 30 सीटों पर चुनाव जबकि तीन सदस्य मनोनीत होते हैं। केंद्र शासित प्रदेशों में प्रशासन का उल्लेख संविधान के अनुच्छेद 239 में है। 239ए के अनुसार विधानमंडल सर्वोच्च है। सदन उपराज्यपाल से ऊपर है। हालांकि मद्रास उच्च न्यायालय व्यवस्था दे चुका है कि एलजी सदन में पारित विधेयकों को रोक सकते हैं। दिल्ली में 239एए के प्रावधान लागू होते हैं। दोनों केंद्र शासित प्रदेशों में सरकार के लिए वित्तीय मामलों, टैक्स लगाने, छूट देने, बदलने बगैरह में उपराज्यपाल की सहमति आवश्यक होती है। जुलाई में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पुनर्गठन कानून की धारा 55 में संशोधित नियमों को अधिसूचित किया था। इसमें उप राज्यपाल को विस्तारित शक्तियां देने वाली नई धाराएं जोड़ी गई हैं। इसके बाद राजनीतिक हल्कों में अटकलें लगीं कि पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने में देर लगेगी।यही नहीं, सुप्रीम कोर्ट से जमानत पाने वाले बारामुला के निर्दलीय सांसद इंजीनियर रशीद ने अपनी अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) और प्रतिबंधित होने के कारण निर्दलीय चुनाव लड़ रही जमात-ए-इस्लामी के साथ तालमेल कर लिया है। पहले चरण की 24 सीटों पर मतदान के ठीक पहले हुए इस समझौते को नए समीकरणों का संकेत माना जा रहा है। राष्ट्रवादी इसे संदेह की दृष्टि से देख रहे हैं। चुनाव के पहले रशीद की रिहाई केंद्र सरकार से उनके सहयोग के भरोसे का नतीजा माना जा रहा है। नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी को अपने प्रभाव क्षेत्र वाले इलाकों में मात देने की नीयत से चाल चली गई है। एआईपी कश्मीर घाटी की 35 सीटों पर चुनाव लड़ रही है।लोकसभा चुनाव में रशीद ने 18 में से 14 विधानसभा क्षेत्रों में जीत हासिल की थी। अनजान सी पार्टी के इतनी सीटों पर उम्मीदवार उतारने से आश्चर्य है। कहा जा रहा है कि 2014 में पीडीपी की तरह ही 2024 में एआईपी-जमात गठबंधन से भाजपा का चुनाव पश्चात समझौता संभव है। घाटी की 47 में से 28 सीटों को खाली छोड़कर भाजपा ने इस संभावना के सशक्त होने का संदेश दिया है। अल्पमत से बचने और बहुमत की सरकार बनाने के लिए भाजपा 62 सीटों पर लड़ कर 50 सीटें जीतने पर जोर लगा रही है।

बच्चों, मछली जल की रानी है, जीवन उसका पानी है.. ये कविता की पंक्तियां हैं और तुम भी इसे गाते होगे। लेकिन मछली की दुनिया के बारे में तुम कितना जानते हो, जैसे वो क्या खाती है, कैसे बोलती है, ठंड में क्या करती है आदि। आज हम तुम्हें इन्हीं के बारे में बता रहे हैं...

मछली पानी में करती क्या हो?

हमेशा तैरती रहने वाली ये मछलियां सचमुच कितनी गजब की होती होंगी न। सोचो जब कभी तुम स्विमिंग के लिए जाते हो, कितनी हिदायतें मिलती हैं न बड़ों से। सावधानी से तैरना, पानी में कांटेदार पौधे होते हैं, जहरीले जंतु व पत्थरों से भी खुद को बचाना। पर क्या कभी सोचा है उस जल की रानी यानी मछली रानी के बारे में, जो अपनी जिंदगी उसी अथाह पानी में गोते लगाते और तैरते हुए काटती है। उसे तो कोई नहीं समझाता और न हिदायतें देता है।

कैसी-कैसी मछलियां

जॉलेस यानी जबड़ा विहीन मछलियां, जैसे हैग फिश और लैंप्रेस
कार्टिलेजिनस फिश, जैसे- शार्क, स्केट्स और रेज
बोनी फिशेज, जैसे- टूना, ईल और ट्राउट
प्रत्येक वर्ष 200 या 300 नयी मछलियों की खोज होती है और उनके नाम रखे जाते हैं। ये मछलियां विभिन्न आकार की होती हैं। सबसे छोटी मछली का नाम स्टाउट है। यह करीब 7 मि.मी. लंबाई वाली है। वहीं व्हेल, शार्क 12 मीटर की लंबाई तक बढ़ सकती हैं।

ऐसे बचाती हैं खुद को

इनके शरीर पर स्केल्स होते हैं, जो एक लेयर बनाते हैं और इनके लिए सुरक्षा कवच का काम करते हैं। ये लेयर मछलियों के लाइफस्टाइल के अनुसार बनते हैं। उदाहरण के लिए जो मछलियां तटीय स्थानों पर रहती हैं उनके शरीर पर यह सख्त होता है। जो गहरे पानी में रहती हैं, उनका इतना सख्त कवच नहीं होता। इन स्केल्स पर म्यूकस का कवर भी होता है, जो इनकी त्वचा को स्लिपरी बनाकर और सुरक्षित करता है।

कितनी लंबी होती है जिंदगी

कुछ मछलियों का जीवन बस कुछ हफ्तों के लिए होता है, वहीं कुछ 50 साल तक जीती हैं।

कैसे सांस लेती हैं ये...

सभी को जीवित रहने के लिए ऑक्सीजन की जरूरत होती है। मछलियों के पास विशेष अंग यानी गिल्स इसीलिए होते हैं। ये उनके सिर के दोनों ओर पाए जाते हैं। मछलियां पानी के अंदर सांस लेने के लिए मुंह को खोलती हैं और गिल्स की तरफ पंप कर देती हैं। इसके बाद ये गिल्स में उपस्थित मेंमब्रेन की मदद से पानी में उपस्थित ऑक्सीजन को सोख लेती हैं। इसके बाद गिल्स खुलने से ये पानी बाहर आ जाता है।

कैसे जानोगे इनकी उम्र

इनके स्केल्स पर बने ग्रोथ रिंग्स को वैज्ञानिक देखते हैं और इनकी उम्र का पता लगाते हैं।

सर्दियों में क्या करती हैं...

ठंड और पानी में.. ना बाबा ना
न ये तुम्हारी तरह गर्म कपड़ों से खुद को बचाती हैं और न पानी से निकलकर कहीं गर्म स्थान पर जा सकती हैं।
दरअसल, मछलियां कोल्ड ब्लडेड जीव होती हैं अर्थात् इनका शरीर आसपास के तापमान के अनुसार अपने आपको ढाल लेता है। सर्दियों में इनकी दुनिया धीमी गति से चलती है। जैसे ही तापमान कम होता है, वैसे ही इनकी एक्टिविटी भी धीमी हो जाती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि अधिकांश मछलियों की जिंदगी निष्क्रिय सी हो जाती है। ये अपना घर उस स्थान पर बनाती हैं, जहां का पानी कम तापमान में बर्फ न बनता हो यानी पत्थरों के पीछे या गहरे तालाब में। अधिकतर मछलियां सर्दी के मौसम में पानी के अंदर गर्म स्थान खोजती हैं, जबकि ट्राउट और साल्मन मछलियां तो शीत ऋतु में भी सक्रिय होती हैं और रहने के लिए भी ठंडी जगह खोजती हैं। वैसे बसंत समय आते ही सभी मछलियों की जिंदगी फिर से स्वाभाविक रूप से चलने लगती है।

बोलो मछली कितना पानी

पहले लोग समझते थे कि ये मछलियां बोलना नहीं जानतीं। पर जब पानी के अंदर आवाज खोजने वाली मशीन खोजी गई तब पता चला कि ये कितना गिटर-पिटर करती हैं। क्रोकर नाम की एक मछली होती है, जो बिल्कुल कछुए की भांति आवाज निकालती है। यानी सभी मछलियां आपस में बात करती हैं। कुछ तो बिल्कुल विस्फोट सी आवाज निकालती हैं। ये आवाज तब निकलती है, जब वे मछुआरे की जाल में फंस जाती हैं। होता यह है कि इनके पास एक छोटा सा स्विम ब्लाडर होता है, जिसमें गैस भरी होती है ताकि वे आसानी से तैर सकें और आराम करने के समय वे इस ब्लाडर के आकार को अपने अनुरूप ढाल लेती हैं। लेकिन जब अचानक से मछुआरे के जाल में फंसती हैं, तब उनके पास इतना समय नहीं होता कि वे उस गैस को बाहर कर दें। जैसे ही वे पानी के बाहर आती हैं, उनका ब्लाडर फट जाता है और विस्फोट सी आवाज होती है।

विशालकाय मछलियां

समुद्र में रहने वाले प्राणियों में व्हेल एक विशाल मछली है। इसकी स्पर्म व्हेल, किलर व्हेल, पायलट व्हेल, बेलुगा व्हेल आदि प्रजातियां होती हैं। ब्लू व्हेल इनमें सर्वाधिक विशालकाय होती है। इसकी लंबाई 115 फुट और वजन 150 से 170 टन तक होता है, जबकि कुछ व्हेल 11 फुट की भी होती हैं। समुद्र में 5 करोड़ वर्ष पूर्व व्हेल अस्तित्व में आई। इसकी गर्दन बहुत लचीली होती है, जो तैरते वक्त गोल घूम सकती है। यह ब्लोहोल्स से सांस लेती है। बैलीन व्हेल के दो ब्लोहोल्स होते हैं, जबकि दांत वाली व्हेल के एक ब्लोहोल होता है। यह उनके सिर के ऊपरी हिस्से में होते हैं। जब ब्लोहोल्स से व्हेल सांस लेती है तो उसके साथ काफी मात्रा में पानी भी उसके फेफड़ों में जमा हो जाता है, जिसे बाद में फव्वारे के रूप में वापस बाहर कर देती है। व्हेल भी आराम करती है। बाकी सभी जानवर तो सो सकते हैं, लेकिन व्हेल कभी भी लंबे समय तक नहीं सोती। इसके शरीर का आकार इस तरह गोल होता है कि यदि यह सो जाए तो डूबकर मर जाती है। केवल इसका मस्तिष्क कुछ समय के लिए सोता है। व्हेल अपने दूसरे साथियों से संपर्क करते समय एक मधुर ध्वनि निकालती हैं, जिसे व्हेल सॉन्ग कहा जाता है।

सूंघकर पहचान लेती है सेलमन

कुछ समय पहले ग्लासगो यूनिवर्सिटी के विज्ञानियों ने यह दावा किया है कि सेलमन फिश के अंदर गजब की सूंघने की शक्ति होती है। वह सूंघकर यह जान सकती है कि सामने वाला उसके परिवार का हिस्सा है या कोई दूसरा। इसके लिए विज्ञानी, दो परिवारों की 44 सेलमन फिश लाए और उन्हें कई वॉटर टैंक्स में डाल दिया। दोनों ही टैंकों में दोनों परिवारों की मछलियां थीं। उस समय यह पाया कि मछलियां इतनी तेजी से एक-दूसरे को सूंघ रही थीं कि टैंक में अधिक से अधिक पानी का सर्कुलेशन हो रहा था।

चौंक गए ना?

- कुछ फ्लैटफिश समुद्री तल पर खुद को छिपाने के लिए छद्म आवरण बना लेती हैं।
- टूना मछली 70 कि.मी. प्रति घंटे की रफ्तार से तैरती है।
- क्लीनर फिश दूसरी मछलियों के आसपास मौजूद परजीवों व उनके स्केल्स पर मौजूद डेड स्किन को नष्ट कर देती हैं।
- जेलीफिश व क्रेफिश के नाम से इसे मछली कभी मत समझना। नाम जरूर फिश है, पर ये असल में मछली नहीं।
- मर्मेड यानी जलपरियों का नाम तुमने काफी कहानियों में सुना होगा, जिनकी पूंछ मछली की तरह होती है, लेकिन ऊपरी हिस्सा युवती वाला होता है और ये पानी में रहती हैं।
- सभी मछलियों के पास रीढ़ की हड्डी यानी बैकबोन होती है, तभी वे वर्टिब्रेट (कशेरुकी) जन्तु कहलाती हैं।
- अपने गिल्स यानी गलफड़े का प्रयोग कर वे सांस भी लेती हैं।
- इनके पास एक जोड़ी पंख होते हैं, जिन्हें फिन्स के नाम से जानते हैं। ये पंख तैराकी में इनकी मदद करते हैं। साथ ही इनके शरीर का आकार भी तैराकी के अनुकूल ही होता है।
- पानी में पाए जाने वाले सभी जानवर मछली नहीं होते। जेलीफिश, स्टारफिश और ऑक्टोपस इनवर्टिब्रेट्स हैं यानी इनके पास रीढ़ की हड्डी नहीं होती और न ही ये मछली की प्रजाति में आती हैं।
- दक्षिणी कैरोलिना के तटीय क्षेत्र में एक मरीन साइंस इंस्ट्रक्टर को 5.5 मीटर यानी कि 18 फुट लंबी मछली का कंकाल मिला है। यह इलाका कैटालिना द्वीप के करीब है। यह ओरफिश का कंकाल है।

तैयारी तभी जब सेहत सही

बोर्ड परीक्षा आने वाली है। सभी छात्र अपनी पढ़ाई में व्यस्त हैं। न दिन का पता चल पाता है, न रात का, बस सुबह-शाम पढ़ाई-पढ़ाई। अच्छे मार्क्स की चाह में एक्सरसाइज करना तो दूर, खाना-पीना भी ठीक से नहीं हो पा रहा। और तो और, जो थोड़ा बहुत समय मिल जाता है, उसमें या तो टीवी देखते हैं या फिर फोन पर दोस्तों से बात करने में व्यस्त हो जाते हैं।

ऐसे में वे अपनी सेहत को पूरी तरह नजरअंदाज कर देते हैं और ये लापरवाही कई मानसिक और शारीरिक परेशानियां को जन्म देने लगती है और इसका बुरा असर हमें परीक्षा के दौरान दिखता है। हर वक्त थके-थके से रहते हैं, हमें पढ़ी हुई चीज याद नहीं रहती, हम साइंस और मैथ्स के फॉरमूलों में उलझ जाते हैं और तीन घंटे लगातार लिखते रहने से हाथ में दर्द हो जाता है। ऐसे में क्या करें?

इन चीजों को खाने में करें शामिल

- विटामिन बी और आयरन (पालक, मेवे, टमाटर, अंडा, तोफू आदि) पढ़ाई के दौरान आपकी शारीरिक और मानसिक ऊर्जा को बनाए रखने में मदद करता है।
- दिमागी रूप से एक्टिव रहने के लिए दही, अंडा, मेवे आदि प्रोटीनयुक्त चीजें खाएं।

क्या हो खाने का शेड्यूल

ब्रेकफास्ट - शोध बताते हैं कि अगर हम सुबह का नाश्ता सही तरीके से करते हैं तो हमारी एकाग्रता और स्मरण शक्ति विकसित होती है। नाश्ते में छिलके वाले अनाज के साथ टोन्डदूध, अंडा, टोस्ट-जैम, दलिया, ओटमील, अखरोट या फिर ताजे फल लें। इसके अलावा दही, अंडे या उबले बीन्स लें। ये चीजें सोचने और स्मरण करने की क्षमता बढ़ाती हैं।
लंच - प्रोटीनयुक्त हल्का भोजन लें। पेट ज्यादा भरा रहने से हमारी सारी ऊर्जा दिमाग को चुस्त रखने की बजाय खाने को पचाने में खर्च करती है, साथ ही गलत समय पर नींद आने लगती है। शाम का नाश्ता या स्नैक्स कार्बोहाइड्रेट दिमाग के लिए ईंधन की तरह काम करता है, इसलिए शकरकंद, मेवों से शाम का नाश्ता लें।
डिनर - सोने से पहले गर्म दूध या हर्बल टी लें।

फिजिकल एक्टिविटी भी है जरूरी

एक्सरसाइज - एक्सरसाइज तनाव को दूर कर आपको दिन भर ऊर्जा से भरती है और शरीर को जल्दी थकने नहीं देती। इसलिए कम से कम 30 मिनट तक एक्सरसाइज करें जैसे रस्सी कूदना, स्ट्रेचिंग आदि। स्ट्रेचिंग हमारे दिमाग, गर्दन और कंधों को खून पहुंचाती है।
भरपूर नींद लें - कम से कम 6 घंटे की नींद आपके दिमाग औरशरीर को पूरा आराम देती है।
रिलैक्स करें - अपने दिमाग को आराम देने के लिए पढ़ाई के बीच-बीच में ब्रेक लें और रिलैक्स करें। इसके लिए आप ताजी हवा में थोड़ी देर तक टहल सकते हैं, मेडिटेशन कर सकते हैं, गहरी सांस ले सकते हैं, लाइट म्युजिक सुन सकते हैंया फिर गर्म पानी से नहा सकते हैं।

क्या करें

- कई छात्रों को पढ़ाई के दौरान सिर में दर्द हो जाता है, इसलिए बेहतर होगा कि वह ढेर सारा पानी पीते रहें।
- ऐसी जगह पर पढ़ाई करें, जहां बाहर से काफी मात्रा में हवा आती हो।
- जो छात्र चश्मा या कॉन्टेक्ट लेंस पहनते हैं, वे अपनी आंखों का विशेष ख्याल रखें, बीच-बीच में आराम करें।
- पढ़ते समय पॉस्चर सही रखें। ध्यान रहे कि पढ़ाई करते वक्त आपकी कुर्सी आरामदेह हो और पीठ को सही सपोर्ट मिल सके।

क्या न करें

- अपने डेस्क पर खाना न खाएं। अपने परिवार के साथ ही मिल कर भोजन करें। ऐसा करने से हमें परिवार की मॉरल सपोर्ट मिलती है, जिसका सकारात्मक असर पढ़ाई पर पड़ता है।
- पढ़ते वक्त आगे झुक कर न बैठें।
- तनाव में न रहें। इससे आपके पाचन तंत्र पर बुरा असर पड़ता है।

आजमा कर देखें
सेहत के लिए असरदार दवा है म्यूजिक थेरेपी

कल्पना कीजिए... सुबह-सुबह का समय... पक्षियों की चहचहाहट और हवा की मधुर सरसराहट के बीच आप भी बगीचे में ध्यान लगा रहे हैं, अपनी सांसों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं... निश्चित ही यह एक सुखद अहसास है। यकीनन यह संगीत की ताकत है। वैसे भी कहा गया है कि संगीत मधुरता के साथ भावनाएं व्यक्त करने का ऐसा माध्यम है, जो सीधा आत्मा को छूता है। संगीत को हमेशा से मानसिक स्वास्थ्य से जोड़ा गया है। संगीत इंसान को खुश, दुखी या तनावपूर्ण बना सकता है। इसीलिए कोई आश्चर्य नहीं कि प्राचीन समय से संगीत को एक मरहम के रूप में प्रयुक्त किया गया है। यहां तक कि मेडिसिन के जनक कहे जाने वाले हिप्पोक्रेट्स भी विभिन्न बीमारियों में म्यूजिक थेरेपी का इस्तेमाल करते थे। समय के साथ विज्ञान और तकनीक का विकास हुआ और आज इंसान के पास इस बात के पुख्ता प्रमाण हैं कि म्यूजिक एक असरदार दवा के रूप में काम कर सकता है। जानिए म्यूजिक थेरेपी के बारे में –

मैजिक ऑफ म्यूजिक

म्यूजिक वास्तव में विभिन्न वाइब्रेशन्स की सीरीज है, जो साउंड क्रिएट करते हैं। चूंकि शरीर इन वाइब्रेशन्स को ग्रहण करता है, इसलिए इससे कई शारीरिक बदलाव भी होते हैं। म्यूजिक के प्रकार पर निर्भर करते हुए ये बदलाव अच्छे या बुरे हो सकते हैं। जहां शांत संगीत तनाव घटाता है और बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ाता है, वहीं ज्यादा शोर वाला संगीत लोगों को गुस्सैल बनाता है और आत्महत्या वाले विचार पैदा करता है। हालांकि संगीत के शरीर पर होने वाले असर का अब तक अध्ययन जारी है।

बच्चों में अलर्ट रहने की आदत बढ़ी

संगीत के असर को समझने के लिए बेथ इजराइल मेडिकल सेंटर के लुईस आर्मस्ट्रॉन्ग सेंटर ऑफ म्यूजिक एंड मेडिसिन में एक रिसर्च की गई। इसमें 32 हफ्तों वाले 272 प्री-मैच्योर नवजात शिशुओं को शामिल किया गया। वैज्ञानिकों ने पाया कि इन नवजात शिशुओं को जब किसी भी रूप में संगीत (गाना या इंस्ट्रूमेंटल) सुनाया गया तो उनकी हार्ट रेट धीमी पड़ गई। इसमें भी गाने के बोल वाला संगीत ज्यादा असरदार रहा। इससे बच्चों के शांत, लेकिन अलर्ट रहने की आदत भी बढ़ी। इसी स्टडी के लेखक जोनन लोवी के मुताबिक, म्यूजिक थेरेपी से माता-पिता का तनाव भी कम हुआ है।

मानसिक स्वास्थ्य और कैंसर के मैनेजमेंट में भी सहायक है संगीत

मनोवैज्ञानिक डेनियल जे. लेविटिन कहते हैं, कि आजकल शारीरिक बीमारियों के इलाज के लिए गाने, ध्वनि और लय का बेहतर उपयोग किया जाने लगा है। यह न केवल नवजात शिशुओं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य और कैंसर के मैनेजमेंट में भी सहायक है। डेनियल के अनुसार कि हमें इस बात के पुख्ता प्रमाण मिल चुके हैं कि ऑपरेशन थिएटर से लेकर फैमिली क्लीनिक तक में म्यूजिक हेल्थ-केयर की भूमिका निभा सकता है। उन्होंने अपनी एक किताब में विस्तार से बताया है कि किसी तरह संगीत सेहत को प्रभावित करता है।

क्या है म्यूजिक थेरेपी?

जब कोई मान्यता प्राप्त म्यूजिक थेरेपिस्ट अपने विभिन्न प्रकार के म्यूजिक की मदद से इंसान को उसकी परेशानी या बीमारी से उबरने में सहायता करता है तो इसे म्यूजिक थेरेपी कहते हैं। म्यूजिक थेरेपिस्ट इस बात का गहरा जानकार होता है कि किस तरह संगीत लोगों में भावनात्मक प्रतिक्रियाएं पैदा कर उन्हें आराम और सुकून पहुंचा सकता है। म्यूजिक थेरेपिस्ट, इंसान की बीमारी के हिसाब से उस म्यूजिकल स्टाइल का पता लगाता है, जो मरीज को ध्यान की अवस्था में पहुंचा सके और उसके लिए फिजिकल रिहेब सेशन के रूप में काम कर सके। म्यूजिक थेरेपिस्ट पता लगा लेते हैं कि मरीज को किस तरह का म्यूजिक पसंद है। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल की मैग्जीन हार्वर्ड हेल्थ पब्लिशिंग में एक म्यूजिक थेरेपिस्ट हॉली चार्टेंड का जिक्र है। ये हार्वर्ड से संबद्ध मैसेचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल में म्यूजिक थेरेपिस्ट हैं। उन्होंने सबसे पहले एक सिंगर को तैयार किया। वह एक महिला थी, जिसके मन में म्यूजिक की मदद से दूसरों की मदद करने का विचार आया और उसने म्यूजिक थेरेपिस्ट बनने का ठान लिया। वह कहती हैं कि मेरे काम का सबसे अच्छा पक्ष यह देखना है कि जो शख्स अच्छा महसूस नहीं कर रहा है, संगीत उसकी जिंदगी में कितना बड़ा असर डाल सकता है। अमेरिकन जर्नल ऑफ होस्पाइस एंड पालिएटिव मेडिसिन मैग्जीन में लिखा है कि म्यूजिक थेरेपी से तनाव घटता है, मरीज रिलेक्स महसूस करता है, उसे दर्द से मुक्ति मिलती है, इमोशनल सपोर्ट मिलता है और अच्छा महसूस होता है। इस अध्ययन में 57 मरीजों और 53 परिजन को म्यूजिक थेरेपी दी गई थी। मरीजों ने बताया कि उन्हें तनाव और दर्द से मुक्ति मिली है। इस तरह म्यूजिक जिंदगी की गुणवत्ता तो बढ़ाता ही है, बीमारी और अन्य विकार से उबरने में भी सहायक है।

संगीत सुनने से एंटीबॉडी इम्युनोग्लोबुलिन ए का बनना हो जाता है तेज

अनुसंधानकर्ताओं ने पाया है कि संगीत सुनने से शरीर में एंटीबॉडी इम्युनोग्लोबुलिन ए (आईजीए) का बनना तेज हो जाता है। साथ ही मारक क्षमता रखने वाली सेल्स (कोशिका) बढ़ जाती है। इन सेल्स का काम विभिन्न वायरस के हमलों से रक्षा करना और रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना है। इसके साथ ही म्यूजिक तनाव तो कम करता ही है। यही कारण है कि म्यूजिक का संबंध रिलेक्सेशन से है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 2591

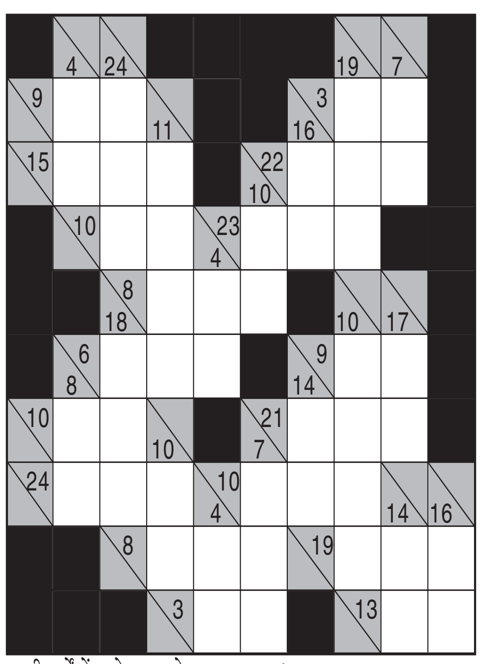

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

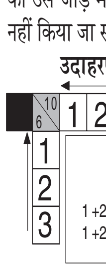

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2590 का हल

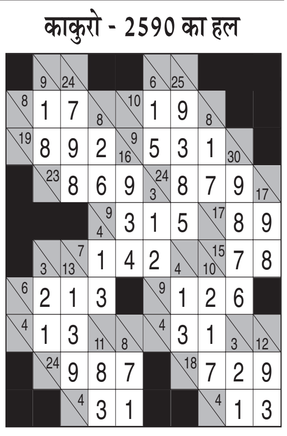

लॉफिंग ज़ोन

रामलाल बहुत घबराया हुआ थाने पहुंचा. थानेदार ने जब घबराहट का कारण पूछा तो वह बोला, 'मेरी पत्नी मायके गई हुई है.'

मैं आज सुबह जब सो कर उठा तो देखा मेरे कमरे की अलमारी खुली थी. मेरा कीमती सामान व रूपए चोरी हो चुके थे. सब कुछ अस्त-व्यस्त था, 'संदूक टूटे हुए मिले. मेरे तो हाथों के तोते ही उड़ गए.'

थानेदार ने कलम उठाई और तुरंत बोला, 'कुल कितने तोते थे.'

☺ ☺ ☺

मीना (सीमा से) - तुम्हें नहीं लगता कि लगातार नीद की गोलियां खाने से इनकी आदत पड़ जाती है.

सीमा - बिल्कुल नहीं, मैं तो पिछले आठ साल से खा रही हूं. मुझे तो इनकी आदत नहीं पड़ी?

☺ ☺ ☺

प्रेमिका (प्रेमी से) - तुम जल्दी से बताओ कि मुझसे शादी करोगे कि नहीं?

प्रेमी (प्रेमिका से) - मैं इतनी जल्दी कुछ नहीं कह सकता.

प्रेमिका (प्रेमी से) - मुझे अभी जवाब चाहिए, क्योंकि आज ही मुझे औरों से भी यही सवाल करना है.

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2591

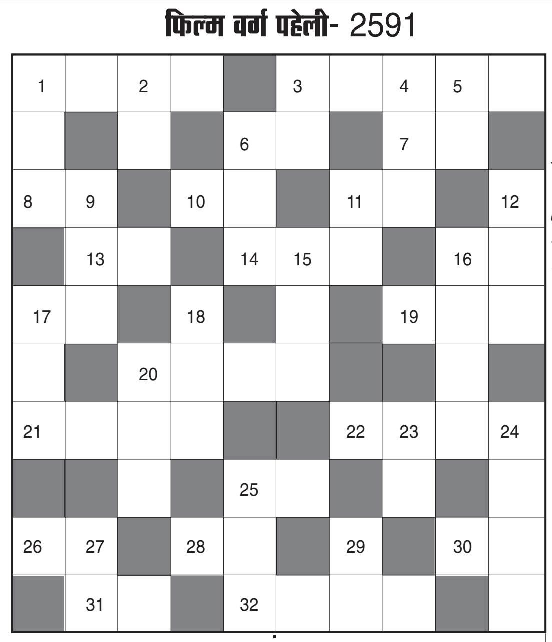

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, जूही की 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'इस दीवाने लड़के' गीत वाली नसीर, आमिर, सोनाली की फिल्म-५
६. गोविंदा, नीलम की 'मैं तो हूँ सबका मेरा ना कोई' गीत वाली फिल्म-२
७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. 'वाटर' के निर्देशिका कौन हैं-२
१०. अमिताभ, फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-२
११. श्रेयस तलपदे, आयशा की 'ये हौसला कैसे झुके' गीत वाली फिल्म-२
१३. अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो मारिया, बिपाशा की फिल्म-२
१७. अमिताभ, अजय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा नीली' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल के किरदार का नाम था-३
२०. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
२१. 'दुनिया ने सुन ली है चुपके से' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, नीतूसिंह की 'कोई रोको ना दीवाने को' गीत वाली फिल्म-४
२५. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२६. राजेश खन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना गुमान' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
३०. 'ऐ लो प्यार के दिन' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना की फिल्म-२
३१. संजय, कुमार गौरव, पूनम 'अमीरों की शाम गरीबों' गीतवाली फिल्म-२
३२. 'फिर से आये बदरा' गीत वाली संजीव, शर्मिला, वहीदा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-३
२. 'मैं शायर तो नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'तू मेरे पास भी' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-२
४. अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
५. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म-२
६. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, बबीता की 'दांतों तले दबा कर होंठ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'अंबर हमारा रास्ता' गीत वाली अरूण, रघुवरन, बेबी शामली, श्रुति की फिल्म-३
१५. कमल हासन, शाहरूख, रानी की 'चाहे पंडित हो' गीत वाली फिल्म-१,२
१६. 'मेरे संग संग आया' गीत वाली धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, विनोद, हेमा की फिल्म-४
१७. शॉवरअली, ब्रजेश हीरजी, जूही, शिल्पा की 'मेरा मन भँवरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. प्रेमनाथ, बीना राय की फिल्म-३
२०. राजेश, फिरोजखान, शार्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
२५. 'सावन का महीना पवन करे' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मुझ से दोस्ती करोगे' में करीना कपूर के किरदार का नाम क्या था-२
२९. 'तेरी याद बिछा के सोता हूँ' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2590

सूडोकु -2591

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2590 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्द पहेली -2591

बाएँ से दाएँ

1.अपनापन का विलोम-5
4.हठ करना,रोना,लालसा करना-4
7.गीत (अंग्रेजी-2)
8.गलीचा,कारपेट-3
9.किनारा,छोर-2
10.झगड़ा,कहासुनी-4
11.समय,वक्त-2
13.बेबस-3
14.राष्ट्र,स्वदेश-2
15.पुत्र,लड़का-3
17.प्राप्त करना-2
19.सेंधमार-5
22.चरित्र,व्यवहार-2,3
25.जीव,दूत,जासूस-2
26.आत्मबलि देना-3
28.ताकत,जोश,बल-2
29.कराह,टीस,लालसा-3
30.वहम,संदेह-2
32.आह भरना-4
34.दूर्वा,घास-2
36.चोंगा,गाऊन-3
37.सफर,जात्रा-2
38.दयालु,कृपालु-4
39.निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.पांव, पैर-2
2.भिखारी,मंगता-3
3.अस्वीकृत करना-3,2
4.माला का मोती-3
5.बुरी आदत-2
6.नाटक से परिपूण-4
7.हल्का काला,श्याम-5
10.व्यवस्थित-4
12.बुरी आदत-2
16.अनुकृति-3
17.तांबूल,पत्ता-2
18.रुखसार,कपोल-2
20.डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21.जोड़,योग-2
22.चतुर्थ-2
23.आनंद ध्वनि करना-4
24.महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25.चमकीला-5
26.नीच,नराधम -4
27.विनाश, नेस्तनाबूत-2
31.रंग (अंग्रेजी-3)
33.पराजित करना-3
35.गौरेया, एक चिड़िया-2
37.दोस्त,मित्र, सखा-2

शब्द पहेली -2590 का हल

राहुल गांधी को लेकर बयानबाजी पर बवाल, केंद्रीय मंत्री और भाजपा के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, की आगजनी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर दिए गए बयान को लेकर केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और अन्य भाजपा नेताओं के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

अमेरिका में राहुल के बयान के बाद सियासी बवाल

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी पर केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और अन्य भाजपा नेताओं के बयान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। आपको बता दें कि हाल में अपने अमेरिका दौरे के दौरान राहुल ने कुछ ऐसे बयान दिए थे जिससे सिसायी बवाल शुरू हो गया। पलटवार में भाजपा और एनडीए के नेताओं की ओर से भी बयान दिए हैं।

भारत निर्वाचन आयोग को भेजी शिकायत की प्रति

कांग्रेस की शिकायत में केन्द्रीय मंत्री रववनीत सिंह बिट्टू के अलावा बीजेपी नेता तरविंदर सिंह मारवाह, शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ और उत्तर प्रदेश के मंत्री रघुराज सिंह का भी नाम है। शिकायत की एक प्रति भारत निर्वाचन आयोग को भी भेजी गई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ विवादित बयान के विरोध में कांग्रेस नेताओं का प्रदर्शन जारी है। कांग्रेस नेता दिल्ली BJP मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं इस मामले में कांग्रेस नेताओं ने भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना के चार नेताओं के खिलाफ पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई है। इसमें मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू का भी नाम शामिल है।

प्रदेश में बेरोजगारों का शिक्षक बनने का सपना सिस्टम ने तोड़ा, आयोग ने नहीं दी आयु सीमा में छूट

नई दिल्ली। उत्तराखंड में सिस्टम ने बेरोजगारों का शिक्षक बनने का सपना तोड़ दिया। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से सहायक अध्यापक एलटी के 1,544 पदों के लिए हुई भर्ती में शासन के आदेश के बाद भी आयोग ने कुछ अभ्यर्थियों को आयु सीमा में छूट नहीं दी। हालांकि, शासन का यह आदेश शिक्षक भर्ती परीक्षा से ठीक एक दिन पहले जारी हुआ। आयोग के सचिव सुरेंद्र रावत बताते हैं कि परीक्षा के लिए प्रवेशपत्र जारी होने के बाद इस तरह के आदेश पर अमल कर पाना संभव नहीं है। शिक्षा विभाग में सहायक अध्यापक एलटी के पदों पर भर्ती के लिए वर्ष 2020 में आवेदन मांगे गए थे।

भर्ती की अधिकतम आयु सीमा निकल गई

उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से कला विषय के बीएड उपाधिधारकों के लिए यह आवेदन मांगे गए थे। बाद में इस भर्ती में कला विषय के नॉन बीएड अभ्यर्थियों को भी शामिल किया गया। शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों के मुताबिक, आठ अगस्त 2021 को भर्ती के लिए परीक्षा हुई। परीक्षा के बाद अभ्यर्थी रिजल्ट का इंतजार करते रहे, लेकिन कुछ बीएड अभ्यर्थियों के कोर्ट जाने के बाद वर्ष 2023 में भर्ती रद्द कर दी गई। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से चार साल बाद 18 अगस्त 2024 को सहायक अध्यापकों के 1,544 पदों के लिए भर्ती परीक्षा कराई गई, लेकिन शासन के आदेश के बाद भी इस भर्ती में कुछ ऐसे अभ्यर्थी शामिल नहीं हो पाए। जिनकी भर्ती के इंतजार में इन चार वर्षों में भर्ती की अधिकतम आयु सीमा निकल गई।

श्राद्ध का खाना बना रहे मंडी के रसोइये की प्रेशर कुकर फटने से मौत

हमीरपुर जिले। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले के भोरंज उपमंडल की कक्कड पंचायत में द्वितीय श्राद्ध का खाना बनाने के लिए आए मंडी जिले के रसोइये की प्रेशर कुकर फटने से दर्दनाक मौत हो गई। इससे क्षेत्र में शोक की लहर है। कक्कड़ पंचायत के प्रधान विनोद कुमार ने बताया कि ज्ञान चंद पुत्र कांशी राम, गांव परनोह तहसील सरकाघाट से बुधवार सुबह भडथू गांव में दीनानाथ के घर पर श्राद्ध का खाना बनाने के लिए आया था। करीब 9:00 बजे दाल को गैस पर पकाने के लिए कुकर में रखा। थोड़ी देर बाद जैसे ही दाल को पके हुए देखकर कुकर को उठाने लगा तो अचानक कुकर का ढक्कन फटकर रसोइये के मुंह व छाती पर लगा। इसके बाद व्यक्ति को सिविल अस्पताल भोरंज ले गए, जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की दो बेटियां हैं, जिनकी शादी हो चुकी है। एक बेटा अविवाहित है। मृतक के भाई शेर सिंह ने बताया कि वह कई सालों से रसोइए का कार्य करते थे। मृतक गरीब परिवार से ताल्लुक रखता है। भोरंज थाना प्रभारी निर्मल सिंह ने घटना की पृष्टि करते हुए कहा कि पुलिस ने शव का जिला हमीरपुर अस्पताल में पोस्टर्माटम करवकर परिजनों को सौप दिया है।

गणपति विसर्जन के दौरान व्यास नदी में दो लोगों की डूबने मौत

हमीरपुर। जिला हमीरपुर की ग्राम पंचायत नाल्टी में गणेश उत्सव धूमधाम से आयोजित किया गया, लेकिन मंगलवार को गणपति मूर्ति की विसर्जन के बाद दो लोगों की जान चली गई। यह हादसा उस समय हुआ जब मूर्ति विसर्जन के बाद आए हुए लगभग 40 लोग स्नान करने लगे। इसी दौरान 25 वर्षीय विनय कुमार पुत्र देशराज गांव पटयाहू का नहाते समय पानी में डूब गया। वहां पर साथ आई महिलाओं ने चिल्लाना शुरू किया, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। उस लडके को जब पंचायत चोडू के चोआ चुकराला निवासी सोनी कुमार ने निकालने की कोशिश की तो गणेश जी मूर्ति के साथ लगी लोहे की तार से वह भी फंस गया और डूबने लगा, लेकिन स्थानीय लोगों ने उसे नदी से बाहर निकाला और उसे नादौन अस्पताल नादौन में उपचार के लिए ले गए। अस्पताल में पहुंचने के बाद दूसरे लड़के ने जिसकी आयु लगभग 36 वर्ष थी उसने भी दम तोड़ दिया।

योगी ने अखिलेश और राहुल पर कसा तंज, बोले- 'दो लड़कों की जोड़ी गुमराह करने के लिए आई'

एजेंसी

गाजियाबाद । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को रोजगार मेले में शामिल होने के लिए गाजियाबाद पहुंचे हैं। सीएम योगी ने यहां पर जनता को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में दो लड़कों की जोड़ी गुमराह करने के लिए आई है। इन्होंने किसी का हित नहीं किया, सिर्फ लूटा है। इन लोगों को जब भी जनता ने शक्ति दी है, तब इन्होंने इसका दुरुपयोग किया।

सीएम योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी, भस्मासुर जैसी है। सपा के समय में अराजकता थी, गुंडा टैक्स था। पहले की सरकारों ने उत्तर प्रदेश को खूब लूटा है। 2017 से पहले का गाजियाबाद और आज का गाजियाबाद बहुत अलग है। समाजवादी पार्टी के अंदर औरंगजेब की आत्मा आ चुकी है। इसीलिए लूट करना उनकी नियति बन गई है। सीएम योगी ने आगे कहा कि पहले जब उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार थी तब चारो तरफ गंदगी,

अराजकता और गुंडागर्दी थी। बता दें कि रोजगार मेले में पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ युवाओं को रोजगार संबंधी नियुक्ति पत्र बाटेंगे और कुछ छात्रों को टैबलेट और मोबाइल फोन दिए जाएंगे। इसके साथ-साथ इस रोजगार मेले में ऋण मेला भी लगाया गया है। मेले में पहुंचने वाले बेरोजगार युवा अपना रजिस्ट्रेशन करवाकर अपनी डिग्री और योग्यता के हिसाब से संबंधित कंपनियों में नौकरी पा सकते हैं और इस मेले में 100 से ज्यादा कंपनियां भी पहुंची हुई हैं जो इन प्रतिभाशाली युवाओं को उनकी योग्यता के हिसाब से नौकरी देगी और इन्हें सैलरी दी जाएगी।

मोदी की रैली से पहले श्रीनगर में बढ़ाई गई सुरक्षा

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधानसभा चुनाव अभियान को तेज करने के लिए यहां शेर-ए-कश्मीर पार्क में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैली से एक दिन पहले बुधवार को श्रीनगर में सुरक्षा बढ़ाई दी गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर और उसके आसपास के इलाकों में बहुस्तरीय सुरक्षा घेरा बनाया गया है और सभी संवेदनशील इलाकों में गहनता से जांच पड़ताल की जा रही है। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव से पहले घाटी में भाजपा के उम्मीदवारों के समर्थन में श्री मोदी की यह पहली रैली होगी।

प्रधानमंत्री कश्मीर घाटी में पार्टी के चुनावी अभियान को तेज करने के लिए एक रैली को संबोधित करने वाले हैं। भाजपा कश्मीर घाटी की 47 विधानसभा सीटों में से 19 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। विधानसभा चुनाव से पहले कश्मीर में भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में श्रीनगर में

श्री मोदी की यह पहली सार्वजनिक रैली होगी और इस साल उनका घाटी का यह तीसरा दौरा होगा। प्रधानमंत्री ने इससे पहले सात मार्च को कश्मीर का दौरा किया था और बख्शी स्टेडियम में एक रैली को संबोधित किया था और 21 जून को शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में शामिल हुये थे। श्री मोदी के कल कश्मीर दौरे को लेकर सुरक्षा बलों ने विभिन्न स्थानों पर जांच चौकियां स्थापित की हैं। सुरक्षा बल अन्य जिलों से श्रीनगर में प्रवेश करने वाले वाहनों की गहनता से जांच करते दिखाई दे रहे हैं। सुरक्षा बलों को प्रधानमंत्री की रैली स्थल की ओर जाने वाली सड़कों पर भी बड़ी संख्या में तैनात किया गया है।

पुलिस ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया, इस बीच, ड्रोन नियम, 2021 के नियम 24(2) के प्रावधानों के तहत प्रधानमंत्री की रैली के तहत सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए श्रीनगर शहर को तत्काल प्रभाव से ड्रोन और क्वाडकॉप्टर के संचालन के लिए अस्थायी रेड जोन÷ घोषित किया गया है।

नीमच के ग्राम चीताखेड़ा में दिनदहाड़े बैंक डकैती, मप्र ग्रामीण बैंक में ताबड़तोड़ चली गोलियां

एजेंसी

नीमच। जिले के ग्राम चीताखेड़ा में बुधवार सुबह एक चौंकाने वाली डकैती की घटना सामने आई है। इस

घटना ने पूरे क्षेत्र में दहशत और हड़कंप मचा दिया। जानकारी के अनुसार, मप्र ग्रामीण बैंक में दिन के समय दो बदमाशों ने घुसकर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई और बैंक में लूट की घटना को अंजाम दिया। सूत्रों के मुताबिक दोनों बदमाशों ने अपने चेहरे ढक रखे थे और मोटरसाइकिल से बैंक तक पहुंचे। बैंक में घुसते ही उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी और कैश लूटकर फरार हो गए। इस गोलीबारी में दो महिलाओं और एक चपरासी को गंभीर चोटें आई हैं। घायलों को एंबुलेंस के जरिए नीमच अस्पताल भेजा गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। पूरे इलाके में छानबीन और जांच की जा रही है, ताकि बदमाशों को पकड़ा जा सके और घटना की पूरी तहकीकात की जा सके। इस भयावह घटना ने स्थानीय लोगों को सुरक्षा की दृष्टि से चिंता में डाल दिया है।

पूर्वी एशिया में तैनात जहाज सुजय पहुंचा इंडोनेशिया के बाली बंदरगाह पर

एजेंसी

नयी दिल्ली। पूर्वी एशिया में तैनाती के दौरान भारतीय तटरक्षक बल के अपतटीय गश्ती पोत (ओपीवी) आईसीजीएस सुजय बुधवार को इंटीग्रल हेलीकॉप्टर के साथ इंडोनेशिया के बाली बंदरगाह पर पहुंच गया। तीन दिवसीय यात्रा के दौरान जहाज का चालक दल इंडोनेशियाई समकक्षों के बीच संबंधों को मजबूत करने के इरादे से पेशेवर बातचीत करेगा। इस दौरान समुद्री खोज एवं बचाव और समुद्री कानून प्रवर्तन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

आईसीजीएस सुजय ने पिछले माह इंडोनेशिया के जकार्ता में बंदरगाह की यात्रा की थी। सुजय की यह यात्रा कूटनीतिक समुद्री जुड़ाव में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस यात्रा का उद्देश्य न केवल भारतीय तटरक्षक और उनके इंडोनेशियाई समकक्षों के बीच संबंधों को मजबूत करना है, बल्कि भारत की जहाज निर्माण क्षमताओं को प्रदर्शित करना भी है। यात्रा के दौरान भारतीय जहाज की गतिविधियों में इंडोनेशियाई तटरक्षक के साथ पेशेवर बातचीत, क्रॉस डेक प्रशिक्षण,

संयुक्त योग सत्र, मैत्रीपूर्ण खेल आयोजन और पैसेज सी एक्सरसाइज (पासेक्स) शामिल हैं। जहाज पर सवार 10 राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेट स्थानीय युवा संगठनों के सहयोग से समुद्री प्लास्टिक प्रदूषण के दुष्प्रभावों पर समुदाय को संवेदनशील बनाने के लिए पर्यावरण संरक्षण वॉकथॉन में भाग लेंगे। आईसीजी ने 06 जुलाई, 2020 को सुरक्षा पर कैबिनेट समिति (सीसीएस) से अनुमोदित समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे, जिसका उद्देश्य समुद्री सहयोग बढ़ाने के साथ अपने सहकारी जुड़ाव को संस्थागत बनाना है। पूर्वी एशिया में आईसीजीएस सुजय की तैनाती भारत की भारत-प्रशांत देशों के साथ मधुर संबंधों को बढ़ावा देने, समुद्री सहयोग के माध्यम से मैत्रीपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। आईसीजीएस सुजय की यह यात्रा समकालीन समुद्री चुनौतियों का समाधान करते हुए क्षेत्र में समुद्रों की सुरक्षा, संरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण प्रमुख समुद्री एजेंसियों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में महत्व रखती है। इस यात्रा से पहले आईसीजीएस सुजय ने जकार्ता, इंडोनेशिया और इंचियोन, दक्षिण कोरिया के बंदरगाहों का दौरा किया था, जो इस क्षेत्र में राजनयिक समुद्री जुड़ाव की निर्बाध निरंतरता को दर्शाता है। पूर्वी एशिया में आईसीजीएस सुजय की तैनाती भारत की इंडो-पैसिफिक देशों के साथ मधुर संबंधों को बढ़ावा देने, समुद्री सहयोग के माध्यम से मैत्रीपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

आईआईटी-मद्रास शोधकर्ताओं ने एआई संचालित पोर्टेबल स्कैनर विकसित किया

एजेंसी

चेन्नई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-मद्रास (आईआईटी-मद्रास) शोधकर्ताओं ने खेल के मैदान में चोटिल होने वाले खिलाड़ियों के तत्काल और बेहतर उपचार के लिये कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) संचालित स्वदेशी पोर्टेबल पॉइंट-ऑफ-केयर-अल्ट्रासाउंड (पीओसीयूएस) स्कैनर विकसित किया है।आईआईटी-मद्रास की ओर से बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक उन्हें पहले से ही इस उपकरण में शामिल प्रौद्योगिकियों के लिए कई पेटेंट दिए गए हैं और वे उत्पादीकरण की दिशा में काम कर रहे हैं। आईआईटी-मद्रास में सेंटर

ऑफ एक्सीलेंस इन स्पोर्ट्स साइंस एंड एनालिटिक्स (सीईएसएसए) का यह शोध संभावित रूप से चोटों के ऑन-फील्ड निदान, चोट की सीमा का तत्काल आकलन करने में सहायक हो सकता है जो चिकित्सा पेशेवरों को यह निर्णय लेने की अनुमति देगा कि क्या करना है, खिलाड़ी खेल जारी रह सकता है या कब तक खेल के मैदान से दूर रहना होगा। इस उपकरण को विकसित करने वाली टीम का नेतृत्व करने वाले आईआईटी-मद्रास के एप्लाइड मैकेनिक्स और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर अरुण के. थिट्टाई ने कहा, ÷हमने मौजूदा तकनीकी अंतर और नियमित प्रशिक्षण परिसर के भीतर विशिष्ट एथलीटों के चोट लगने पर उनके चोट का निदान और फिर से खेलने के लिए प्वाइंट-ऑफ-केयर उपकरण की जरुरत को समझा। इस उपकरण से मैदान पर मस्कुलोस्केलेटल के त्वरित आकलन से खिलाड़ियों को तत्काल ध्यान देने और रिकवरी पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी।

मोदी सरकार के पहले 100 दिन फिर जुमले भरे ही साबित हुए : खड़गे

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर हमला बालते हुए कहा है कि उसके पहले 100 दिन फिर जुमले भरे ही साबित हुए हैं। श्री खड़गे ने बुधवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि मोदी सरकार फिर जुमले पर सवार होकर काम कर रही है और वह चुनाव में किये अपने किसी वादे पर अब तक खरी नहीं उतरी है। उन्होंने कहा, मोदी सरकार के 100 दिन, देश के लिए रहे बेहद कठिन। न एजेंडा दिखा, न कोई दावा टिका, वही जुमले, वही पीआर स्टंटजकांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, इस ठगबंघन से ऊब चुका है देश, जनता में सहनशीलता नहीं रही अब शेष।

पटियाला पुलिस को मिली बड़ी सफलता: मोटरसाइकिल चोर गिरोह के सदस्य गिरफ्तार

पटियाला। पुलिस ने मोटरसाइकिल चोर गिरोह के दो प्रमुख सदस्यों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। पटियाला के डीएसपी सिटी, बन वैदव चौधरी ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि थाना सिविल लाइन और मॉडल टाउन चौकी इंचार्ज की टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों के पास से चोरी की गई मोटरसाइकिल और एक्टिवा बरामद की गई है। दोनों संदिग्धों से गहन पूछताछ जारी है, और पुलिस उनकी गतिविधियों के बारे में और जानकारी जुटाने की कोशिश कर रही है। इन दोनों को जल्द ही अदालत में पेश कर रिमांड प्राप्त किया जाएगा, जिससे यह मामला और भी स्पष्ट हो सके। इस गिरफ्तारी को लेकर स्थानीय पुलिस और जनता में खुशी की लहर है।

बलरामपुर जिले के सीएएफ कैंप में जवान ने की साथियों पर फायरिंग, दो जवानों की मौत

एजेंसी

बलरामपुर /रायपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के सामरी थाना क्षेत्र के भुताही मोड़ पर स्थित छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (सीएएफ) के कैंप में बुधवार सुबह एक जवान ने अपनी इंसास रायफल से अपने साथियों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस घटना में दो जवानों की मौत हो गई और दो जवान गंभीर रूप से घायल हैं। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल घटनास्थल पर पहुंचे। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में झारखंड की सीमा से लगे क्षेत्रों में नक्सली गतिविधियों को देखते हुए भूताही गांव में सीएएफ का शिविर लगा है। भुताही शिविर में सीएएफ की 11वीं बटालियन तैनात हैं। जानकारी के अनुसार बुधवार को करीब 11.30 बजे सीएएफ के जवान अजय सिदार ने अपने साथियों पर इंसास सर्विस रायफल से अंधाधुंध गोलियां चला दीं। गोलियां चलने की आवाज सुनकर भागकर

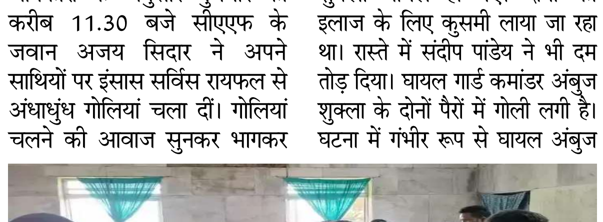

मौके पर पहुंचे जवानों ने अजय सिदार को पकड़कर काबू में किया। गोली लगने से जवान रुपेश पटेल की मौके पर मौत हो गई है। वहीं संदीप पांडेय और गार्ड कमांडर अंबुज शुक्ला घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए कुसमी लाया जा रहा था। रास्ते में संदीप पांडेय ने भी दम तोड़ दिया। घायल गार्ड कमांडर अंबुज शुक्ला के दोनों पैरों में गोली लगी है। घटना में गंभीर रूप से घायल अंबुज शुक्ला को कुसमी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया है। बलरामपुर जिले के एडिशनल एसपी शैलेन्द्र पांडेय ने घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सामरी थाना क्षेत्र में सीएएफ की कंपनी है। वहां सीएएफ का एक जवान ने इंसास रायफल से फायरिंग की है। जिसमें एक जवान की मौके पर मौत हो गई ,जबकि घटना को देखकर शॉक लगने के चलते एक और जवान की मौत हो गई। दो जवान घायल हुए हैं। बटालियन के सिपाही राहुल बघेल को भी गोली छूते हुए निकली है, उन्हें हलकी चोटें आई है, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कैंप में फायरिंग करने वाले जवान को बलरामपुर पुलिस ने अपनी कस्टडी में ले लिया है।आरोपित जवान के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। जवान ने कैंप में अपने साथी जवानों पर फायरिंग क्यों की, इसकी जांच की जा रही है।

राहुल गांधी पर टिप्पणी से भड़के कांग्रेसी, सड़कों पर उतरकर किया प्रदर्शन, कानून-व्यवस्था पर भी घेरा

एजेंसी

लखनऊ। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भाजपा नेताओं की अभद्र टिप्पणियों को लेकर कांग्रेसी सड़कों पर उतरे और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। लखनऊ में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन किया और प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर भी सरकार को घेरा। इस मौके पर अजय राय ने पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपा।

बता दें कि केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू सहित भाजपा के कई नेताओं ने राहुल गांधी पर अमर्यादित टिप्पणी की है। केंद्रीय मंत्री बिट्टू ने राहुल गांधी को आतंकवादी नंबर वन बताया था। जिसके बाद से कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता नाराज हैं और विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

नकांग्रेस नेताओं ने केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, शिवसेना के विधायक संजय गायकवाड़, पूर्व शिवसेना के विधायक संजय गायकवाड़, पूर्व विधायक तरविंद्र सिंह ने अभद्र टिप्पणी की जो गलत

विधायक तरविंद्र सिंह को बर्खास्त करने की मांग की। उन्होंने कहा कि भाजपा और उसके सहयोगी नेता लोकतंत्र की मर्यादा भूल गए हैं। सांसद राहुल गांधी के खिलाफ केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, है। वह देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी के नेता और जनप्रतिनिधि हैं।उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता भ्रष्टाचार में डूबे हैं और विपक्षी नेताओं के खिलाफ गलत बयानबाजी कर रहे हैं। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

खालिस्तानी पन्नू के साथ कांग्रेस खड़ी है : रवनीत सिंह बिट्टू

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर दिए विवादित बयान के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ता विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। दिल्ली से लेकर जयपुर, हैदराबाद समेत कई राज्य में कांग्रेस कार्यकर्ता सड़क पर उतरकर गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। इसी बीच कांग्रेस के प्रदर्शन पर केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू की प्रतिक्रिया सामने आई है।

उन्होंने इस बार कांग्रेस पार्टी के साथ-साथ मल्लिकार्जुन खड़गे पर भी सवाल उठाए हैं। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने राहुल गांधी का सिखों को लेकर दिए बयान का समर्थन किया। लेकिन, इतने दिन बीत जाने के बाद भी कांग्रेस के किसी भी नेता और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पन्नू के बयान का खंडन नहीं किया। इससे साफ है कि कांग्रेस अध्यक्ष पन्नू के बयान का समर्थन कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कांग्रेस के प्रदर्शन पर कहा, ÷मैं कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस के एक-एक कार्यकर्ता से कहना चाहता हूं कि आप खुशी से कितना भी मेरा विरोध करो। अगर आपकी कोई बात बनती है, गांधी फैमिली खुश होती है तो मैं भी खुश हूं। लेकिन, मैंने जो बात कही है, आपका मौन देखकर कही थी, क्योंकि जब राहुल गांधी ने कोई बात कही सिखों के विरोध में तो उसे देश का सबसे बड़ा दुश्मन गुरपतवंत सिंह पन्नू ने सपोर्ट किया, जो खालिस्तान के लिए

रेफरेंडम करवा रहा है, उस आदमी ने राहुल गांधी के हक में बयान दिया। मेरी तकलीफ मेरी पीड़ा यह है कि आप मीडिया पर एक चीज को लेकर घुमाकर बता रहे हैं, लेकिन असली बात खड़गे साहब राहुल गांधी ने अमेरिका में सिखों को लेकर कही थी, वो देश में पगड़ी नहीं बांध सकते, कड़ा नहीं डाल सकते, गुरुद्वारा नहीं जा सकते। उनके इस बयान का आतंकी पन्नू ने समर्थन किया।

उन्होंने आगे कहा, मैं दो दिन तक इंतजार करता रहा कि कांग्रेस की तरफ से कोई नेता या पार्टी के अध्यक्ष इस बात का खंडन करेंगे। इस बात पर स्पष्टीकरण देंगे कि कांग्रेस आतंकी पन्नू के साथ नहीं है। जब आपने यह बात नहीं कहीं तो फिर मैंने यह बात कही कि खड़गे साहब स्पष्ट बताएं ,आपकी पार्टी और हर लीडर जो आप बात कर रहे हैं, इसका मतलब आप लोग पन्नू के साथ खड़े हैं, यह बात स्पष्ट हो गई है। अच्छा होता आप मेरे खिलाफ चिट्ठी लिखने की बजाय पन्नू ने जो राहुल गांधी का सपोर्ट किया है, उसके बारे में आप खंडन करते और उस पर बात करते। रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा, मैं मल्लिकार्जुन खड़गे से पूछता हूं कि आतंकवादी किसे कहा जाता है? वह व्यक्ति है जो आतंकवाद को बढ़ावा देता है। मेरे टेररिस्ट कहने का मतलब है कि जब पन्नू और राहुल गांधी बिना किसी कारण के एक-दूसरे का समर्थन करते हैं, तो हमें इसे क्या कहना चाहिए? राहुल, पन्नू के और पन्नू, राहुल के बयानों का समर्थन कर रहे हैं। इसलिए खड़गे और कांग्रेस पार्टी को इस मामले पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए।

छोटी बातें बड़े काम की..

दूध को उबलने से बचाने के लिए बर्तन के किनारों पर जरा सा घी लगा दें।

- विटामिन ई के कैप्सूल के अंदर से निकलने वाले पाउडर को जले हुए स्थान पर लगाने से जल्द आराम मिल जाता है।
- नेल पॉलिश को परफ्यूम की सहायता से साफ किया जा सकता है।
- -अगर जूतों के फीतों की टिप निकल जाए तो फीते के किनारों पर नेलपालिश लगाकर उसे सख्त किया जा सकता है।
- कांच के सामान को धोने से पहले वाशबेसिन में तौलिया बिछा दें इससे उनके टूटने या चटकने की संभावना कम रहती है।
- टी-बैग्स को गर्म पानी में भिगोकर उस पानी को करीब बीस मिनट के लिए अपनी आंखों के नीचे लगाने पर वहां की सूजन को दूर किया जा सकता है।
- इंजेक्शन लगने के बाद होने वाली तकलीफ, सनबर्न तथा रेजर से कट जाने पर कुछ टी-बैग्स को पानी में भिगोने के बाद चोट वाले स्थान पर लगाएं।
- कुम्हलाई हुई सब्जियों को नींबू की कुछ बूंद पड़े ठंडे पानी में एक घंटा तक भिगो दें। सब्जियां ताजा हो जाएंगी।
- चाय का स्वाद बढ़ाने के लिए उबालते समय इसमें सूखे या ताजे संतरे के कुछ छिलके डाल दें।
- रबर बैंड को गर्मी के कारण चिपकने से बचाने के लिए उसके डिब्बे में थोड़ा सा टैल्कम पाउडर डाल दें।
- जले हुए दूध की महक दूर करने के लिए इसमें पान के दो पत्ते डालकर कुछ मिनट उबालें।

स्टोन पेंटिंग से सजाएं घर

इमारतों के निर्माण के साथ घर की सजावट में भी पत्थरों की अहम भूमिका है। आर्टीफेक्ट्स के अलावा पत्थरों के जरिये बनाई जाने वाली पेंटिंग्स की खूबसूरती का भी कोई जवाब नहीं। घर के लिविंग रूम, किड्स रूम और बेडरूम के अलावा पूजाघर की सज्जा में भी ऐसी पेंटिंग्स का इस्तेमाल किया जा सकता है..

संगमरमर, ग्रेनाइट, कोटा स्टोन या फिर कसौटी पत्थर के विविध रूपों का इस्तेमाल बिल्डिंग्स के निर्माण और उनकी सजावट के लिए वर्षों से होता रहा है। लाल पत्थर से बने बात चाहे दिल्ली के लाल किला की हो या फिर सफेद संगमरमर से दमकते ताजमहल की। सैंड स्टोन से बने कोणार्क के सूर्य मंदिर और लिंगराज मंदिर की खूबसूरती भी कुछ कम नहीं। वैसे इन सभी इमारतों में एक चीज समान है और वो यह कि पत्थर से विभिन्न तरह के पत्थरों से बनी इन इमारतों की खूबसूरती अद्वितीय है। इमारतों के निर्माण, उनकी फ्लोरिंग आदि से लेकर पत्थरों से बने आर्टीफेक्ट्स के जरिये घर व ऑफिस की सुंदरता बढ़ाने के पत्थरों का इस्तेमाल वैसे तो सदियों से किया जा रहा है। लेकिन आज के दौर में पत्थर का इस्तेमाल एक नए रूप में भी हो रहा है। जिसे जाना जाता है स्टोन पेंटिंग के नाम से।

पत्थरों के रंग-बिरंगे छोटे-बड़े टुकड़ों का चूरा बनाकर विविधता भरे डिजाइनों पर इन्हें चिपका कर चमकीली स्टोन पेंटिंग तैयार की जाती है। जो कि देखने में बेहद आकर्षक होती है। इस तरह की पेंटिंग से घर की सज्जा को नई जीवंतता दी जा सकती है। ऐसी पेंटिंग तैयार करने के लिए ऐमेथिस्ट, कैल्सीडोना, कोर्नोलियन, एग्टे, ब्लड स्टोन आदि का इस्तेमाल किया जाता है। स्टोन पेंटिंग बनाने के लिए कैनवास पर मनचाही आकृति बना लेने के बाद उस पर गोंद जैसा एक खास तरह का चिपकने वाला पदार्थ लगाया जाता है। इसे लगाने के बाद बड़ी सफाई के साथ कैनवास या शीट पर रंग-बिरंगे पत्थरों को चिपकाने के बाद सूखने के लिए छोड़ दिया जाता है।

पूरी तरह सूख जाने के बाद इन पेंटिंग्स के रंगों में भी ऑयल पेंटिंग जैसा ही लुक आ जाता है। यह भी आप और आपके घर आने वाले मेहमानों का उतना ही ध्यान आकर्षित करने में समक्ष हैं जितना कि ऑयल या फिर ग्लास पेंटिंग की खूबसूरती किसी को आकृष्ट करती है।

अगर आप अपने घर को इस तरह की पेंटिंग से सजाना चाहते हैं तो विभिन्न बाजारों से इन्हें खरीद सकते हैं। आर्ट गैलरीज के अलावा साउथ एक्सटेंशन के डिपार्टमेंटल स्टोर्स, कनॉट प्लेस और हौज खास जैसे इलाकों में स्थित आर्ट गैलरियों में इनकी विविधता भरी वेरायटी देखी जा सकती है। स्टोन पेंटिंग के रूपों में जहां राजसी परिवारों के

राजा और रानियों के चित्र देखे जा सकते हैं, वहीं इनके जरिये की गई लैंड-स्केपिंग भी आंखों को कुछ ऐसी ताजगी देती है कि मन करता है कि पेंटिंग से नजरें हटाई ही न जाएं। आप चाहें तो ईश्वर की आकृतियां वाली स्टोन पेंटिंग भी ले सकते हैं। खासकर घर या फिर ऑफिस के पूजाघरों के लिए इन्हें उपयुक्त कहा जा सकता है। इसके अलावा बच्चों के कमरों में इन्हें सजाने के लिए उनके पंसदीदा कार्टून कैरेक्टर्स के चेहरे के रूप में भी लिया जा सकता है।

जहां तक ऐसी पेंटिंग्स की कीमत का सवाल है तो इसमें इनका आकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ ही पेंटिंग बनाने में कैसे और कौन सी किस्म के पत्थर का इस्तेमाल किया गया है, यह भी उसकी कीमत को प्रभावित करती है। वैसे डेढ़ फुट की लंबाई-चौड़ाई वाल

ी ऐसी पेंटिंग के लिए आपको कम से कम कम डेढ़ हजार रुपये का बजट रखना होगा। जैसे-जैसे आकार और पेंटर की मेहनत बढ़ेगी इसकी कीमत में भी इजाफा होता जाएगा।

पेंटिंग के पत्थरों से बनने की वजह से अगर आप इनकी देख-रेख को लेकर चिंतित हैं, तो फिक्र की कोई बात नहीं, क्योंकि फोटोग्राफ्स की तरह आमतौर पर इन्हें फ्रेम करा दिया जाता है, जिससे कि पत्थरों पर धूल-मिट्टी न पड़े। हां, अगर फ्रेम के शीशों पर धूल जमे तो सूखे और फिर हल्के गीले कपड़े से इन्हें साफ किया ही जा सकता है।

आम तौर पर पेंटिंग के रूप में घरों में ज्यादातर ऑयल कलर्स की पेंटिंग्स ही देखने को मिलती हैं। लेकिन अपने घर में कुछ अलग और नया करने के लिए आप भी स्टोन पेंटिंग का इस्तेमाल कर सकते हैं।

ऐसा हो किचन

परिवार छोटा हो या बड़ा, बैचलर हों या फिर बुजुर्ग, हर किसी के लिए कुछ अलग तरह के किचन की जरूरत पड़ती है। बुजुर्ग और बड़े परिवार के लिए कैसा हो किचन और कैसी सुविधाएं हों इसमें मौजूद..

घर में बैचलर हों तो छोटे किचन से काम चल जाता है, लेकिन परिवार बड़ा हो तो किचन में ज्यादा स्पेस का होना स्वाभाविक भी है। साथ ही खाना बनाने के अलावा दूसरे अप्लायंसेज की जरूरत भी कुछ ज्यादा ही होती है। इसी तरह से यदि घर में सिर्फ बुजुर्ग ही हों तो भी किचन में कुछ खास चीजों के अलावा किचन का डिजाइन अलग तरह का होना जरूरी है। कैसे परिवार के लिए कैसा हो किचन आइये जानते हैं-

बुजुर्गों के लिए

- पहले आप जितना चल-फिर पाते थे या काम कर पाती थीं हो सकता है अब आप उतना मूव नहीं कर पाएं इसलिए किचन ऐसे ढंग से व्यवस्थित करें जहां आपको बार-बार पीठ झुकानी और घुटने मोड़ने न पड़े। आपकी जरूरत का सारा सामान आपके चारों ओर हो। यहां दिए गए उपायों को अपनाकर आप अपने किचेन को सुविधाजनक बना सकते हैं।
- ऐसी फ्लोरिंग चुनें जिसे साफ करना आसान हो। इसके लिए सिरेमिक टाइल्स, टेक्सचर्ड टाइल्स, बैंबू या इसी प्रकार कोई भी फ्लोर मटीरियल चुनें। ताकि फिसल कर गिरने का डर भी न हो।
- बुजुर्गों के लिए मॉड्यूलर किचन बेस्ट विकल्प है। ताकि नीचे वाले कैबिनेट का इस्तेमाल करने में ज्यादा मशक्कत न करनी पड़े। किचन के अंदर ही मेज और दो कुर्सी की व्यवस्था ताकि सब्जी वगैरह काटते समय या बीच में आराम के लिए बैठा जा सके।
- किचन का लेआउट इस प्रकार हो कि वह सुरक्षित भी हो। सामने की तरफ एक खिड़की भी हो ताकि वेंटीलेशन हो सके।
- सीढ़ियों का प्रयोग न करें। अगर आप रैंच होम में रह रहे हैं तो सीढ़ियों को पाट दें या बराबर कर दें ताकि दिनभर ऊपर नीचे न करना पड़े।
- किचेन खुला और जगह वाला चाहिए ताकि आपको चलना-फिरना आसान हो।
- डाइनिंग एरिया के निकट ही किचेन होना चाहिए। ताकि पुरानी हैवी कटलरी/डिशेज उठाकर डाइनिंग टेबल तक ले जाना आसान हो। आप चाहें तो सामान ले जाने के लिए ट्रॉली का इस्तेमाल भी कर सकते हैं लेकिन इसके किचेन की फ्लोरिंग फ्लैट होनी चाहिए।
- सबसे महत्वपूर्ण है नेचुरल लाइट। इस उम्र में नजर कमजोर होने के कारण चीजों को देखना भी मुश्किल हो जाता है इसलिए तेज लाइट की व्यवस्था होनी जरूरी है।
- किचेन का रंग हलका चुनें ताकि वह खुला-खुला व साफ नजर आए।

5 जरूरी चीज़ें

- वाइब्रेटिंग लिक्विड लेवल इंटीकेटर
- माइक्रोवेब
- फूड एटीमर
- पोर होल्डर
- नॉन-स्लिप प्लेसमैंट

बड़े परिवार के लिए

ऐसे परिवार में आमतौर पर किचन के काम के लिए घरेलू सहायक होते हैं। इसलिए यहां बड़े और खुली जगह वाले किचन की जरूरत होती है। किचन का रोजमर्रा और 80 प्रतिशत काम घरेलू सहायक करते हैं इसलिए होममेकर के लिए उसी किचन में अपनी पसंद का कुछ बनाने के लिए सैपरेट काउंटर और बर्नर की जरूरत होती है।

- ऐसे परिवार के लिए लेजर किचन परफेक्ट होता है। यहां सामान डबल होता है। किचन अप्लायंस और उपकरणों का डबल सेट होता है। इसमें बार भी होता है।
- दो फ्रिज रखने के लिए कैबिनेट होना चाहिए।
- बर्तन धोने की जगह अलग होनी चाहिए और छोटी-मोटी जरूरत के लिए छोटा सिंक किनारे बनवाना चाहिए।
- छह बर्नर वाला एक चूल्हा और दो बर्नर वाला एक चूल्हा रखना चाहिए।
- फ्लैप ग्रेनाइट का रखें और काउंटर आर सी सी बेस होनी चाहिए ताकि अगर कभी कोई सामग्री कूटनी हो तो प्लैटफार्म में दरार न पड़े।
- टाइल्स फ्लोर रखें ताकि किचन बड़ा और साफ सुथरा दिखे। स्टोरेज की जगह जरूरी है।
- रंग ओक या बेज रखें ताकि खुला-खुला नजर आए।
- जगह बड़ी हो तो किचन के मध्य में डाइनिंग टेबल भी रख सकते हैं ताकि खाना बनाने के साथ परिवार के लोग होममेकर के साथ एंजॉय भी कर सकें। लाइव कुकिंग का मज ही अलग होता है।

5 जरूरी चीज़ें

- स्लो कुकर/क्रॉकपॉट
- मीट टेंडराइजर
- फूड प्रोसेसर
- स्टॉकपॉट

..ताकि तंग न करें सीढ़ियां

अगर आप भी अपना घर बनवाने जा रहे हैं तो उसमें सीढ़ियों का विशेष ध्यान रखें। सीढ़ियों की ऊंचाई और चौड़ाई का सही अनुपात, घर के सदस्यों को आसानी से ऊपरी मंजिलों तक पहुंचाने और नीचे लाने में सहायक होगा..

जमीन खरीदकर मनमाफिक आशियाना बनवाने की चाह रखने वालों की कमी आज भी कुछ कम नहीं। क्या आपकी भी कुछ ऐसी ही ख्वाहिश है? अगर जवाब हां में है तो प्लॉट पर घर की कंस्ट्रक्शन कराते समय कुछ चीजों का खास ध्यान रखना जरूरी है। कंस्ट्रक्शन से पहले जाहिर है सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आप सॉयल टेस्टिंग तो कराएंगे ही साथ ही घर को भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदा से सुरक्षित रखने भूकंप-रोधी संरचना तैयार कराने पर भी विचार करेंगे। इन सब के साथ यह जरूर ध्यान रखें कि जब आप घर का नक्शा या फिर डिजाइन किसी आर्किटेक्ट से डिजाइन कराएं तो उसे सीढ़ियों की ऊंचाई और चौड़ाई पर विशेष ध्यान देने को कहें। वैसे अक्सर ऐसा भी होता है कि ज्यादातर लोग आर्किटेक्ट की मदद के बगैर ही कांट्रेक्टर के बताए नक्शे के मुताबिक प्लॉट पर कंस्ट्रक्शन कराना आरंभ कर देते हैं। इसका असर तब दिखता है जब वे घर में रहना शुरू करते हैं। ऐसी ही कुछ परेशानियों में सीढ़ियां भी एक हैं। अक्सर प्लॉट के आकार के छोटा होने पर तंग सीढ़ियां बना दी जाती हैं और फिर उस घर में रहने वाले जब भी सीढ़ियों पर चढ़ते उतरते हैं तो हमेशा तंग ही होते रहते हैं। ऐसे में कुछ चीजों का विशेष ध्यान रखना बेहद जरूरी है। आइये जानते हैं-

- सीढ़ियां बनाते समय हेड रूम का ध्यान रखना जरूरी है, जिससे कि लंबे व्यक्तियों का सिर छत से न टकराए। अक्सर ऐसा होता है कि जल्दीबाजी में सीढ़ियों से उतरते हुए सिर अथवा माथा छत या छज्जे से टकरा जाता है और चोट लग जाती है।
- सीढ़ियों को कम से कम 840 एमएम और ज्यादा से ज्यादा एक मीटर तक अपनी जरूरत के अनुसार रखना चाहिए।
- अच्छी सीढ़ी वही है जिसमें चढ़ते और उतरते वक्त आपको बहुत ज्यादा मेहनत न करनी पड़े। आम तौर पर किसी भी वयस्क का एक पग यानी स्टेप 600 एमएम यानी 2 फुट का होता है। इसको ध्यान में रखते हुए ही सीढ़ियों का निर्माण कराएं।
- यह ध्यान रखें कि सीढ़ियों पर ऊपर चढ़ते हुए दुगनी ऊर्जा लगानी पड़ती है, ऐसे में अगर सीढ़ियां ऊंची-नीची होंगी, उनमें सामंजस्य नहीं होगा तो दुर्घटना की संभावना बनी रहेगी।
- घर में इस्तेमाल की जाने वाली सीढ़ियों में 250 एमएम का ट्रेड और 165 एमएम से 175 एमएम तक का राइजर इस्तेमाल में लाया जा सकता है। आप इसे ज्यादा से ज्यादा 220 तक का रख सकते हैं। अगर राइजर ज्यादा ऊंचा होगा तो पैर भी ज्यादा ऊंचाई तक उठाने होंगे, जिससे चंद सीढ़ियां चढ़ने के बाद ही थकान महसूस होने लगेगी।
- सीढ़ियां इस तरह डिजाइन कराई जानी चाहिए कि उस तक आसानी से पहुंचा जा सके।
- अगर कमरों के दरवाजे सीढ़ियों के साथ खुल रहे हों तो ऐसे में कम से कम 310 मिलीमीटर तक की न्यूनतम दूरी जरूरी बनाकर रखनी चाहिए। इसका फायदा यह होगा कि कमरे से सीढ़ियों तक आसानी से स्टेप-अप किया जा सकेगा।
- सीढ़ियों को कभी बहुत तंग नहीं रखना चाहिए। ऐसा होने से खासकर ऊपरी मंजिलों पर फर्नीचर चढ़ाने और उतारने में परेशानी का सामना करना पड़ता है।
- सीढ़ियों की डेकोरेशन के लिए तमाम तरह के विकल्प मौजूद हैं। इन्हें सजाने में सबसे ज्यादा भूमिका रेलिंग की होती है। रेलिंग के लिहाज से आयरन या फिर स्टील फिनिश वाली रेलिंग का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

रोहित शर्मा की नजर में 3 प्लेयर्स जो बनने चाहिए ऑल-फॉर्मेट खिलाड़ी

एजेंसी

चेन्नई (तमिलनाडु)। भारत के कप्तान रोहित शर्मा बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। सीरीज का पहला मुकाबला 19 सितंबर को चेन्नई में होगा जबकि दूसरा टेस्ट 27 सितंबर से कानपुर में खेला जाएगा। टेस्ट सीरीज से पहले रोहित ने टीम की रणनीतियों, भविष्य के चेहरे और नए कोच के साथ सामंजस्य जैसे मुद्दों पर खुलकर बातचीत की। रोहित ने इस दौरान भारतीय युवाओं यशस्वी जयसवाल, सरफराज खान और ध्रुव जुरेल को देश के लिए ऑल-फॉर्मेट खिलाड़ी बनने के लिए प्रेरित किया। इस तिकड़ी ने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ अपना प्रभाव दिखाया था। अब बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में यह तिकड़ी अपना जादू बिखेरने की कोशिश करेगी।

रोहित ने बांग्लादेश के खिलाफ प्री-सीरीज़ प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ईमानदारी से कहूं तो, आपको उनसे ज्यादा बात करने की जरूरत नहीं है। वे टेस्ट क्रिकेट में बहुत नए हैं, जयसवाल, ज्यूरेल, सरफराज, ये सभी। हमने इसकी झलक देखी कि वे बल्ले से क्या कर सकते हैं, और खासकर ज्यूरेल स्टंप के पीछे अपने दस्ताने के साथ। उनके पास तीनों प्रारूपों में भारत के लिए शीर्ष खिलाड़ी बनने के लिए आवश्यक सभी चीजें हैं। अब, जाहिर है, समय के साथ, हमें उनका पोषण करना होगा और तैयार करना होगा। हमें उनसे बात करते रहना होगा, जो हम करेंगे।

वनडे प्रारूप को अब भी फेवरेट मानते हैं एडम जंपा, कहा- देश के लिए खेलने...

नई दिल्ली। स्पिनर एडम ज़म्पा को लगता है कि वनडे क्रिकेट का भविष्य अनिश्चित बना हुआ है। भले ही फ्रेंचाइजी क्रिकेट में वृद्धि हुई है लेकिन ऑस्ट्रेलिया में युवाओं में अभी भी यह प्रारूप लोकप्रिय है। इस साल वर्ल्ड क्रिकेटर्स एसोसिएशन (औपचारिक रूप से FICA) के एक सर्वेक्षण किया जिसमें देखने को मिला कि टी20 विश्व कप के कारण वनडे विश्व कप की वैल्यू कम हो रही है। सर्वेक्षण के अनुसार 50 प्रतिशत ने वनडे संस्करण का समर्थन किया, जबकि 35 प्रतिशत ने टी20ई संस्करण को चुना। ज़म्पा जोकि गुरुवार को ट्रेंट ब्रिज में इंग्लैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना 100वां वनडे खेलेंगे, ने इसपर कहा कि एकदिवसीय प्रारूप के बारे में बहुत सारे सवाल हैं और यह आगे कैसा दिखता है। ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने और उस ड्राइव के संदर्भ में, मुझे लगता है कि आने वाला हर युवा अभी भी सोचता है कि यही सब कुछ है और सब कुछ है। जम्पा ने कहा कि फ्रैंचाइजी क्रिकेट के संदर्भ में स्पष्ट रूप से अन्य अवसर भी हैं और यह अच्छा है कि यह एक संतृप्त बाजार है, लेकिन ये सभी अलग-अलग प्रतियोगिताएं अन्य लोगों को अवसर देती हैं।उन्होंने अपने रुख की पुष्टि की कि टी20 फ्रेंचाइजी क्रिकेट के बजाय ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलना उनकी प्राथमिकता है और वनडे क्रिकेट खेलते रहने की इच्छा व्यक्त की। जंपा ने कहा कि भले ही लोग बीबीएल या ब्लास्ट खेले लेकिन उनके लिए देश के लिए खेलना अभी भी प्राथमिकता है।

लीजेंड्स लीग में प्रदर्शन के लिए फॉर्म में रहना जरूरी है: सुरेश रैना

नई दिल्ली। भारत के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना का मानना है कि लीजैंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) जैसे प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए खिलाड़ियों को शीर्ष फॉर्म में रहना होता है। एलएलसी का तीसरा सत्र 20 सितंबर से शुरू होगा जिसमें शिखर धवन और दिनेश कार्तिक जैसे हाल ही में क्रिकेट को अलविदा कहने वाले खिलाड़ी भी भाग लेंगे। रैना ने कहा कि एलएलसी काफी प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट है। आप अलग अलग जगहों पर अलग अलग विकेटों पर खेल रहे हैं। इसमें कई सुपरस्टार हैं। आपको इरफान पठान, युसूफ पठान, क्रिस गेल, अंबाती रायुडू, रॉबिन उथप्पा और मुझे खेलते देखने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि छक्का लगाने के लिये फिट होना जरूरी है। गेंदबाज को चार अच्छे ओवर डालने हैं। किसी के लिए ऐसी लीग में खेलना आसान नहीं है। ऐसा नहीं है कि आप रिटायर हुए और इसमें खेलने आ गए। अब इसके लिए भी काफी प्रतिस्पर्धा है। रैना ने इस दौरान बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज पर भी बात की। उन्होंने कोहली की वापसी पर बात करते हुए कहा कि डब्ल्यूटीसी में भारत लगभग 10 मैच खेलेगा और मेरा मानना है कि विराट इस टेस्ट चक्र में ढेर सारे रन बनाएंगे। रैना बोले- टीम इंडिया के रोहित शानदार कप्तान हैं। उन्होंने इसे तब साबित किया जब भारतीय टीम ने टी2ओ विश्व कप ट्रॉफी जीती। लेकिन ध्यान विराट कोहली की रेड-बॉल क्रिकेट में वापसी पर होगा। उन्हें टेस्ट मैच पसंद हैं और वे उन्हें बहुत सम्मान देते हैं।

विराट कोहली डब्ल्यूटीसी में टॉप स्कोरर होंगे : सुरेश रैना

नई दिल्ली । विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के तहत भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज खेलने के लिए तैयार है। इस दौरान पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने विराट कोहली के प्रदर्शन को लेकर एक भविष्यवाणी की है। विराट 9 महीने के अंतराल के बाद रेड-बॉल क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। रैना का मानना है कि स्टार बल्लेबाज अगले कुछ महीनों में भारत द्वारा खेले जाने वाले 10 टेस्ट मैचों में महत्वपूर्ण संख्या में रन बनाएंगे। भारतीय टीम ने चेन्नई के एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट खेलना है। इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन और घरेलू टेस्ट और ऑस्ट्रेलिया में 5 मैचों की सीरीज भी होनी है। यहां कोहली महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कोहली ने आखिरी बार जनवरी 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेली थी। इसके बाद बेटे के जन्म के कारण वह इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से चूक गए। यह सीरीज भारत ने 4-1 से जीती थी।

अल नासर ने कोच लुइस कास्त्रो के क्लब छोड़ने की घोषणा की

एजेंसी

नई दिल्ली। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के सऊदी क्लब अल नासर ने निराशाजनक ड्रा के साथ अपने एएफसी चैंपियंस लीग एलीट अभियान की शुरुआत करने के एक दिन बाद पुर्तगाली कोच लुइस कास्त्रो के जाने की घोषणा की। एशियाई प्रतियोगिता में इराक के अल शॉर्टा के साथ 1-1 के ड्रा के कारण क्लब के घरेलू सत्र की धीमी शुरुआत हुई। एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा गया, अल नासर घोषणा करता है कि मुख्य कोच लुइस कास्त्रो ने क्लब छोड़ दिया है। अल नासर में हर कोई लुइस और उनके कर्मचारियों को पिछले

14 महीनों के दौरान उनके समर्पित काम के लिए धन्यवाद देना चाहता है और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता है।

63 वर्षीय कास्त्रो रोनाल्डो के 2023 की शुरुआत में क्लब में आने के बाद अल नासर को छोड़ने वाले तीसरे कोच हैं। फ्रांसीसी रूडी गार्सिया उस अप्रैल में तुरंत चले गए, उसके बाद पिछले साल जुलाई में कास्त्रो की नियुक्ति से पहले क्रोएशियाई कोच डिंको जेलिकिक ने क्लब में एक संक्षिप्त कार्यकाल बिताया।

रोनाल्डो ने अभी तक रियाद क्लब के साथ सऊदी ट्रॉफी नहीं जीती है, उनका एकमात्र खिताब पिछले साल का अरब क्लब चैंपियंस कप है। अल नासर, जो पिछले सऊदी प्रो लीग सीज़न में दूसरे स्थान पर रहे थे, ने नए अभियान की शुरुआत में तीन मैचों में दो बार ड्रॉ खेला है।

400 टेस्ट विकेट हासिल करने के राह पर टिम साउदी

एजेंसी

गॉल। न्यूजीलैंड के कप्तान टिम साउदी को लगता है कि टेस्ट प्रारूप में 400 विकेट का आंकड़ा छूना आसान नहीं है। 380 विकेट ले चुके साउदी को इस उपलब्धि तक पहुंचने के लिए 20 विकेट ही चाहिए। ऐसा कर वह टेस्ट फॉर्मेट में 400 विकेट लेने वाले 18वें और रिचर्ड हेडली के बाद न्यूजीलैंड के दूसरे गेंदबाज बन जाएंगे। हालांकि 35 वर्षीय साउदी को लगता है कि 400 विकेट की उपलब्धि अभी भी उनसे कुछ दौरे दूर है, खासकर एशिया का दौरा, जहां स्पिनर लाल गेंद वाले क्रिकेट पर हावी होने के लिए पसंदीदा हैं।

साउथी ने पहले टेस्ट की पूर्व संध्या पर कहा कि हर खेल में आप बाहर जा रहे हैं और अपनी भूमिका निभाने और अपनी टीम के लिए कुछ विकेट लेने की कोशिश कर रहे हैं, और यह अच्छा होगा यदि आप उन मील के पत्थर को हासिल करते हैं। मुझे लगता है कि समय के साथ, जब आप लंबी अवधि के लिए खेलते हैं, तो मुझे लगता है, आप उसके करीब पहुंचने में सक्षम होते हैं, लेकिन फिर भी 20 विकेट दूर रहने के मतलब अभी आपके सामने बहुत सारे दौरे हैं। बता दें कि न्यूजीलैंड को गॉल में दो टेस्ट खेलने हैं, ऐसे में अधिकांश विकेट स्पिनर के पास जाने की उम्मीद है। फिर भी साउथी को लगता है कि श्रृंखला में तेज गेंदबाजों की भूमिका होगी, भले ही यह एक कठिन चुनौती है। साउथी ने कहा कि मुझे लगता है कि ऐतिहासिक रूप से, यहां, विशेष रूप से गॉल में, स्पिन ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। लेकिन तेज गेंदबाज के रूप में, यदि आप यहां आकर अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं, तो यह एक कठिन चुनौती है, लेकिन बहुत फायदेमंद चुनौती

भारत ने चीन को हराकर पांचवीं बार जीता एशियाई हॉकी चैम्पियंस ट्रॉफी का खिताब

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने चीन को हराकर एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब बरकरार रखा है। जुगराज सिंह ने चौथे क्वार्टर में मैच का एकमात्र गोल किया। मैच के 51वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह से मिले शानदार पास के बाद जुगराज ने एक बेहतरीन मूव बनाया और भारत को 1-0 से आगे कर दिया और अंत में यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ। यह खिताब भारत द्वारा पेरिस 2024 ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद आया है। भारत और चीन ने टूर्नामेंट के पहले मैच में एक दूसरे का सामना किया था और भारत ने आसानी से यह मैच 3-0 से जीता था। हरमनप्रीत सिंह एंड कंपनी इस मैच में प्रबल दावेदार के तौर पर उतरी थी, लेकिन मेजबान टीम बिना लड़े हार मानने को तैयार नहीं थी।

मैच की शुरुआत चीन द्वारा भारतीय डिफेंस पर दबाव बनाने की कोशिश से हुई थी। टूर्नामेंट में इन दोनों टीमों के बीच पहले गेम में यह

स्पष्ट था, जब चीन काउंटर पर भारत को तोड़ने की कोशिश कर रहा था।

भारत को पहला वास्तविक मौका पहले क्वार्टर की शुरुआत में मिला, जब सुखजीत ने एक शानदार शॉट लगाया, जिसे चीनी गोलकीपर ने अच्छी तरह से रोक दिया। भारत के लिए पहला पीसी 9वें मिनट में आया और इसे चीनी डिफेंस ने अच्छी तरह से रोक दिया। भारत को एक और मौका मिला और इस बार हरमनप्रीत निशाने से काफी दूर थे। दूसरा क्वार्टर ज्यादातर समय उलझन भरा रहा क्योंकि चीन ने भारत को रोके रखा, भारत को 27वें मिनट में एक बड़ा मौका मिला जब हरमनप्रीत ने गलत तरीके से लगाए गए पीसी का पूरा फायदा उठाया, लेकिन गेंद पोस्ट से टकरा गया। इसके तुरंत बाद, भारत को शुरुआत में पेनल्टी स्ट्रोक दिया गया, लेकिन भारतीय टीम एक बार फिर इसे गोल में नहीं बदल सकी। मध्यांतर तक दोनों टीमें गोल नहीं कर सकीं। तीसरे क्वार्टर में भारत ने डी में कई बेहतरीन हमले किए, लेकिन चीनी डिफेंस दृढ़ रहा। चीन ने कुछ पीसी हासिल किए, लेकिन भारतीय डिफेंस ने उन्हें रोके रखा। भारत का दबाव था, लेकिन चीन ने अपना दबदबा बनाए रखा और खेल अंतिम क्वार्टर में पहुंच गया।

भारत ने दबाव बनाते हुए क्वार्टर की शुरुआत की और आखिरकार 51वें मिनट में भारतीय टीम को सफलता मिल गई। हरमनप्रीत ने डी में एक बेहतरीन मूव बनाया और जुगराज को पास दिया, जिसे जुगराज ने गेंद को गोल पोस्ट में डालने में कोई गलती नहीं की। भारत ने 1-0 की बढ़त बना ली। चीन को अब सावधानी बरतनी पड़ी और भारत पर दबाव बनाने की कोशिश करनी पड़ी। उन्होंने गोल की तलाश में मैदान पर एक फ्लाइंग गोलकीपर भी लगाया। हालाँकि, अंत में भारतीय रक्षा काफी मजबूत थी और भारत ने अंततः 1-0 से जीत हासिल कर ली।

भारत ने पांचवीं और लगातार दूसरी बार जीता खिताब

चीन को हराने के साथ ही भारत ने रिकॉर्ड पांचवीं और लगातार दूसरी बार एशियाई खिताब जीता। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया और 25 गोल किए और केवल पाँच गोल खाए। भारत ने सेमीफाइनल में कोरिया को 4-1 से हराकर फाइनल में जगह पक्की की थी।

कप्तान हरमनप्रीत ने टूर्नामेंट में किये सात गोल

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए सात गोल किए, फाइनल में भी जुगराज द्वारा गोल किये जाने में कप्तान की महत्वपूर्ण भूमिका थी।

तैमूर और जेह को क्रिकेट सीखा रहे सैफ अली खान

नई दिल्ली। सैफ अली खान अपनी फिल्म प्रचार से विराम लेकर बेटों तैमूर और जेह को क्रिकेट मैदान पर ले जाते दिखे। सैफ को नीली टी-शर्ट और ढीली ग्रे पैंट में देखा गया था, जब वह मुंबई के खेल के मैदान में क्रिकेट सीखने के लिए तैमूर और जेह

के साथ थे। एक पापराज़ी वीडियो में सैफ को तैमूर और जेह के साथ देखा गया। तैमूर और जेह दोनों सफेद जर्सी में थे। बाद में सैफ को फोन कैमरे से तस्वीर खींचते हुए भी देखा गया। उनकी प्रैक्टिस खत्म होने के बाद सैफ को तैमूर और जेह के साथ बाहर निकलते देखा गया। उसने जेह का हाथ पकड़ा और बाहर की ओर चल दिया।

एफआईएच हॉकी स्टार्स अवार्ड्स के लिए नामित हुए हरमनप्रीत सिंह, पीआर श्रीजेश

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ द्वारा पुरुष खिलाड़ी ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए नामित किया गया है, जबकि पूर्व भारतीय गोलकीपर पीआर श्रीजेश गोलकीपर ऑफ द ईयर पुरस्कार की दौड़ में शामिल हैं। हरमनप्रीत और श्रीजेश दोनों ने पेरिस ओलंपिक में भारत के प्रदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जहां देश ने स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक जीता था।

भारतीय कप्तान 10 गोल के साथ ओलंपिक में शीर्ष गोल करने वाले खिलाड़ी थे और वह इस पुरस्कार के लिए थिएरी ब्रिंकमैन (नीदरलैंड), जोएप डी मोल (नीदरलैंड), हेंस मुलर (जर्मनी) और जैक वालेस (इंग्लैंड) के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे। भारत के लिए ओलंपिक श्रीजेश का आखिरी टूर्नामेंट था, इसलिए वह भारतीय गोलपोस्ट के सामने मजबूती से खड़े रहे, खासकर ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ

जब अमित रोहिदास को लाल कार्ड के साथ निलंबित कर दिया गया और क्वार्टर फाइनल के दूसरे क्वार्टर में भारत 10 खिलाड़ियों तक सिमट गया। भारत ने पेनल्टी शूटआउट में ग्रेट ब्रिटेन को 4-2 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

श्रीजेश का मुकाबला पिरमिन ब्लाक (नीदरलैंड), लुइस कैलज़ादो (स्पेन), जीन-पॉल डैनबर्ग (जर्मनी) और टॉमस सैंटियागो (अर्जेंटीना) से है।

एफआईएच ने अपनी वेबसाइट पर कहा, नामांकित व्यक्तियों की सूची प्रत्येक महाद्वीपीय महासंघ द्वारा चुने गए खिलाड़ियों, कोचों और अधिकारियों से बने विशेषज्ञ पैनल द्वारा बनाई गई थी। नामांकित व्यक्तियों की अंतिम सूची बनाने से पहले विशेषज्ञ पैनल को 2024 में आयोजित सभी अंतरराष्ट्रीय मैचों के मैच डेटा तक पहुंच प्रदान की गई थी, जिसमें टेस्ट मैच, एफआईएच हॉकी प्रो लीग, एफआईएच हॉकी नेशंस कप, एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर और ओलंपिक गेम्स पेरिस 2024 शामिल हैं। राष्ट्रीय संघों (जिनका प्रतिनिधित्व उनकी संबंधित राष्ट्रीय टीमों के कप्तान और कोच करेंगे), प्रशंसकों, खिलाड़ियों, कोचों, अधिकारियों और मीडिया के लिए मतदान प्रक्रिया 11 अक्टूबर तक खुली रहेगी। मतदान प्रक्रिया राष्ट्रीय संघों (जिनका प्रतिनिधित्व उनकी संबंधित राष्ट्रीय टीमों के कप्तान और कोच करेंगे), प्रशंसकों, खिलाड़ियों, कोचों, अधिकारियों और मीडिया के लिए 11 अक्टूबर तक खुली रहेगी। विशेषज्ञ पैनल में यूरोप से जेन मुलर-वीलैंड (जर्मनी) और साइमन मेसन (इंग्लैंड), एशिया से ताहिर ज़मान (पाकिस्तान) और सुश्री दीपिका (भारत), पैन अमेरिका से सोलेदाद इपरागुइरे (अर्जेंटीना) और क्रेग पार्नहम (यूएसए), अफ्रीका से सारा बेनेट (जिम्बाब्वे) और अहमद यूसुफ (मिस्र), ओशिनिया से एम्बर चर्च (न्यूजीलैंड) और एडम वेबस्टर (ऑस्ट्रेलिया) शामिल हैं।

डैरेन लेहमैन ने क्वींसलैंड, ब्रिसबेन हीट के सहायक कोच पद से दिया इस्तीफा

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई मुख्य कोच डैरेन लेहमैन ने ब्रिस्बेन हीट और क्वींसलैंड पुरुष टीम के सहायक कोच के पद से इस्तीफा दे दिया है। लेहमैन ने एबीसी स्पोर्ट्स में एक स्थायी रेडियो कमेंट्री की नौकरी लेने के लिए इस्तीफा दिया है। दोनों टीमों के लिए लेहमैन के कोचिंग अनुबंध में अभी एक साल बाकी है। वे पिछले साल हीट टीम के कोच थे, जहाँ उनकी देखरेख में टीम खिताब जीतने में सफल रही। 2012-13 में उनके कोचिंग में टीम को पहली ट्रॉफी दिलाने के बाद से यह हीट का पहला खिताब था। इस साल की शुरुआत में वेड सेकोम्बे के जाने के बाद, लेहमैन से नए मुख्य कोच जोहान बोथा के तहत अपनी भूमिका जारी रखने की उम्मीद थी। हालांकि, 2024-25 सीजन की पूर्व संध्या पर, लेहमैन ने एबीसी स्पोर्ट्स के साथ कमेंट्री पद लेने के लिए अपना पद छोड़ने का फैसला किया, जिसमें बॉर्डर-गावस्कर सीरीज़ और बीबीएल का कवरेज शामिल होगा।

ईएसपीएनक्रिकइन्फो के हवाले से लेहमैन ने कहा, मैंने इस यात्रा में बहुत अच्छा समय बिताया है, उस समय की बहुत सारी यादें हैं। मैं क्यूसी और हीट में सभी के लिए भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं और क्यूसी में मेरे समय को इतना सुखद और संतोषजनक बनाने के लिए स्टाफ और खेल समूह के प्रत्येक सदस्य को धन्यवाद देता हूं। क्वींसलैंड क्रिकेट के सीईओ टेरी स्वेनसन ने क्वींसलैंड क्रिकेट के प्रति उनके योगदान के लिए लेहमैन को धन्यवाद दिया। स्वेनसन ने कहा, हमारे साथ अपने लंबे जुड़ाव के दौरान, चाहे बुल्स और हीट के साथ टीम कोच के रूप में, या व्यक्तिगत खिलाड़ियों को उनके विकास में सहायता करने के लिए, डैरेन राज्य में क्रिकेट पर एक सकारात्मक और सक्रिय प्रभाव रहे हैं। इसके अलावा, सीईओ ने कहा कि वे आने वाली गर्मियों में फिर से उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं।

आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2024 : महिलाओं को पुरुष समकक्षों के समान मिलेगी पुरस्कार राशि

एजेंसी

नई दिल्ली। महिला टी-20 विश्व कप 2024 पहला आईसीसी आयोजन होगा, जिसमें महिलाओं को उनके पुरुष समकक्षों के समान पुरस्कार राशि मिलेगी। यह निर्णय जुलाई 2023 में आईसीसी वार्षिक सम्मेलन में लिया गया था, जब आईसीसी बोर्ड ने 2030 के अपने निर्धारित कार्यक्रम से सात साल पहले अपने पुरस्कार राशि इक्विटी लक्ष्य तक पहुँचने का कदम उठाया था, जिससे क्रिकेट एकमात्र प्रमुख टीम खेल बन गया, जिसके पुरुष और महिला विश्व कप आयोजनों के लिए समान पुरस्कार राशि होगी।

टूर्नामेंट के विजेता, को 2.34 मिलियन अमेरिकी डॉलर मिलेंगे, जो 2023 में दक्षिण अफ्रीका में खिताब जीतने पर ऑस्ट्रेलिया को दिए गए 1 मिलियन डॉलर से 134 प्रतिशत अधिक है। उपविजेता को 1.17 मिलियन डॉलर मिलेंगे, जो न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड में घरेलू धरती पर फाइनल में पहुंचने के लिए दक्षिण अफ्रीका को मिले 500,000 डॉलर की तुलना में 134 प्रतिशत अधिक है। दो हारने वाले सेमीफाइनलिस्ट 675,000 डॉलर (2023 में 210 000 डॉलर से अधिक) कमाएंगे, जिसमें कुल पुरस्कार राशि 7,958,080 डॉलर होगी, जो पिछले साल की कुल राशि 2.45 मिलियन डॉलर से 225 प्रतिशत अधिक है।

यह कदम आईसीसी की महिलाओं के खेल को प्राथमिकता देने और 2032 तक इसके विकास में तेजी लाने की रणनीति के अनुरूप है। टीमों को अब तुलनीय आयोजनों में समान फिनिशिंग पोजीशन के लिए

समान पुरस्कार राशि मिलेगी और साथ ही उन आयोजनों में मैच जीतने के लिए भी समान राशि मिलेगी। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 इवेंट की पुरस्कार राशि केवल 10 अतिरिक्त टीमों के भाग लेने और 32 और मैच खेलने के कारण अधिक है। ग्रुप चरणों के दौरान प्रत्येक जीत पर टीमें 31,154 डॉलर घर ले जाएंगी, जबकि सेमीफाइनल में पहुंचने में विफल रहने वाली छह टीमें अपने फिनिशिंग पोजीशन के आधार पर 1.35 मिलियन डॉलर का पूल साझा करेंगी। इसकी तुलना में, 2023 में छह टीमों के लिए समान पूल 180,000 डॉलर था, जिसे समान रूप से साझा किया गया था। अपने समूह में तीसरे या चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों में से प्रत्येक को 270,000 डॉलर मिलेंगे, जबकि अपने समूह में पांचवें स्थान पर रहने वाली टीमों को दोनों को 135,000 डॉलर मिलेंगे। भाग लेने वाली सभी 10 टीमों को 112,500 डॉलर का आश्वासन दिया गया है।

महिला हैंडबॉल लीग की पहली टीम बनी कोलकाता थंडर स्ट्राइकर्स

एजेंसी

नई दिल्ली। उद्घाटन महिला हैंडबॉल लीग (डब्ल्यूएचएल) के लिए पहली फ्रेंचाइजी टीम के रूप में थंडर स्ट्राइकर्स (केटीएस) को पेश किया गया, यह लीग अगले साल की शुरुआत में शुरू होगी। कोलकाता थंडर स्ट्राइकर्स (केटीएस) भारत की पहली महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप में छह टीमों में से एक है। टीम प्रशिक्षण शिविरों की मेजबानी करेगी, स्कूल टूर्नामेंट आयोजित करेगी और आउटरीच कार्यक्रमों, सोशल मीडिया और प्रशंसक-केंद्रित कार्यक्रमों के माध्यम से समुदाय को जोड़ेगी। कोलकाता थंडर स्ट्राइकर्स, जिसका स्वामित्व कस्तूरी मित्रा के पास है (एक पहली पीढ़ी की उद्यमी), का लक्ष्य पश्चिम बंगाल और पूर्वी भारत में खेलों को अगले स्तर पर ले जाना है। दक्षिण एशियाई हैंडबॉल महासंघ, एशियाई हैंडबॉल महासंघ के तत्वावधान में आयोजित और भारतीय हैंडबॉल संघ द्वारा समर्थित, महिला हैंडबॉल लीग भारत में खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक मंच है। वे जल्द ही शेष पांच टीमों की भी घोषणा करेंगे। पावना इंडस्ट्रीज की कार्यकारी निदेशक और पावना स्पोर्ट्स वेंचर की निदेशक प्रिया जैन ने लीग में कोलकाता की टीम का स्वागत किया। जैन ने कहा, हमें महिला हैंडबॉल लीग में कोलकाता थंडर स्ट्राइकर्स का स्वागत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। भारत के सबसे उत्साही खेल क्षेत्रों में से एक का प्रतिनिधित्व करते हुए, केटीएस प्रतिभा के गहरे भंडार को भुनाने और पश्चिम बंगाल के जीवंत और जोशीले खेल सांस्कृतिक परिदृश्य के साथ एक मजबूत संबंध बनाने के लिए तैयार है।

उनकी उपस्थिति न केवल लीग की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाएगी बल्कि मैचों में उत्साह और तीव्रता का एक नया स्तर भी लाएगी। हम उत्सुकता से उन्हें भविष्य के एथलीटों को प्रेरित करते हुए और पूरे भारत में महिला हैंडबॉल के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए देखने का इंतजार कर रहे हैं। लीग में हिस्सेदारी को लेकर, केटीएस के मालिक कस्तूरी मित्रा ने कहा, हम महिलाओं के खेल को बढ़ावा देने और भारत में हैंडबॉल को आगे बढ़ाने में योगदान देने के लिए गहराई से प्रतिबद्ध हैं। हमारा ध्यान एक प्रतिस्पर्धी टीम बनाने से कहीं आगे जाता है। हमारा लक्ष्य युवा एथलीटों के लिए अवसर पैदा करना और खेल को हर स्तर पर आगे बढ़ाने में मदद करना है। हमारा उद्देश्य पश्चिम बंगाल में बहु-खेल संस्कृति को पुनर्जीवित करना है, जो एक समय में हैंडबॉल की मजबूत उपस्थिति का दावा करता था। कोर्ट के बाहर, हम समुदाय के साथ जुड़ने और एक भावुक प्रशंसक आधार बनाने के लिए उत्साहित हैं जो हैंडबॉल के लिए हमारे प्यार को साझा करता है और पूरे भारत में खेल के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में मदद करता है।

ऑस्ट्रेलियाई महिला फुटबॉल टीम के अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त हुए टॉम सेरमनी

एजेंसी

सिडनी। फुटबॉल ऑस्ट्रेलिया ने राष्ट्रीय महिला टीम के अंतरिम मुख्य कोच के रूप में टॉम सेरमनी को नियुक्त किया है। सेरमनी तुरंत अपना कार्यभार संभालेंगे, मौजूदा कोचिंग स्टाफ और फुटबॉल ऑस्ट्रेलिया की उच्च प्रदर्शन टीम के साथ मिलकर काम करेंगे ताकि आगामी मुकाबलों के लिए टीम की तैयारी को बनाए रखा जा सके। वे वेस्टर्न सिडनी वांडरर्स एफसी में महिला फुटबॉल के प्रमुख के रूप में अपनी भूमिका से अस्थायी रूप से छुट्टी लेंगे ताकि वे अपना पूरा समय ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ अंतरिम मुख्य कोच पद पर समर्पित कर सकें। 70 वर्षीय सेमने महिला टीम के सबसे लंबे समय तक सेवारत कोच हैं, जिन्होंने इससे पहले 1994-1997 और 2005-2012 तक टीम को कोचिंग दी थी, जिसमें उन्होंने 2007 और 2011 के फीफा महिला विश्व कप के क्वार्टर फाइनल और 2010 एएफसी महिला एशियाई कप खिताब में टीम का नेतृत्व किया था। फुटबॉल ऑस्ट्रेलिया के सीईओ जेम्स जॉनसन ने कहा, हमें टॉम (सेरमनी) का ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापस स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। ऑस्ट्रेलिया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीन दशकों से अधिक के फुटबॉल अनुभव के साथ, वैश्विक महिला फुटबॉल परिदृश्य, स्थानीय ऑस्ट्रेलियाई खेल और टीम के साथ उनकी

पिछली सफलता के बारे में उनका व्यापक ज्ञान उन्हें इस संक्रमण काल ??में टीम का मार्गदर्शन करने के लिए आदर्श उम्मीदवार बनाता है।

सेरमनी की नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी आगामी अक्टूबर फीफा महिला अंतरराष्ट्रीय विंडो में दो मैचों की तैयारी कर रही है, जिसमें ओलंपिक कांस्य पदक विजेता जर्मनी के खिलाफ़ मैच भी शामिल है। इस अवधि के दौरान, उनका ध्यान टीम को इन मुकाबलों के लिए तैयार करने पर रहेगा, साथ ही यह सुनिश्चित करेगा कि उनकी एकजुटता और प्रतिस्पर्धा बनी रहे।

अंतरिम पद स्वीकार करने पर, सेरमनी ने कहा, इस अंतरिम क्षमता में भी, ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापस आना सम्मान की बात है। मैं खिलाड़ियों के इस प्रतिभाशाली समूह के साथ काम करने और फुटबॉल ऑस्ट्रेलिया द्वारा स्थायी मुख्य कोच की खोज जारी रखने के दौरान एक सहज बदलाव सुनिश्चित करने में मदद करने के लिए उत्सुक हूँ। मेरी तत्काल प्राथमिकता आगामी अंतरराष्ट्रीय विंडो के लिए टीम को तैयार करना है। फुटबॉल ऑस्ट्रेलिया ने पुष्टि की है कि स्थायी मुख्य कोच के चयन की प्रक्रिया जारी है, संगठन अगले चक्र के लिए टीम का नेतृत्व करने के लिए सबसे अच्छे संभावित उम्मीदवार की तलाश कर रहा है।

7 साल पहले चोरी हुई पेंटिंग, हानिया आमिर के शो में दिखी तो भड़क गए आर्टिस्ट, कहा- मुझसे झूठ बोला गया

पाकिस्तानी ड्रामा कभी मैं कभी तुम को लेकर इस वक्त चर्चा काफी ज्यादा बढ़ गई है. इसकी वजह ये है कि हाल ही में इस ड्रामा का 17वां एपिसोड ऑन एयर हुआ. इस एपिसोड में एक आर्ट गैलरी का इस्तेमाल किया गया है, जिसमें लगी पेंटिंग 7 साल पहले चोरी हो गई थी.

पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर हर वक्त चर्चा में बनी रहती हैं. इस वक्त वो अपने नए ड्रामा 'कभी मैं कभी तुम' को लेकर हर जगह छाई हुई हैं. इस ड्रामा में उनके साथ लीड एक्टर के तौर पर फहाद मुस्तफा हैं. दोनों की जोड़ी और इस ड्रामा को काफी ज्यादा पसंद किया जा रहा है. हाल ही में 'कभी मैं कभी तुम' के एक सीन में बड़ा खुलासा हुआ है. इसके एक सीन को एक आर्ट गैलरी में शूट किया गया है, जिसमें कई सारी पेंटिंग्स लगी हुई हैं. पाकिस्तानी आर्टिस्ट सेफी सूमरो ने दावा किया है कि सीन में जिस पेंटिंग का इस्तेमाल किया गया है, वो पेंटिंग उनकी है, जो 7 साल पहले खो गई थी.दरअसल, 'कभी मैं कभी तुम' में एक सीन में दिखाई गई पेंटिंग के बारे में बात करते हुए आर्टिस्ट ने बताया कि उन्होंने साल 2017 में कराची के फ्रेरे हॉल में हो रहे एक एक्जीबिशन के दौरान अपनी कुछ पेंटिंग्स दी थी, जिनमें से एक पेंटिंग उन्हें वापस नहीं मिली. सेफी ने बताया कि उन्हें ये कहा गया था कि वो पेंटिंग उनसे खो गई है. इस तरह से अपनी पेंटिंग को देखते हुए उन्होंने कहा कि उनके साथ धोखा हुआ है. ये पेंटिंग उनकी सिंध यूनिवर्सिटी के फाइन आर्ट्स डिपार्टमेंट से जुड़ा हुआ काम था.

आर्टिस्ट ने सोशल मीडिया पर किया पोस्ट

उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल पर इसके बारे में पोस्ट करते हुए लिखा, अस्सलामु अलैकुमञ मैं सेफी सूमरो घोटकी जिले का रहने वाला हूं, मैं एक आर्टिस्ट हूं. साल 2017 में मैंने अपनी पेंटिंग्स फ्रेरे हॉल के एक एग्जीबिशन के लिए दी थी और एग्जिबिशन खत्म होने के बाद, मैंने उन्हें वापस मांगा. हालांकि, मुझे बताया गया कि मेरी पेंटिंग खो गई है. मैंने काफी कोशिश की, लेकिन थोड़ी देर बाद, मैंने यह सोचकर हार मान ली कि शायद वो सच में खो गई हैं. आखिरकार, हम सभी इंसान हैं.

लेकिन बाद में उन्होंने 'कभी मैं कभी तुम' के 17वें एपिसोड में अपनी पेंटिंग की एक झलक देखी. जिस पर उन्होंने कहा, मुझसे झूठ बोला गया. केवल उसे बेचने या दोबारा इस्तेमाल करने के लिए मुझसे कहा गया कि मेरी पेंटिंग खो गई है. इस पेंटिंग के लिए अभी तक मुझे क्रेडिट भी नहीं दिया गया है. ये मेरी पेंटिंग है और इस बात का सबूत मेरे पास है.

प्रोडक्शन कंपनी ने कर लिया किनारा

यह सीन तब फिल्माया जाता है, जब एम्माद इरफानी और आरीज चौधरी एक आर्ट गैलरी में साथ में पेंटिंग के बारे में बात कर रहे होते हैं. आर्टिस्ट के इस पोस्ट के बाद से 'कभी मैं कभी तुम' की प्रोडक्शन कंपनी बिग बैंग एंटरटेनमेंट एक स्टेटमेंट जारी करते हुए इस मामले से अपना किनारा कर लिया है. प्रोडक्शन कंपनी ने कहा जिस जगह पर सीन शूट किया गया है वो और उसमें इस्तेमाल की गई पेंटिंग को किराए पर लिया गया था.

आर्टिस्ट की पोस्ट के बाद से हमें पता चला कि हमारे ड्रामा में इस्तेमाल की गई पेंटिंग का इस्तेमाल उसके आर्टिस्ट की परमिशन के बिना किया गया है. कंपनी ने अपने बयान में कहा कि इस मामले में हमारी कोई भी इंवॉल्वमेंट नहीं है. इस मामले के सामने आने के बाद से लोगों के बीच गुस्सा है, जिसको देखते हुए सिंध के कल्चरल मिनिस्टर सैयद जुल्फिकार अली शाह ने इस मामले की जांच करने का आदेश दिया है.

कॉमेडी किंग आ रहा है वापस, 'भूत बंगला' के बाद अक्षय कुमार के पास एक और गुदगुदाने वाली फिल्म

अक्षय कुमार का नाम इस वक्त काफी सारे प्रोजेक्ट्स के साथ जुड़ा हुआ है. पिछले महीने 15 अगस्त को उनकी फिल्म 'खेल-खेल में' रिलीज हुई थी, जो कि बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास परफॉर्म नहीं कर पाई. इसके साथ ही उसी दिन श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर 'स्त्री 2' भी रिलीज हुई थी, जिसमें अक्षय ने कैमियो किया था. इस रोल में उन्हें लोगों ने काफी ज्यादा पसंद किया. बाद में अपने बर्थडे के वक्त अक्षय ने प्रियदर्शन के साथ आने वाली अपनी अगली फिल्म 'भूत बंगला' का मोशन पोस्टर रिलीज किया था, जो कि एक हॉरर कॉमेडी होगी. अब खबर आ रही है कि वो एक और कॉमेडी फिल्म में नजर आने वाले हैं. साथ ही ये भी कहा जा रहा है कि इस फिल्म में उनके साथ पंकज त्रिपाठी भी होंगे.अक्षय कुमार को हमेशा ही पसंद किया जाता है, लेकिन कॉमेडी फिल्मों में उनके किरदार दर्शकों पर एक अलग ही इंपैक्ट डालते हैं. अब उन्होंने कॉमेडी जॉनर में अपना कमबैक करने का मन बना लिया है. उनकी कई अपकमिंग फिल्में भी कॉमेडी फिल्में ही होने वाली हैं. हाल ही में आई खबर में बताया जा रहा है कि 'फुकरे' के डायरेक्टर मृगदीप सिंह लांबा के साथ मिलकर अक्षय कॉमेडी की एक नई फ्रेंचाइजी शुरू करने जा रहे हैं. दोनों को एक साथ काम करते देखना काफी एक्साइटिंग होने वाला है. 'फुकरे' जैसी मजेदार फिल्में बनाने के बाद मृगदीप अक्षय के साथ किसी दमदार स्क्रिप्ट पर काम करेंगे.

बनेगी एक नई कॉमेडी फ्रेंचाइजी

रिपोर्ट के मुताबिक, ये कहानी चार अंडरडॉग लोगों पर बनाई जाएगी, जो कि किस्मत के भरोसे कुछ बड़ा करने की चाह रखते हैं. ये कहानी इसी के इर्द-गिर्द घूमती नजर आएगी. फिल्म में इन चारों कैरेक्टर के लिए यंग एज के लोगों को लिया गया है. कहानी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि 'फुकरे' के फैन्स को ये फिल्म बहुत पसंद आने वाली है. 'फुकरे' की सक्सेस के बाद से कहा जा रहा है कि 'फुकरे' की ही तरह लोग इस फिल्म की कहानी और कैरेक्टर से ज्यादा रिलेट कर पाएंगे, जिससे एक नई कॉमेडी फ्रेंचाइजी बन सकती है. हालांकि, अभी तक फिल्म को लेकर कोई भी ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है. लेकिन इस नए प्रोजेक्ट से जुड़े एक सोर्स ने बताया है कि हम कुछ नया करने जा रहे है, जो कि कॉमेडी को एक लेवल ऊपर ले जाएगा.

तारक मेहता का उल्टा चश्मा के पांच बड़े विवाद, अब 'सोनू भिड़े' पर कंट्रोवर्सी

सब टीवी पर पिछले करीब 15 सालों से लगातार चल रहा शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा अक्सर चर्चा में रहता है. इस शो को दर्शक दीवानों की तरह पसंद करते हैं. इतने लंबे वक्त से चलने के बावजूद इसकी टीआरपी कम नहीं हुई है. ये शो हमेशा ही टीआरपी चार्ट में बना रहता है. पर जितना इस शो की लोग तारीफ करते हैं, उतना ही विवाद इस शो और इससे जुड़े कलाकारों और प्रोड्यूर्स को लेकर होता रहा है. अब लेटेस्ट विवाद शो में सोनू भिड़े का किरदार निभाने वाली पलक सिंधवानी को लेकर हो रहा है. ऐसे में हम आपको शो से जुड़े पांच बड़े विवादों के बारे में बता रहे हैं.सबसे पहले ये जान लेते हैं कि लेटेस्ट विवाद आखिर है क्या ? दरअसल कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि तारक मेहता के मेकर्स यानी प्रोड्यूसर असित कुमार मोदी एक्ट्रेस पलक को लीगल नोटिस भेजने की तैयारी कर रहे हैं. दावा है कि ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि पलक ने प्रोडक्शन कंपनी से बिना मंजूरी लिए ही थर्ड पार्टी इंडोर्समेंट किया. उनका ऐसा करना कॉन्ट्रैक्ट का उल्लंघन है. मगर पलक ने इन खबरों को खारिज कर दिया है. पलक ने कहा है कि उन्होंने मेकर्स से बात की है और सोमवार को वो उनसे मिलने वाले हैं. उन्होंने किसी भी लीगल नोटिस के मिलने की खबर से इनकार कर दिया है.

जेनिफर मिस्त्री के आरोप से सनसनी

पिछले साल की बात है. शो में मिसेज रोशन सोढ़ी का किरदार निभाने वाली जेनिफर मिस्त्री ने शो को प्रोड्यूसर असित मोदी और प्रोडक्शन टीम पर बड़े इल्जाम लगाए थे. उन्होंने दावा किया था कि असित मोदी ने उनका सैक्शुअल हैरेसमेंट किया है. इसके अलावा प्रोडक्शन टीम पर उन्होंने बदतमीजी करने का भी आरोप लगाया था. जेनिफर के दावों के बाद सनसनी मच गई थी. हालांकि असित मोदी ने आरोपों को खारिज कर दिया था.

गुरचरण सिंह के आरोपों से बवाल

तारक मेहता का उल्टा चश्मा में सोढी का किरदार निभाने वाले गुरचरण ने भी असित मोदी पर गंभीर आरोप लगाए थे. कुछ वक्त पहले उन्होंने दावा किया कि उन्हें बिना बताए ही शो से रिप्लेस कर दिया गया था. गुरचरण शो की शुरुआत से ही इसका हिस्सा थे. उन्होंने बताया था कि जब साल 2012 में उन्होंने कॉन्ट्रैक्ट पर बात की तो उन्हें बिना जानकारी दिए शो से बाहर कर दिया गया.

शैलेश लोढ़ा वर्सेज असित मोदी

इस शो को लेकर कई विवाद हुए, पर सबसे बड़ा टर्निंग प्वाइंट था शैलेश लोढ़ा का शो को छोड़ देना. शैलेश ही शो में तारक मेहता थे, उन्हीं के नाम पर पूरा शो था. पिछले साल सैलेश लोढ़ा ने शो को अचानक छोड़ दिया था.

कैंसर से जंग के बीच दुल्हन बनकर रैंप पर उतरीं हिना खान

हिम्मत देख लोग बोले: बहादुर बच्ची है

टीवी एक्ट्रेस हिना खान लंबे वक्त से सुर्खियां बटोर रही हैं. इस समय वो ब्रेस्ट कैंसर स्टेज 3 से गुजर रही हैं. हालांकि, इतनी गंभीर बीमारी के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी. खुद को हर हाल में पॉजिटिव रखने की कोशिश कर रही हैं. दरअसल कीमोथेरेपी सेशन के दौरान उन्हें और भी काफी परेशानियां झेलना पड़ी है, पर उनकी हिम्मत और बिंदास एटीट्यूड के साथ लाइफ जीने का जज्बा देखकर फैन्स भी जल्द ठीक होने की दुआएं कर रहे हैं. कैंसर से जंग लड़ने के बीच ही हिना खान ब्राइडल लुक में नजर आईं. उन्होंने इस खूबसूरत अंदाज में रैंप वॉक किया है, जो हर किसी को काफी पसंद आ रहा है. हाल ही में अहमदाबाद में एक रैंप शो का आयोजन किया गया था, जहां हिना खान शो स्टॉपर थीं.लाल लहंगे में हिना खान बेहद खूबसूरत लग रही हैं. पूरे श्रृंगार के साथ हिना खान रैंप पर खुशी-खुशी उतरीं और उन्होंने वॉक किया. इस दौरान वो काफी कॉन्फिडेंट नजर आईं. रैंप वॉक कंप्लीट करते ही पहले उन्होंने सबको फ्लाइंग किस दी और उसके बाद हाथ जोड़कर शुक्रिया कहा.

दुल्हन बनकर रैंप पर उतरीं हिना, जीता दिल

हिना खान ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है. इसकी शुरुआत होती है मेकअप रूम से. वो तैयार होती नजर आ रही हैं. खूब मस्ती करने के बाद हैवी लाल रंग के लहंगे में रैंप वॉक करती हैं. दर्द छिपाकर चेहरे पर एक बड़ी से मुस्कान लिए हिना खान ने हर किसी का दिल जीत लिया. इस दौरान बेहद प्यारा कैप्शन उन्होंने लिखामेरे पिता हमेशा कहा करते थे, डैडी की मजबूत बेटी, रोने वाली बच्ची मत बनो. अपनी समस्याओं के बारे में कभी भी शिकायत नहीं करो. अपनी जिंदगी में पर कंट्रोल रखो और मजबूती से खड़ा रहकर उसका सम्मान करो. यही वजह है कि मैंने आउटकम के बारे में सोचना ही बंद कर दिया है. मैं सिर्फ उसी पर फोकस कर रही हूं, जिस पर मेरा कंट्रोल है. रेस्ट और बाकी अल्लाह पर छोड़ दोञ वो हमेशा कोशिशों को देखता है और प्रार्थनाओं को सुनते भी हैं, क्योंकि वही तुम्हारे दिल को जानता है. यह बिल्कुल भी आसान नहीं था पर मैं खुद को कहती रही हिना आगे बढ़ती रहो. कभी रुकना मत..